▪ श्रावण कृष्ण - 10 ▪ संवत 2081 ▪ वर्ष - 20 ▪ अंक - 8 ▪ पृष्ठ - 8 ▪ रु. 5/- बेंगलूरु » मंगलवार » 30-07-2024 ▪ www.dakshinbharat.com ▪ Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

5 सरकार गिरने का दावा 'मुंगेरीलाल का हसीन सपना' : अनुप्रिया पटेल

6 जयन्ती के बहाने मुंशी प्रेमचन्द

7 सिल्वर स्क्रीन पर कमबैक करना चाहती हैं पूजा बत्रा

फर्स्ट टेक

ब्रिटेन में चाकू से हमले में बच्चों समेत आठ लोग घायल

लंदन/भाषा। ब्रिटेन के साउथपोर्ट शहर में सोमवार को चाकू से किए गए हमले में बच्चों समेत कम से कम आठ लोग घायल हो गए। इस घटना के सिलसिले में एक संदिग्ध व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री केअर स्टॉर्मर ने उत्तर-पश्चिमी इंग्लैंड के साउथपोर्ट शहर में चाकू घोंपने की घटना को 'भयावह' करार दिया है। स्थानीय मर्सीसाइड पुलिस के सशस्त्र कर्मियों ने इस घटना के सिलसिले में एक व्यक्ति को गिरफ्तार करने और एक चाकू जब्त करने की जानकारी दी है। नॉर्थ-वेस्ट एम्बुलेंस सर्विस ने कहा है कि कम से कम आठ लोग चाकूबाजी की इस घटना की वजह से घायल हुए हैं और घायलों का कई अस्पतालों में भर्ती कराया गया है।

एक हजार इलेक्ट्रिक बसें खरीदेगी राजस्थान सरकार

जयपुर/भाषा। राजस्थान सरकार बड़े शहरों में सार्वजनिक परिवहन प्रणाली को बेहतर बनाने के लिए 1000 इलेक्ट्रिक बसें खरीदेगी, साथ ही राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा कानून (एनएफएसए) के सभी लाभान्वित परिवारों को रसोई गैस सिलेंडर 450 रुपए में देगी। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सोमवार को राज्य विधानसभा में यह घोषणा की। विनियोग व वित्त विधेयक पर हुई चर्चा का जवाब देते हुए उन्होंने सरकार नौकरियों के लिए 'सामान्य प्रवेश परीक्षा' के नियमों में ढील देने, विधायकों के वेतन व पेंशन में हर साल स्वत: वृद्धि का प्रावधान जोड़े जाने की घोषणा की। उन्होंने 'अग्निवीरों' को पुलिस, वनरक्षक व जेल प्रहरी भर्ती में 'आरक्षण देने की घोषणा भी दोहराई।

गडकरी ईरानी राष्ट्रपति के शपथग्रहण समारोह में हिस्सा लेंगे

नई दिल्ली/एजेन्सी। केंद्रीय सड़क, परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी मंगलवार को ईरान के

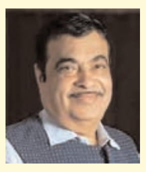

निर्वाचित राष्ट्रपति मसूद पेज़ेशकियान के शपथ ग्रहण समारोह में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे। गडकरी आज सुबह ईरान की राजधानी तेहरान में आयोजित ईरानी राष्ट्रपति के शपथग्रहण समारोह में शामिल होंगे। गौरतलब है कि ईरान के दिवंगत पूर्व राष्ट्रपति इब्राहिम रायसी के अंतिम संस्कार में उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने देश का प्रतिनिधित्व किया था। रायसी ने भारत को 10 साल के लिए चाबहार बंदरगाह के संचालन की अनुमति संबंधी द्विपक्षीय समझौते में महत्वपूर्ण पहल की थी। वहीं पिछले साल ईरान की ब्रिक्स की सदस्यता के मामले में भारत की अहम भूमिका रही।

मद्रास उच्च न्यायालय ने कहा

तुत्तुकुडी में हुई पुलिस गोलीबारी की घटना को पचा पाना असंभव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई/भाषा। मद्रास उच्च न्यायालय ने सोमवार को मौखिक रूप से कहा कि वह 2018 में स्टरलाइट कंपनी के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे लोगों पर की गई पुलिस गोलीबारी को पचा नहीं पा रहा है। तुत्तुक्कुडी (तूतीकोरिन) में हुई इस घटना में 13 लोगों की मौत हो गई थी।

न्यायमूर्ति एस.एस. सुंदर और न्यायमूर्ति एन. सेंथिलकुमार की खंडपीठ ने सामाजिक कार्यकर्ता हेनरी टिफाग्ने की याचिका पर सुनवाई करते हुए यह टिप्पणी की, जिसमें घटना के संबंध में राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग

(एनएचआरसी) द्वारा बंद की गई जांच को फिर से शुरू करने का अनुरोध किया गया है। पीठ ने कहा कि जब लोग भाग रहे थे, तो पुलिस ने उनका पीछा किया और गोलियां चलाईं। उसने कहा, ''हमारा दृष्टिकोण पूरी तरह से जनहितैषी है।''

पीठ ने कहा कि लोगों को धमकाया गया और उनके घरों की तलाशी ली गई। उसने कहा, ''ऐसा कैसे हो सकता है? लोग खुद को पीड़ित बताने से डरते हैं।'' अदालत ने कहा कि भविष्य में दोबारा ऐसे हालात नहीं बनने चाहिए।

सतर्कता एवं भ्रष्टाचार निरोधक निदेशालय (डीवीएसी) को स्वतंत्र जांच करने तथा रिपोर्ट दाखिल करने के लिए तीन महीने का समय देते हुए पीठ ने अन्य विभागों को डीवीएसी को सहयोग देने का निर्देश दिया।

पीठ ने मामले की अगली सुनवाई तीन महीने बाद के लिए सूचीबद्ध की। पीठ ने इससे पहले डीवीएसी को निर्देश दिया था कि वह उन आईपीएस और आईएएस अधिकारियों सहित सभी अधिकारियों की संपत्ति की जांच करे, जो इस घटना के समय पर तुत्तुक्कुडी में तैनात थे।

'कोचिंग संस्कृति 'गैस चैंबर' से कम नहीं'

विज्ञापन पर होने वाले खर्च की जांच करने की जरूरत : धनखड़

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ ने सोमवार को कहा कि कोचिंग सेंटरों की संस्कृति किसी ''गैस चैंबर'' से कम नहीं है। साथ ही उन्होंने अखबारों में विज्ञापनों पर होने वाले भारी खर्च की जांच करने की आवश्यकता पर बल दिया।

दिल्ली के एक कोचिंग सेंटर में जलभराव के कारण 'यूपीएससी' के तीन अभ्यर्थियों की मौत की घटना पर सोमवार को राज्यसभा में नियम 176 के तहत अल्पकालिक चर्चा हुई।

चर्चा की अनुमति देते हुए धनखड़ ने कहा, मुझे लगता है कि देश के युवा जनसांख्यिकीय लाभांश को पोषित किया जाना चाहिए। मुझे यह भी लगता है कि

कोचिंग वस्तुत: व्यवसाय बन गई है। उन्होंने कोचिंग सेंटरों द्वारा अर्जित की जाने वाली बड़ी रकम की ओर भी इशारा किया। उन्होंने कहा, कोचिंग उच्च रिटर्न वाला एक फलता-फूलता उद्योग बन गया है...जब भी हम अखबार का पहला पन्ना पढ़ते हैं तो एक या दो पेज विज्ञापनों के होते हैं...विज्ञापन पर खर्च किया जाने वाला हर पैसा छात्रों से आ रहा है, हर नई इमारत छात्रों (के पैसों) से आ रही है।

कोचिंग संस्कृति की तुलना ''गैस चैंबर'' से करते हुए सभापति ने कहा, ऐसे देश में जहां अवसर बढ़ रहे हैं, यह एक समस्या बन रहा है... वे गैस चैंबर से कम नहीं हैं। उन्होंने सदस्यों से युवाओं को देश में उपलब्ध विभिन्न रोजगार और कौशल अवसरों के बारे में बताने का आग्रह किया।

धनखड़ ने सदन में कुछ दलों के नेताओं द्वारा चर्चा के लिए बुलाए जाने और सदन के कामकाज को सुनिश्चित करने के लिए सुझाव देने के लिए अध्यक्ष के कक्ष में नहीं आने और नजरअंदाज करने के चलन पर भी दुख जताया। उन्होंने कहा, मुझे अपनी पीड़ा साझा करने दें, मुझे अपना दर्द साझा करने दें। अनदेखी करने का यह आचरण न केवल अभूतपूर्व है, बल्कि संसदीय शिष्टाचार को कमजोर करता है। निश्चित रूप से एक स्वस्थ प्रथा नहीं है।

कोचिंग सेंटर घटना :

गिरफ्तार पांचों आरोपियों को न्यायिक हिरासत में भेजा गया

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली के राजेंद्र नगर में एक कोचिंग सेंटर में पानी भर जाने के बाद, सिविल सेवा परीक्षा की तैयारी कर रहे तीन छात्रों की मौत के मामले में सोमवार को गिरफ्तार किए गए पांच आरोपियों को एक अदालत ने 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया। कोचिंग सेंटर के चार सह-मालिकों तजिंदर सिंह, परविंदर सिंह, हरविंदर सिंह और सरबजीत सिंह और कार चालक मनुज कथूरिया को अदालत में पेश किया गया। न्यायिक मजिस्ट्रेट विनोद कुमार ने उन्हें 12 अगस्त तक के लिए न्यायिक हिरासत में भेज दिया।

मैपमाईइंडिया का आरोप:

ओला मैप्स बनाने के लिए उसके डेटा की नकल की गई

नई दिल्ली/भाषा। डिजिटल नेविगेशन कंपनी और मैपमाईइंडिया ब्रांड की मालिक सीई इन्फो सिस्टम्स ने ओला इलेक्ट्रिक को एक कानूनी नोटिस भेजा है। सूत्रों के अनुसार, इस नोटिस में आरोप लगाया गया है कि ओला इलेक्ट्रिक ने ओला मैप्स बनाने के लिए उसके डेटा की नकल की और उसके ऐप को 'रिवर्स' इंजीनियर किया। गौरतलब है कि ओला इलेक्ट्रिक का आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) जल्द आने वाला है।

एक सूत्र ने गोपनीयता की शर्त पर बताया कि ओला के साथ बातचीत विफल होने के बाद नोटिस भेजा गया है। सूत्र ने कहा, ''फिलहाल, ओला को एक कानूनी नोटिस भेजा गया है। यह चर्चा विफल होने के बाद भेजा गया है।''

संपर्क करने पर ओला इलेक्ट्रिक के प्रवक्ता ने कहा, ''ओला इलेक्ट्रिक, सीई इन्फो सिस्टम्स लिमिटेड (सीई इन्फो) के ओला मैप्स और मैपमाईइंडिया के साथ जुड़े कथित मुद्दों के संबंध में किए गए हाल के दावों और मीडिया में आई खबरों का जवाब देना चाहती है।'' उन्होंने कहा, ''हम स्पष्ट रूप से कहना चाहेंगे कि ये आरोप झूठे, दुर्भावनापूर्ण और भ्रामक हैं। हम जल्द ही नोटिस का उचित जवाब देंगे।'' ओला इलेक्ट्रिक अपना 6,100 करोड़ रुपये का आईपीओ पेश करने की प्रक्रिया में है।

सीई इन्फो सिस्टम्स ने कानूनी नोटिस में कथित तौर पर कहा है कि ओला इलेक्ट्रिक ने जून, 2021 में डिजिटल नेविगेशन फर्म के साथ किए गए समझौते का उल्लंघन किया है।

मैपमाईइंडिया के मालिक ने आरोप लगाया कि ओला ने अनुचित व्यावसायिक लाभ के लिए गलत मकसद से कंपनी के नक्शे से डेटा कॉपी किया है।

इक्कीसवीं सदी में 'चक्रव्यूह' जैसे 'कमलव्यूह' में फंस गया है देश : राहुल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/एजेन्सी। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर तीखा हमला करते हुए कहा है कि मोदी सरकार ने देश को 'चक्रव्यूह' की तरह 'कमलव्यूह' में फंसा दिया है और कांग्रेस तथा विपक्षी गठबंधन इस व्यूह रचना को तोड़गे और देश की जनता को उसका अधिकार दिलाएंगे।

गांधी ने लोकसभा में सोमवार को बजट 2024 पर हो रही चर्चा में हिस्सा लेते हुए कहा कि हजारों साल पहले छह लोगों ने चक्रव्यूह की रचना कर वीर अभिमन्यु का बध किया था उसी तरह से 21वीं सदी में भाजपा सरकार ने चक्रव्यूह जैसे अपने 'कमलव्यूह' में देश को फंसा दिया है लेकिन विपक्ष उससे देश की जनता को बाहर निकालेगा और उसे व्यूह रचना से आजाद करेगा। उन्होंने कहा हमारे देवी देवताओं ने

■ कमल व्यूह में भी छह लोग ही नजर आते हैं और पूरे देश को फंसाकर मारने का काम चल रहा है। सिर्फ दो लोगों को पूरे देश की अर्थव्यवस्था सौंपी गई है।

अभय मुद्रा का संदेश है जिसका आशय है कि 'डरो मत डराओ मत'। देश में आज डर का माहौला है और यह डर चक्रव्यूह की तरह कमलव्यूह के कारण पैदा हुआ है। 'चक्रव्यूह' में छह लोगों ने मिलकर अभिमन्यु को मारा था। चक्रव्यूह का स्वरूप 'कमलव्यूह' जैसा होता है और 21वीं सदी में कमलव्यूह में किसानों, गरीबों, देश के आम आदमी को फंसाया जा रहा है। कमल व्यूह में भी छह लोग ही नजर आते हैं और पूरे देश को फंसाकर मारने का काम चल रहा है। सिर्फ दो लोगों को पूरे देश की अर्थव्यवस्था सौंपी गई है।

विपक्ष के नेता ने कहा कमल के चक्र व्यूह ने रोजगार देने वाले विंदुओं पर हमला किया है। बजट में टैक्स के हमले को रोकने लिए और छोटे रोजगार को बढाने, युवाओं को रोजगार देने के लिए कुछ नहीं किया गया है। अग्निवीरों को चक्रव्यूह में फंसाया है। उनके लिए पेंशर जैसी कोई योजना नहीं है। अन्नदाता को भी चक्रव्यू में फंसाया गया है। किसानों ने एमएसपी मांगा है लेकिन वह भी नहीं दिया गया है। युवाओं का पेपर लीक के चक्रव्यू में फंसाया गया है। मध्यम वर्ग पर सरकार ने दोहरा हमला किया है। मध्यम वर्ग की पीठ पर और छाती पर छुरा घोंपा गया है।उन्होंने कहा कि दस साल में पेपरलीक 70 बार हुआ है। पेपर लीक युवाओं के लिए सबसे अहम मुद्दा है और वित्त मंत्री ने अपने भाषण में पेपर लीक पर एक शब्द नहीं कहा है।

संसदीय कार्यमंत्री किरन रिजुजु ने हस्तक्षेप करते हुए कहा है कि विपक्ष के नेता को सदन की मर्यादा को नहीं तोड़ना चाहिए।

हिज़्बुल्ला के खिलाफ नेतन्याहू ने लिया जवाबी कार्रवाई का संकल्प

मजदल शम्स (गोलन हाइट्स)/एजेन्सी। इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने सोमवार को हिजबुल्ला के खिलाफ कड़ी जवाबी कार्रवाई का संकल्प लिया। नेतन्याहू ने यह टिप्पणी सप्ताहांत में हुए रॉकेट हमले के बाद क्षेत्रीय युद्ध

को रोकने के लिए कूटनीतिक प्रयास के बीच की है। इज़राइल नियंत्रित गोलन हाइट्स में हुए इस हमले में कम से कम 12 बच्चों की मौत हो गई थी। इजराइल ने शनिवार शाम लेबनान से किए गए रॉकेट हमले के लिए हिज़्बुल्ला को दोषी ठहराया है। यह रॉकेट मजदल शम्स में एक फुटबॉल मैदान पर गिरा, जहां बच्चे खेल रहे थे। हालांकि, हिज़्बुल्ला ने हमले में किसी भी भूमिका से इनकार किया है। अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने सोमवार को इजराइल के राष्ट्रपति आइजैक हरजोग से बात की और उन्होंने तनाव को बढ़ने से रोकने के महत्व पर जोर दिया और महीनों से जारी संघर्ष का कूटनीतिक समाधान निकालने के प्रयासों पर चर्चा की।

30-07-2024 सूर्यास्त 6:47 बजे | 31-07-2024 सूर्योदय 6:05 बजे

BSE	NSE
81,355.84	24,836.10
(+23.12)	(+1.25)

सोना	चांदी
7,105 रु.	85,600 रु.
(24 कैरेट) प्रति ग्राम	प्रति किलो

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

तू तू-मैं मैं

वो कुछ बोले तुम कुछ बोलो,
फिर कुछ-कुछ सारे बोलें।
इक दूजे के मतभेदों को,
भेद-भेद करके खोलें।
दिखलाते वे बजा-बजा कर,
सारे ढोलों में पोलें।
अपनी-अपनी स्वार्थ तुला पर,
सब अपने सपने तोलें।।

जलाभिषेक

श्रावण मास के दूसरे सोमवार के अवसर पर उत्तर प्रदेश के शिव मंदिरों में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने जलाभिषेक किया। श्रावण महीने के इस खास दिन को मनाने के लिए श्रद्धालुओं ने वाराणसी के काशी विश्वनाथ मंदिर, अयोध्या के सिद्धनाथ मंदिर और प्रयागराज के शिव मंदिर में पूजा-अर्चना की।

मस्क ने गूगल पर जताया अमेरिका के राष्ट्रपति चुनाव में हस्तक्षेप करने का संदेह

वाशिंगटन/एजेन्सी। अमेरिका के अरबपति उद्यमी एलन मस्क ने सर्च इंजन गूगल पर अमेरिका के राष्ट्रपति चुनाव में हस्तक्षेप करने का संदेह जताया है।

मस्क ने एक्स पर कहा, वाह, गूगल ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के बारे में खोज पर प्रतिबंध लगा दिया है! चुनाव में हस्तक्षेप? उन्होंने एक स्क्रीनशॉट संलग्न करते हुए दिखाया कि जब सर्च बार में 'राष्ट्रपति डोनाल्ड' टाइप किया जाता है, तो ब्राउजर के सुझाव 'राष्ट्रपति डोनाल्ड डक' और

'राष्ट्रपति डोनाल्ड रेगन' होते हैं।

बाद में, मस्क ने एक और पोस्ट किया, जिसमें उन्होंने कहा कि अगर गूगल वास्तव में राष्ट्रपति चुनाव में हस्तक्षेप कर रहा था, तो उसके लिए गंभीर संकट उत्पन्न हो जायेगा।

गौरतलब है कि अमेरिकी राष्ट्रपति का चुनाव पांच नवंबर को होने वाला है। डेमोक्रेटिक पार्टी का प्रतिनिधित्व वर्तमान अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन द्वारा किया जाना था, लेकिन रिपब्लिकन प्रतिद्वंद्वी डोनाल्ड ट्रम्प के साथ जून की बहस में उनके बेहद खराब प्रदर्शन के बाद डेमोक्रेट्स के बीच बहुत तेजी से उन्हें राष्ट्रपति पद की दौड़ से हटाये जाने की मांग उठने लगी। श्री बाइडेन ने 21 जुलाई को राष्ट्रपति पद की दौड़ से हटने का फैसला किया और उपराष्ट्रपति कमला हैरिस के नामांकन का समर्थन किया।

यूक्रेन और रूस के साथ और अधिक संपर्क बनाएगा भारत : जयशंकर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

टोक्यो/भाषा। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने सोमवार को कहा कि भारत भविष्य में यूक्रेन और रूस के साथ और अधिक संपर्क रखेगा क्योंकि दोनों पक्षों से बातचीत करने वाले देशों का इस तरह का संपर्क उनके बीच संघर्ष को सुलझाने के लिए बेहद महत्वपूर्ण है।

जयशंकर का यह बयान ऐसे समय आया है जब प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के अगले माह यूक्रेन का दौरा करने की संभावना जताई जा रही है।

जयशंकर ने कहा कि भारत का रुख यह रहा है कि संघर्ष का

समाधान युद्ध के मैदान से नहीं निकलेगा। उन्होंने चेतावनी दी कि स्थिति को अपने तरीके से चलने देना तथा विश्व के अन्य भागों में होने वाली घटनाओं का इंतजार करना ताकि संकट को समाप्त करने के लिए कुछ मदद मिल सके, यह 'भाग्यवादी' दृष्टिकोण होगा।

विदेश मंत्री ने जापान के राष्ट्रीय प्रेस क्लब में एक चर्चा सत्र के दौरान कहा, ''हम मानते हैं कि हमें वहां अधिक सक्रिय होना चाहिए।''

जयशंकर जापान के तीन दिवसीय दौरे पर हैं।

विदेश मंत्री जयशंकर ने भारत-चीन सीमा विवाद में किसी तीसरे पक्ष के हस्तक्षेप से इनकार किया

टोक्यो/भाषा। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने भारत-चीन सीमा विवाद में किसी तीसरे पक्ष के हस्तक्षेप से इनकार करते हुए सोमवार को कहा कि दोनों पड़ोसी देशों के बीच मुद्दे का समाधान उन्हीं दोनों को निकालना है। जयशंकर ने टोक्यो में संवाददाता सम्मेलन में कई सवालों के जवाब में कहा, भारत और चीन के बीच वास्तविक मुद्दे को सुलझाने के लिए हम अन्य देशों की ओर नहीं देख रहे हैं। क्वाड समूह के विदेश मंत्रियों की बैठक में भाग लेने के लिए यहां आए जयशंकर ने यह भी कहा कि चीन के साथ भारत के संबंध अच्छे नहीं हैं। उन्होंने कहा, हमारे बीच एक समस्या है, या मैं कहना चाहूंगा कि भारत और चीन के बीच एक मुद्दा है...मुझे लगता है कि हम दोनों को इस पर बात करनी चाहिए और समाधान निकालना चाहिए। उन्होंने इस महीने चीन के विदेश मंत्री वांग यी के साथ दो बार हुई अपनी बैठक को याद करते हुए कहा, जाहिर है, दुनिया के अन्य देशों की भी इस मामले में रुचि होगी, क्योंकि हम दो बड़े देश हैं और हमारे संबंधों की स्थिति का बाकी दुनिया पर प्रभाव पड़ता है। लेकिन हम अपने बीच के वास्तविक मुद्दे को सुलझाने के लिए अन्य देशों की ओर नहीं देख रहे हैं।

आईपीएमडीए को हिंद महासागर क्षेत्र तक विस्तारित करने की क्वाड विदेश मंत्रियों की योजना

टोक्यो/भाषा। 'क्वाड' समूह ने एक महत्वपूर्ण कदम के तहत, सोमवार को अपने महत्वाकांक्षी हिंद-प्रशांत समुद्री क्षेत्र जागरूकता (आईपीएमडीए) कार्यक्रम को हिंद महासागर क्षेत्र तक विस्तारित करने की योजना की घोषणा की। इससे रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण जल क्षेत्र की बेहतर निगरानी हो सकेगी। चार देशों के समूह 'क्वाड' की विदेश मंत्रिस्तरीय बैठक के बाद यह घोषणा हिंद महासागर में चीन के बढ़ते प्रभाव को लेकर नई दिल्ली की चिंताओं के बीच की गई। क्वाड ने यह भी कहा कि वह हिंद महासागर क्षेत्र के लिए भारत के सूचना केंद्र के माध्यम से अपने दक्षिण एशिया कार्यक्रम के शीघ्र संचालन के लिए काम कर रहा है। बैठक में विदेश मंत्री एस. जयशंकर, अमेरिका के विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन, जापान की विदेश मंत्री योको कामिकावा और ऑस्ट्रेलिया की विदेश मंत्री पेनी वोंग ने भाग लिया। एक संयुक्त बयान में, विदेश मंत्रियों ने कहा कि क्वाड हिंद और प्रशांत महासागरों में समुद्र कानून पर संयुक्त राष्ट्र सम्मेलन के अनुरूप एक स्वतंत्र एवं मुक्त समुद्री व्यवस्था विकसित करने के लिए कटिबद्ध है।

वृंदावन ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस ने वार्षिक स्नातक दिवस समारोह मनाया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। वृंदावन ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस ने हाल में अपने वार्षिक स्नातक दिवस समारोह का आयोजन किया, जिसमें प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया। यह कार्यक्रम संस्थान के परिसर में आयोजित हुआ, जिसमें गणमान्य लोगों ने शिरकत की। कार्यक्रम में पूर्व केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर मुख्य अतिथि थे। वृंदावन कॉलेज की सीईओ डॉ. श्रुति शर्मा ने समारोह की अध्यक्षता की। उनके अलावा वृंदावन ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस के निदेशक डॉ. वेणुगोपाल, प्राचार्य डॉ. बागप्पा और प्रशासनिक अधिकारी डॉ. रॉबर्ट उट्रेड मौजूद थे।

अनुराग ठाकुर ने स्नातकों को उनकी उपलब्धियों के लिए बधाई दी। उन्हें भविष्य में उत्कृष्टता पाने के लिए प्रोत्साहित किया। इस अवसर पर अतिथियों और फैकल्टी ने विद्यार्थियों को प्रगति के पथ पर आगे बढ़ते जाने के लिए शुभकामनाएं देकर कार्यक्रम को यादगार बनाया।

एसडीआई एएफ यूनिट ने पिकल बॉल खेल शुरू किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। भारतीय वायुसेना न केवल देश की रक्षा करने में आगे रहती है, बल्कि कार्यस्थल पर स्वस्थ और सक्रिय वातावरण को बढ़ावा देने में भी विश्वास करती है। इसी दिशा में, बेंगलूरु स्थित भारतीय वायुसेना के एक प्रमुख प्रतिष्ठान, सॉफ्टवेयर डेवलपमेंट इंस्टीट्यूट एयर फोर्स (एसडीआई एएफ) ने अपने कार्मिकों और उनके परिवारों के लिए खेल के रूप में पिकल बॉल को आधिकारिक रूप से शुरू किया है। पिकल बॉल का आविष्कार साल 1965 में हुआ था। यह सीखने में आसान खेल है, जिसमें रणनीति, त्वरित प्रतिक्रिया और टीम वर्क पर जोर दिया जाता है। यह सभी उम्र और कौशल स्तर के लोगों के लिए मनोरंजक और समावेशी खेल है। यह वैश्विक स्तर पर बड़ी स्वीकृति और लोकप्रियता प्राप्त कर रहा है।

पिकल बॉल का पहला उद्घाटन सत्र 24 जुलाई को एसडीआई परिसर में खेला गया, जहां बास्केटबॉल कोर्ट को छोटे आकार के पिकल बॉल कोर्ट के लिए परिवर्तित किया गया था। इस अवसर पर कमांडेंट एसडीआई ने सभी वायु योद्धाओं और उनके परिवारों से किट का उपयोग करने और बच्चों को यह खेल खेलने के लिए प्रेरित करने का आग्रह किया।

एसडीआई की आउटडोर सुविधाओं में पहला मैच मिक्स्ड डबल था, जिसका उद्घाटन एसडीआई के कमांडेंट ने किया। बाद में, वायु योद्धाओं और महिलाओं ने इस खेल में हाथ आजमाए। जल्द ही उन्होंने इस नए खेल की बारीकियां समझ लीं और शानदार प्रदर्शन किया।

कार्यों का समय पर पूरा होना हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता : दपरे महाप्रबंधक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हुब्बली। जीएम निरीक्षण विशेष ट्रेन रविवार रात 11:55 बजे हुब्बली से रवाना होकर सोमवार सुबह 9 बजे गंतव्य पर पहुंची। यह विशेष ट्रेन दक्षिण पश्चिम रेलवे के महाप्रबंधक अरविंद श्रीवास्तव के नेतृत्व में वरिष्ठ रेलवे अधिकारियों के साथ महत्त्वपूर्ण निरीक्षण पहल का हिस्सा है। ये पंक्तियां लिखे जाने तक तीन एजेंसियों के प्रतिनिधि साइट पर थे और किए जाने वाले कार्य का आकलन कर तकनीकी समाधान सुझा रहे थे। इस निरीक्षण का मकसद मैसूरु मंडल के येदकुमारी और कडागरवल्ली स्टेशनों के बीच चल रहे पुनर्स्थापन कार्यों की निगरानी करना है।

निरीक्षण दल भूस्खलन वाले स्थान पर ट्रैक बहाल करने में हुई प्रगति की समीक्षा करेगा और प्रक्रिया में सुरक्षा व दक्षता सुनिश्चित करेगा। अरविंद श्रीवास्तव ने निरीक्षण के महत्त्व पर जोर देते हुए कहा, 'पुनर्स्थापन कार्यों की सुरक्षा और उनका समय पर पूरा होना हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। हमारी टीम यह सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है कि उच्चतम मानकों को बनाए रखा जाए।'

बताया गया कि दक्षिण पश्चिम रेलवे सभी यात्रियों को सुरक्षित और विश्वसनीय सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए बुनियादी ढांचे को बनाए रखने और सुधारने के लिए समर्पित है। निरीक्षण और बहाली की प्रगति पर अपडेट समय-समय पर साझा किए जाएंगे।

डीजल में इथेनॉल का मिश्रण अनिवार्य बनाने की कोई योजना नहीं: सरकार

नई दिल्ली/भाषा। सरकार ने सोमवार को कहा कि डीजल के साथ इथेनॉल का मिश्रण अभी प्रायोगिक चरण में है और फिलहाल इसे अनिवार्य करने की कोई योजना नहीं है, क्योंकि शुरुआती परीक्षणों में ईंधन टैंकों में जमाव और अन्य प्रतिकूलताएं दिखाई दी हैं।

पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने डीजल के साथ इथेनॉल के मिश्रण को अनिवार्य करने की केंद्र की योजना के बारे में राज्यसभा में एक पूरक प्रश्न का उत्तर देते हुए कहा, डीजल के साथ इथेनॉल के मिश्रण का मुद्दा अभी भी प्रायोगिक चरण में है और मैं स्पष्ट रूप से कह सकता हूं कि फिलहाल इसे अनिवार्य करने की कोई योजना नहीं है। मंत्री के अनुसार, इसका कारण यह है कि तेल विपणन कंपनियों ने 'ऑटोमोटिव रिसर्च एसोसिएशन ऑफ इंडिया' और चुनिंदा मूल उपकरण निर्माताओं के साथ मिलकर डीजल में 7 प्रतिशत तक इथेनॉल का परीक्षण किया है।

महावीर इंटरनेशनल का राष्ट्रभक्ति से ओतप्रोत कार्यक्रम 9 अगस्त को

राज्यपाल को दिया आमंत्रण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। महावीर इंटरनेशनल बेंगलूरु सेंटर की टीम ने कर्नाटक के राज्यपाल थावरचंद गहलोत से मुलाकात कर उन्हें 9 अगस्त को शहर के टाउन हॉल में संस्था द्वारा आयोजित होने जा रहे संगीतमय कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित किया। संस्था की अध्यक्ष भारती छाजेड़ तलेसरा ने बताया कि स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य में महेश हार्डवेयर एंड पाइप्स के सौजन्य से आयोजित इस कार्यक्रम में देश के जाने माने कवि सुनील व्यास और विनीत चौहान काव्य पाठ करेंगे तथा राष्ट्रभक्ति से ओतप्रोत कविता सुनाएंगे। इसके साथ ही जाने माने संगीतकार व गायक हितेश मेहता व उनकी टीम देशभक्ति के गीत गाकर राष्ट्रभक्ति का जश्न मनाएंगे। इस मौके पर महेश हार्डवेयर के अशोक रांका ने बताया कि यह कार्यक्रम सेना के विशेष बलों, पैराशूट रेजिमेंट टीम के वीरता पुरस्कार विजेताओं के सम्मान किया जा रहा है। बेंगलूरु सेन्टर की नीलम ललवानी, आशीष बाफना, काजल जैन आदि ने बताया कि इस आयोजन में राष्ट्र को सम्मान देते हुए ध्वजारोहण और विशेष बलों के सैन्य बैंड द्वारा राष्ट्रगान की प्रस्तुति दी जाएजी। इस निःशुल्क कार्यक्रम में कृष्णा कैटरर्स द्वारा खाद्य प्रायोजक तथा अन्य सहयोगियों का सहयोग मिल रहा है।

उपराज्यपाल के माध्यम से जम्मू-कश्मीर पर अप्रत्यक्ष रूप से शासन करना चाहता है केंद्र : कांग्रेस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

श्रीनगर/भाषा। कांग्रेस के जम्मू-कश्मीर मामलों के प्रभारी भरत सिंह सोलंकी ने दावा किया कि केंद्र की भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नीत राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार ने उपराज्यपाल को अधिक शक्तियां प्रदान कर दी हैं क्योंकि वह केंद्र शासित प्रदेश पर ''छद्म'' तरीके से शासन करना चाहती है और यहां विधानसभा चुनाव नहीं कराना चाहती है। इस महीने की शुरुआत में, केंद्र सरकार ने जम्मू-कश्मीर में उपराज्यपाल के अधिकारों को काफी मजबूत कर दिया था, जिससे उपराज्यपाल को पुलिस और अखिल भारतीय सेवाओं के अधिकारियों जैसे महत्वपूर्ण मामलों पर निर्णय लेने और विभिन्न मामलों में अभियोजन के लिए मंजूरी देने का अधिकार मिल गया था।

विपक्ष ने केंद्र सरकार के इस कदम की आलोचना करते हुए इसे जम्मू-कश्मीर के लोगों को ''शक्तिहीन'' बनाने की दिशा में उठाया गया कदम करार दिया था। सोलंकी ने यहां संवाददाताओं से कहा, भाजपा जम्मू-कश्मीर में चुनाव नहीं कराना चाहती, बल्कि छद्म शासन चलाना चाहती है। इसीलिए उसने...उपराज्यपाल को ज़्यादा अधिकार दे दिए हैं। जम्मू-कश्मीर को पुडुचेरी से भी कमज़ोर बना दिया गया है।

उच्चतम न्यायालय ने केंद्र को जम्मू-कश्मीर का शीघ्र पूर्ण राज्य का दर्जा बहाल करने और 30 सितंबर, 2024 तक विधानसभा चुनाव कराने का निर्देश दिया है। सोलंकी यहां प्रदेश कांग्रेस कमेटी की राजनीतिक मामलों की समिति की बैठक में भाग लेने के लिए जम्मू एवं कश्मीर में हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह समेत भाजपा नेताओं ने जम्मू-कश्मीर के लोगों से किया गया एक भी वादा पूरा नहीं किया है।

वित्तीय क्षेत्र को डिजिटल बनाने से अगली पीढ़ी की बैंकिंग का रास्ता खुला : आरबीआई गवर्नर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के गवर्नर शक्तिकान्त दास ने सोमवार को कहा कि वित्तीय क्षेत्र में डिजिटलीकरण से अगली पीढ़ी की बैंकिंग का रास्ता खुल रहा है। उन्होंने कहा कि इससे सस्ती लागत पर वित्तीय सेवाओं तक पहुंच बेहतर हो रही है।

गवर्नर ने 2023-24 के लिए मुद्रा और वित्त (आरबीएफ) पर रिपोर्ट की प्रस्तावना में यह भी कहा कि प्रमुख एकीकृत भुगतान इंटरफेस (यूपीआई) ने अंतिम उपयोगकर्ताओं के लिए खुदरा भुगतान अनुभव में क्रांति ला दी है। इससे लेन-देन तेज और अधिक सुविधाजनक हो गया है।

डिजिटल मुद्रा क्षेत्र में रिजर्व बैंक ई-रुपी, केंद्रीय बैंक डिजिटल मुद्रा (सीबीडीसी) के पायलट परीक्षण के साथ सबसे आगे है। डिजिटल ऋण पारिस्थितिकी तंत्र ओपन क्रेडिट इनेबलमेंट नेटवर्क, डिजिटल कॉमर्स के लिए ओपन नेटवर्क और सुविधाजनक

कर्ज के लिए सार्वजनिक प्रौद्योगिकी मंच जैस पहलों के साथ मजबूत हो रहा है। उन्होंने कहा कि वित्तीय प्रौद्योगिकी (फिनटेक) कंपनियां ऋण सेवा प्रदाताओं के रूप में बैंकों और गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों (एनबीएफसी) के साथ सहयोग कर रही हैं। वे डिजिटल ऋण की सुविधा के लिए मंच भी संचालित कर रहे हैं। दास ने कहा, वित्तीय क्षेत्र में डिजिटलीकरण से अगली पीढ़ी की बैंकिंग का रास्ता खुल रहा है, सस्ती लागत पर वित्तीय सेवाओं तक पहुंच में सुधार हो रहा है, और लाभार्थियों को लागत-कुशल तरीके से प्रत्यक्ष लाभ अंतरण बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि ये सभी नवाचार वित्तीय बाजारों को अधिक कुशल और एकीकृत बना रहे हैं।

डिजिटल अर्थव्यवस्था 2026 तक जीडीपी का 20% होगी : आरबीआई रिपोर्ट

मुंबई/भाषा। भारत की डिजिटल अर्थव्यवस्था वर्ष 2026 तक देश के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) का पांचवां हिस्सा (20 प्रतिशत) बनने की ओर अग्रसर है। अभी डिजिटल अर्थव्यवस्था की जीडीपी में हिस्सेदारी 10 प्रतिशत है। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की सोमवार को जारी एक रिपोर्ट में यह आकलन पेश किया गया है। वित्त वर्ष 2023-24 के लिए 'मुद्रा और वित्त पर रिपोर्ट' (आरसीएफ) की प्रस्तावना में रिजर्व बैंक के गवर्नर शक्तिकान्त दास ने कहा है कि वित्तीय क्षेत्र में डिजिटलीकरण अगली पीढ़ी की बैंकिंग गतिविधियों का मार्ग प्रशस्त कर रहा है और इससे किफायती लागत पर वित्तीय सेवाओं तक पहुंच में सुधार आ रहा है।

रिपोर्ट में भारत को डिजिटल क्रांति में सबसे आगे बताते हुए कहा गया है कि देश ने डिजिटल भुगतान में तेजी लाकर न केवल वित्तीय-प्रौद्योगिकी (फिनटेक) को अपनाया है बल्कि बायोमीट्रिक पहचान, एकीकृत भुगतान प्रणाली (यूपीआई), मोबाइल संपर्क, डिजिटल लॉकर और सहमति से डेटा साझा करने से 'इंडिया स्टैक' का आधार भी तैयार किया है। रिपोर्ट के मुताबिक, डिजिटल क्रांति बैंकिंग बुनियादी ढांचे और सार्वजनिक वित्त प्रबंधन प्रणालियों को बढ़ावा दे रही है, जिसमें प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण और कर संग्रह दोनों शामिल हैं। जीवंत ऑनलाइन बाजार उभर रहे हैं और उनकी पहुंच बढ़ रही है। रिपोर्ट कहती है, अनुमान है कि फिलहाल जीडीपी के दसवें हिस्से वाली डिजिटल अर्थव्यवस्था पिछले दशक में दर्ज वृद्धि दरों के अनुरूप 2026 तक जीडीपी का पांचवां हिस्सा बनने की राह पर है। रिपोर्ट कहती है कि इस क्रांति को तेजी देने के लिए कई बिंदु एक साथ आए हैं। इनमें इंटरनेट का इस्तेमाल करने वाले उपयोगकर्ताओं की संख्या में बढ़ोतरी और डेटा खपत की किफायती लागत का योगदान रहा है। भारत दुनिया में सबसे अधिक मोबाइल डेटा खपत वाले देशों में से एक है, जहां 2023 में प्रति उपयोगकर्ता प्रति माह औसत खपत 24.1 जीबी रही।

देश में नौकरियों की कोई कमी नहीं: श्रम मंत्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय श्रम एवं रोजगार मंत्री मनसुख मांडविया ने 'नेशनल करियर सर्विस पोर्टल' पर उपलब्ध 19 लाख से अधिक रोजगार के अवसर का हवाला देते हुए सोमवार को लोकसभा में कहा कि देश में नौकरियों की कोई कमी नहीं है।

उन्होंने सदन में प्रश्नकाल के दौरान तृणमूल कांग्रेस के सदस्य कल्याण बनर्जी के पूरक प्रश्नों का उत्तर देते हुए कहा प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व वाली सरकार ने रोजगार सृजन के लिए कई योजनाएं चलाई हैं और अब बेरोजगारी दर घटकर 3.2% रह गई है तथा भविष्य में इसके 3% से नीचे आने की उम्मीद है। मांडविया ने कहा, जब किसी देश की अर्थव्यवस्था सात-आठ प्रतिशत की दर से आगे बढ़ती है तो यह उस समय बढ़ती है जब विनिर्माण क्षेत्र बढ़ता है, सेवा क्षेत्र बढ़ता है, क्रय शक्ति बढ़ती है। यह सब होता है तो रोजगार के अवसर भी बढ़ते हैं। चिंता करने की बात नहीं है। उनके मुताबिक, नेशनल करियर सर्विस पोर्टल' पर नियोक्ताओं ने 19 लाख रोजगार के अवसर पोस्ट कर रखे हैं जहां लोग आवेदन कर सकते हैं। मंत्री का कहना था, आपके परिवार में किसी को नौकरी चाहिए...अगर उनकी योग्यता होगी तो नौकरी मिलेगी। देश में नौकरियों की कोई कमी नहीं है।

पवार को मराठा आरक्षण पर अपना रुख स्पष्ट करना चाहिए: पंकजा मुंडे

छत्रपति संभाजीनगर/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की विधान परिषद सदस्य पंकजा मुंडे ने सोमवार को कहा कि महाराष्ट्र के सबसे अनुभवी नेता राकांपा (एसपी) के प्रमुख शरद पवार को मराठा आरक्षण के मुद्दे पर अपना रुख स्पष्ट करना चाहिए। मुंडे ने पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि राज्य इस मुद्दे पर पवार का रुख जानने के लिए उत्सुक है। उन्होंने कहा, सभी दल खुद को मजबूत बनाना चाहते हैं...लेकिन उन्हें किसी वजह से साथ आना होगा। राज्य में जो कुछ हो रहा है, उसपर नेताओं को अपना रुख स्पष्ट करना चाहिए।

पवार ने महाराष्ट्र में मणिपुर जैसी अशांति की आशंका पर चिंता जताई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

ठाणे/भाषा। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) प्रमुख शरद पवार ने महाराष्ट्र में मणिपुर जैसी अशांति की आशंका पर गहरी चिंता व्यक्त करते हुए कहा है कि देश के विकास के लिए सामाजिक एकता जरूरी है। हालांकि, उन्होंने यह नहीं बताया कि वह ऐसा क्यों सोचते हैं।

रविवार शाम नवी मुंबई में सामाजिक एकता सम्मेलन को संबोधित करते हुए पवार ने मणिपुर में जातीय संघर्ष से निपटने के केंद्र सरकार के तरीके की भी आलोचना की। मणिपुर में पिछले साल मई में शुरू हुए जातीय संघर्ष में अब तक 200 से अधिक लोग मारे गए हैं। पवार ने ऐसा सोचने का कारण नहीं बताया। हालांकि उनकी यह टिप्पणी मराठा-ओबीसी आरक्षण विवाद को लेकर समुदायों के बीच 'मनमुटाव' और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह द्वारा हाल ही में अपनी आलोचना किए जाने के कुछ दिनों बाद आई है। शाह ने पवार को 'भ्रष्टाचार सरगना' करार दिया था। पवार ने कहा, प्रधानमंत्री को पूर्वोत्तर राज्य में सामाजिक अशांति के मद्देनजर मणिपुर का दौरा करने और लोगों को सांत्वना देने की कभी जरूरत महसूस नहीं हुई। पड़ोसी राज्यों में भी ऐसी घटनाएं हुईं, खासकर कर्नाटक में भी ऐसी ही चीजें हुईं। हाल में राज्य (महाराष्ट्र) में इस बात की चिंता है कि ऐसी घटना हो सकती है।

उच्चतम न्यायालय ने विशेष लोक अदालत लगाई, अदालत कक्ष में मीडिया कैमरों को अनुमति दी

नई दिल्ली/भाषा। उच्चतम न्यायालय की पहली सात पीठ ने मुकदमों के सौहार्दपूर्ण निपटारे के लिए सोमवार को अपराह्न दो बजे विशेष लोक अदालत का आयोजन किया, जिसमें अदालत कक्ष के भीतर मीडिया के कैमरों को अनुमति दी गई।

उच्चतम न्यायालय की स्थापना के 75 वर्ष का जश्न मनाते हुए सप्ताह भर आयोजित होने वाली विशेष लोक अदालत उन मामलों को सौहार्दपूर्ण तरीके से सुलझाने के

उद्देश्य से शुरू की गई है, जिनमें समझौते की गुंजाइश है।

इससे पहले, भारत के प्रधान न्यायाधीश (सीजेआई) डी वाई चंद्रचूड़ ने कहा था कि उच्चतम न्यायालय की पहली सात पीठ अपराह्न दो बजे विशेष लोक अदालत में सौहार्दपूर्ण समाधान के लिए सूचीबद्ध मामलों पर सुनवाई करेंगी। शीर्ष अदालत लंबित मुकदमों में कमी लाने के प्रयास के तौर पर तीन अगस्त तक विशेष लोक अदालत लगा रही है। सीजेआई ने सोमवार को मुकदमों की सुनवाई शुरू होने पर कहा, आज से शुक्रवार तक, हम उच्चतम न्यायालय की लोक अदालत लगाएंगे और पहली सात पीठ मुकदमों पर सुनवाई करेंगी। अगर वकीलों के पास ऐसे मामले हैं, जिनपर लोक अदालत में सुनवाई की जा सकती है, तो कृपया उन्हें लाइए। सीजेआई ने पहले नागरिकों से आग्रह किया था कि अगर उनके मामले शीर्ष अदालत में लंबित हैं, तो वे अपने विवादों का सौहार्दपूर्ण और तेजी से निपटारा करने के लिए विशेष लोक अदालत में भाग लें। उच्चतम न्यायालय की वेबसाइट पर अपलोड एक वीडियो संदेश में न्यायमूर्ति चंद्रचूड़ ने कहा, उच्चतम न्यायालय 29 जुलाई से तीन अगस्त 2024 तक विशेष लोक अदालत का आयोजन कर रहा है।

तमिलनाडु के साथ मेकेदाटु परियोजना के कार्यान्वयन पर चर्चा के लिए तैयार : सिद्दरामय्या

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मैसूरु। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने सोमवार को कहा कि उनकी सरकार कावेरी नदी पर मेकेदातु परियोजना के कार्यान्वयन के संबंध में तमिलनाडु के साथ चर्चा करने के लिए तैयार है, लेकिन पड़ोसी राज्य आगे नहीं आ रहा है, जबकि इससे उन्हें (तमिलनाडु को) कोई समस्या नहीं हो रही है। मुख्यमंत्री ने यहां संवाददाताओं से कहा कि यदि केंद्र आवश्यक अनुमति दे तो राज्य इस परियोजना को लागू करने के लिए तैयार है।

सिद्दरामय्या ने उपमुख्यमंत्री डी के शिवकुमार, कई मंत्रियों और अधिकारियों के साथ सोमवार को मांड्या जिले के श्रीरंगपटना तालुक में कृष्णराज सागर (केआरएस) बांध पर कावेरी नदी को 'बगीना' (पारंपरिक धन्यवाद) अर्पित किया। राज्य में बांधों के अधिकतम क्षमता तक भर जाने पर नदियों को 'बगीना' अर्पित करने की प्रथा है।

सिद्दरामय्या ने कहा, हम चर्चा के लिए तैयार हैं। मेकेदातु के कारण उन्हें (तमिलनाडु को) कोई समस्या नहीं होने के बावजूद वह चर्चा के लिए तैयार नहीं हैं। अगर केंद्र सरकार अनुमति देती है तो हम मेकेदातु जलाशय का निर्माण करने के लिए तैयार हैं। वह इस सवाल का जवाब दे रहे थे कि क्या वह तमिलनाडु या केंद्र के साथ किसी ठोस कार्यक्रम के लिए चर्चा करेंगे, क्योंकि बहुत अधिक पानी समुद्र में बह रहा है और तमिलनाडु में मेट्टूर बांध के कुछ दिनों में भर जाने की उम्मीद है। डीके शिवकुमार ने हाल ही में तमिलनाडु सरकार से मेकेदातु परियोजना के कार्यान्वयन में सहयोग करने की भावुक अपील की थी और कहा था कि यह पड़ोसी राज्य के लिए अधिक फायदेमंद होगा। वह राज्य के जल संसाधन मंत्री भी हैं। मेकेदातु कर्नाटक द्वारा प्रस्तावित एक बहुउद्देश्यीय (पेयजल और बिजली) परियोजना है, जिसमें रामनगर जिले (जिसे अब बेंगलूरु दक्षिण जिला नाम दिया गया है) में कनकपुरा के निकट एक जलाशय का निर्माण शामिल है। तमिलनाडु इस परियोजना का विरोध कर रहा है तथा आशंका जता रहा है कि यदि यह परियोजना मूर्त रूप लेगी तो इससे राज्य प्रभावित होगा।

सड़क दुर्घटना में एक युवक युवती की मौत

बेंगलूरु। रविवार को रात्रि 9 बजे के करीब केआर सर्कल के पास एक हृदय विदारक सड़क दुर्घटना में एक युवक व युवती की मौत हो गई। बीबीएमपी द्वारा अनुबंधित कचरा ट्रक द्वारा दोपहिया वाहन को टक्कर मारने के बाद उस ट्रक का चालक फरार हो गया। टीसीएस कम्पनी में काम करने वाले प्रशांत और शिल्पा की इस दुर्घटना में मौत हो गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार हिन्दुपुर निवासी शिल्पा की शादी तय हो गई थी। उसकी शादी अगले माह होनी थी। वह शहर के नागवारा में पीजी में रह रही थीं। वहीं प्रशांत बानसवाड़ी में रह रहा था। रविवार को शाम दोनों मैजेस्टिक में भोजन आदि कर घर वापस लौट रहे थे। महारानी कॉलेज से केआर सर्कल के ओर जा रहे मोटर साइकिल पर सवार प्रशांत और शिल्पा को नहीं मालुम था कि आज उनके जीवन का आखिरी दिन होगा। शेषाद्री रोड पर जाते समय तेज गति से आती कचरा लॉरी ने मोटरसाइकिल को अपनी चपेट में ले लिया और दोनों युवक-युवती को घसीटते हुए लगभग 10 मीटर तक ले गई। यह सब देखकर लॉरी चालक घटना स्थल से फरार हो गया। दोनों को गंभीरावस्था में सेंट मार्थस अस्पताल में ले जाया गया। रास्ते में ही उन दोनों की मौत हो गई। प्रशांत के पिता ने रोते हुए बताया कि प्रशांत का जन्म भी सेंट मार्थस अस्पताल में हुआ था।

आंदोलन को दबाया जा सकता है, हमें तैयार रहना है : विजयेन्द्र

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष और विधायक विजयेन्द्र येडीयुप्पा ने कहा कि विपक्षी दलों को धमकी देकर हमारे संघर्ष और मार्च को दबाया नहीं जा सकता। सोमवार को शहर में आयोजित मैसूर पदयात्रा की तैयारी बैठक के दौरान बोलते हुए उन्होंने चेतावनी दी कि हमारे कार्यकर्ता मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या और उपमुख्यमंत्री शिवकुमार आपकी धमकियों से पीछे नहीं हटेंगे।

विजयेन्द्र ने कहा कि पूरे प्रदेश की अनुसूचित जाति-जनजाति की ओर से हमारा संघर्ष निरंतर जारी रहेगा। उन्होंने अनुसूचित समाज का पैसा लूटा है। उन्होंने हजारों करोड़ रुपये का भ्रष्टाचार किया है। उन्होंने कहा कि अगर हम उनके खिलाफ नहीं लड़ेंगे तो भगवान भी हमें माफ नहीं करेंगे। वाल्मिकी कॉरपोरेशन का सैकड़ों करोड़ रुपये गैर-मौजूद कंपनियों के खातों में स्थानांतरित कर दिया गया। अनुसूचित जनजाति के इस पैसे का बाद में लोकसभा चुनाव में दुरुपयोग किया गया।

भाजपा लगातार वाल्मिकी निगम घोटाला और मुडा घोटाला के खिलाफ लड़ती रही है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि मुदा में सिद्दरामय्या के परिवार द्वारा अधिग्रहित 14 भूखंड मुदा को वापस कर दिए जाएंगे और गरीबों को वितरित किए जाएंगे। तीन से चार हजार करोड़ की जमीन स्वेच्छा से दी गई है। उन्होंने बताया कि मुडा अध्यक्ष मारी गौड़ा को ही सिद्दरामय्या ने नियुक्त किया था। फाइल में मुडा अध्यक्ष ने खुद जमीन आवंटित नहीं करने का निर्देश दिया था। जिलाधिकारी ने भी जांच करायी थी। उन्होंने कहा कि जांच रिपोर्ट राज्य सरकार को सौंप दी गयी है और सरकार ने भी कहा है कि यह सही है।

उन्होंने आपत्ति जताई कि सरकार के जमीन नहीं देने के आदेश के बाद भी मुडा आयुक्त ने पर्याप्त जमीन आवंटित कर दी है। उन्होंने कहा कि हमने विधानसभा और विधान परिषद में इस मुद्दे पर दबाव डाला और इस पर चर्चा करने का मौका मिला। राज्य में विकास पूरी तरह से ठप हो गया ह।. उन्होंने आलोचना करते हुए कहा कि जब भाजपा सरकार सत्ता में थी तो उन्होंने अनुदान देना बंद कर दिया।

उन्होंने बताया कि यूनियन बैंक ने सीबीआई को पत्र लिखकर कहा है कि वाल्मिकी कॉरपोरेशन में 187 करोड़ का गबन हुआ है। उन्होंने कहा कि इसमें सीबीआई जांच की मांग की गई है। उन्होंने कहा कि सीबीआई जांच कानून के मुताबिक चल रही है।

उन्होंने कहा कि सरकार ने जो एसआईटी बनाई है, वह सिद्दरामय्या जांच टीम है। उन्होंने आपत्ति जताई कि मुख्यमंत्री अहिंदा समाज को धोखा दे रहे हैं। मीडियाकर्मियों के एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि पार्टी नेताओं के नेतृत्व में पड़ोसी क्षेत्र की निगरानी टीमों का गठन किया गया है।

विधानसभा में विपक्ष के नेता आर. अशोक ने कहा कि सिद्दरामय्या के दामाद को बहुत कम कीमत पर 3.16 एकड़ जमीन मिली है। उन्होंने पूछा कि क्या यही आपका लोकलुभावनवाद है। उन्होंने बताया कि मुडा द्वारा जब्त की गयी जमीन खरीदी गयी थी।

विधान परिषद में विपक्ष के नेता चलुवादी नारायणस्वामी ने अपनी बात रखी और आपत्ति व्यक्त की कि वाल्मिकी निगम द्वारा धन का दुरुपयोग अनुसूचित समुदायों के साथ अन्याय है। मुडा भी एक बड़ा घोटाला है। साथ ही उन्होंने बताया कि अनुसूचित सदस्यों के लिए आवंटित 25,000 करोड़ रुपये का इस्तेमाल अन्य उद्देश्यों के लिए किया गया और उन्होंने अन्याय किया है। इस मौके पर पूर्व मुख्यमंत्री डीवी सदानंद गौड़ा, राज्य के प्रधान सचिव सुनील कुमार, प्रीतम गौड़ा, के. राजीव, नंदीश रेड्डी, पूर्व मंत्री बैराती बसवराज, सांसद, विधायक, विधान परिषद सदस्य, जिला अध्यक्ष और पार्टी नेता उपस्थित थे।

यह बजट भाजपा का नहीं बल्कि राजग का : देवेगौड़ा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/नई दिल्ली। पूर्व प्रधानमंत्री और जनता दल (एस) नेता एच. डी. देवेगौड़ा ने सोमवार को राज्यसभा में कहा कि वित्त वर्ष 2024-25 के लिए सरकार द्वारा पेश किया गया बजट भारतीय जनता पार्टी का नहीं बल्कि राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) का बजट है। उच्च सदन में आम बजट 2024-25 एवं जम्मू कश्मीर के बजट पर एक साथ हो रही चर्चा में भाग लेते हुए पूर्व प्रधानमंत्री देवेगौड़ा ने बजट के प्रावधानों का स्वागत किया और कहा कि यह भाजपा का नहीं बल्कि राजग का बजट है।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने परिपक्वता दिखायी है और उन्होंने अपनी काफी अच्छी टीम बनायी है। उन्होंने कहा कि राजग के सभी लोग उनके साथ हैं और उनका समर्थन करते हैं। उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी की सराहना करते हुए कहा कि उनकी पार्टी जद (एस) ने लोकसभा चुनाव में सिर्फ दो सीट पर जीत हासिल की लेकिन प्रधानमंत्री ने उनकी पार्टी को एक कैबिनेट मंत्री का पद दिया। उन्होंने कहा कि पहली बार वह 1960 के दशक में एक प्रतिनिधिमंडल के सदस्य के तौर पर गुजरात गए थे और उसके बाद से गुजरात में काफी विकास हुआ है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी 10 साल से ज्यादा समय तक गुजरात के मुख्यमंत्री रहे और इस दौरान उनके नेतृत्व में गुजरात ने काफी विकास किया।

देवेगौड़ा ने बजट में कृषि से जुड़े प्रावधानों का जिक्र करते हुए उनकी सराहना की और कहा कि इससे क्षेत्र में प्रगति होगी। उन्होंने कहा कि मौजूदा बजट के प्रावधानों से कृषि उत्पादों की बर्बादी पर रोक लगेगी और उत्पादों का मूल्यवर्धन हो सकेगा। उन्होंने कहा कि इससे किसानों को फायदा होगा। उन्होंने कहा कि करीब 5-6 दशक तक कृषि पर अपेक्षित ध्यान नहीं दिया गया और जब वह 1990 के दशक में पहली बार संसद सदस्य बने थे, उस समय कुल श्रम बल में कृषि की हिस्सेदारी 68 प्रतिशत थी जो अब घटकर 40 प्रतिशत हो गयी है। उन्होंने पूर्व प्रधानमंत्रियों पीवी नरसिंह राव और मनमोहन सिंह के कार्यकाल में उदारीकरण और आर्थिक सुधारों के लिए उठाए गए कदमों का जिक्र करते हुए कहा कि इससे स्थिति में बदलाव आया।

देवेगौड़ा ने रोजगार से जुड़ी प्रोत्साहन योजना पर बल दिया और कहा कि अब विनिवेश की नहीं बल्कि पुनर्निवेश की जरूरत है। रोजगार में वृद्धि के लिए उन्होंने निजी क्षेत्र के विकास पर बल दिया। उन्होंने बेंगलूरु शहर में पानी की गंभीर समस्या का भी जिक्र किया और कहा कि पेयजल लोगों का मौलिक अधिकार है। उन्होंने कहा कि बेंगलूरु अब महानगर बन गया है जिसकी आबादी बढ़कर 1.34 करोड़ हो गयी है। उन्होंने कहा कि इस वर्ष बारिश के देवता (इन्द्र) के कारण कर्नाटक को कुछ राहत मिली है।

सिद्दरामय्या ने सीतारमण पर झूठ बोलने का आरोप लगाया, कहा

भाजपा कर्नाटक को बदनाम कर रही है

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मैसूरु। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने सोमवार को केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण पर ''झूठ बोलने'' का आरोप लगाया और हालिया केंद्रीय बजट में राज्य के साथ ''अन्याय'' करने के लिए उन पर और केंद्र की भाजपा नीत राजग सरकार पर निशाना साधा।

सिद्दरामय्या ने आरोप लगाया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) कांग्रेस शासित कर्नाटक को भ्रष्ट राज्य'' के रूप में बदनाम करने की कोशिश कर रही है। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि वह और उपमुख्यमंत्री डी के शिवकुमार नयी दिल्ली जाएंगे, क्योंकि उन्हें कांग्रेस आलाकमान ने ''पार्टी और सरकार'' के बारे में चर्चा करने के लिए बुलाया है। हालांकि, उन्होंने इस बारे में विस्तार से नहीं बताया।

सिद्दरामय्या ने कहा, ''बजट पूर्व बैठक बुलाई गई थी, हमने वहां कहा था कि आपने (केंद्र ने) कहा है कि आप ऊपरी भद्रा परियोजना के लिए 5,300 करोड़ रुपये देंगे। क्या यह बजट में है? यह नहीं दिया गया।'' उन्होंने सवाल किया, 15वें वित्त आयोग ने अपनी रिपोर्ट में विशेष अनुदान के रूप में 5,495 करोड़ रुपये की अनुशंसा की है, क्या यह दिया गया है? कहा गया था कि पेरीफेरल रिंग रोड (बेंगलूरु में) के लिए 3,000 करोड़ रुपये दिए जाएंगे। जल स्रोतों के विकास के लिए 3,000 करोड़ रुपये देने का वादा किया गया था, क्या यह (बजट में) है?''

सिद्दरामय्या ने यहां संवाददाताओं के साथ बातचीत में कहा, ''इनमें से कुछ भी बजट में नहीं है, क्या यह अन्याय नहीं है? आंध्र प्रदेश और बिहार को अनुदान दिया गया है, कर्नाटक को क्या दिया गया? केंद्रीय मंत्री एच डी कुमारस्वामी और निर्मला सीतारमण कम से कम यह तो कह सकते थे कि वे कर्नाटक को उसका हक दिलाने का प्रयास करेंगे।''

निर्मला सीतारमण ने सिद्दरामय्या के इस आरोप को रविवार को खारिज कर दिया था कि कर्नाटक को इस साल बजट में उसका उचित हिस्सा नहीं मिला है। वित्त मंत्री ने दावा किया था कि निधि आवंटन के बारे में गलत सूचना फैलाई जा रही है। निर्मला सीतारमण ने यह भी आरोप लगाया था कि (कर्नाटक में) बिगड़ती कानून-व्यवस्था के कारण उद्योग जगत भयभीत है और वे राज्य से बाहर जाना चाहते हैं।

सिद्दरामय्या ने कहा, क्या उनके (कुमारस्वामी के) मंड्या निर्वाचन क्षेत्र में कोई नया उद्योग आया है? क्या राज्य में किसी औद्योगिक गलियारा का काम शुरू किया गया है? हमने जो अनुदान मांगा था वह नहीं आया, ''हमने रायचूर में एम्स, हासन या मैसूर के लिए आईआईटी मांगा था - क्या यह दिया गया?'' मुख्यमंत्री ने कहा, ''उन्होंने (सीतारमण) ऐसा क्या दिया कि कहा जाए कि कोई अन्याय नहीं हुआ है।'' सिद्दरामय्या ने कहा, ''जब भी निर्मला सीतारमण कर्नाटक आई हैं, उन्होंने झूठ बोला है।'' मुख्यमंत्री ने कहा, ''उन्होंने पहले भी झूठ बोला है, अब भी झूठ बोल रही हैं। वह राज्य के लिए धन/अनुदान देने का दावा करती हैं, क्या आप जानते हैं कि कर्नाटक वह राज्य है, जिसने 15वें वित्त आयोग में सबसे अधिक अन्याय का सामना किया है, जबकि वह (सीतारमण) राज्यसभा सदस्य के रूप में राज्य का प्रतिनिधित्व करती हैं।''

बगीना

सोमवार को मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या और उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने मंड्या जिले में समृद्धि के प्रतीक मां कावेरी व लबालब भरे कृष्णराज सागर बांध की पूजा अर्चना की। उन्होंने कावेरी नदी को बगीना भी चढ़ाया। इस मौके पर जिला प्रभारी मंत्री चालुवरायस्वामी, मंत्री एचसी महादेवप्पा, के वेंकटेश, पूर्व मंत्री विधायक तनवीर सेठ, विधायक रमेश बंदिसेदे गौड़ा, नरेंद्रस्वामी, रवि गनीगा, उदय, मंथर गौड़ा, दर्शन ध्रुवनारायण, जल संसाधन विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव गौरव गुप्ता, एमडी कावेरी सिंचाई निगम के महेश एवं अन्य ने भाग लिया।

किरण बेदी ने पुदुचेरी के नए उपराज्यपाल को दीं शुभकामनाएं

पुदुचेरी। पुदुचेरी की पूर्व उपराज्यपाल किरण बेदी ने शीघ्र ही केंद्र शासित प्रदेश के उप राज्यपाल का पदभार संभालने जा रहे सेवानिवृत्त आईएएस अधिकारी के. कैलाशनाथन को सोमवार को शुभकामनाएं दीं। अपने व्हाट्सएप' संदेश में बेदी ने कहा, बधाई। पुदुचेरी को आखिरकार उपराज्यपाल के रूप में एक पूर्णकालिक और अत्यंत अनुभवी अधिकारी मिल गया है। उनके कार्यकाल में केंद्र शासित प्रदेश को लाभ मिलेगा। उन्होंने यह भी कहा कि कैलाशनाथन लंबे समय तक गुजरात के मुख्यमंत्री के सलाहकार रहे हैं।

बेदी 2016 से लगभग पांच वर्षों तक पुदुचेरी की उपराज्यपाल रहीं।

बीदर जिला मिनी इंडिया जैसा है : केवी प्रभाकर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बीदर। बीदर जिला मिनी इंडिया जैसा है। मुख्यमंत्री के मीडिया सलाहकार केवी प्रभाकर ने कहा कि बीदर एक ऐसा जिला है जहां हिंदू, मुस्लिम, ईसाई और सिख धर्म समान रूप से मिश्रित हैं। उन्होंने जिला पत्रकार संघ द्वारा आयोजित प्रेस दिवस एवं सम्मान कार्यक्रम यह बात कही। उन्होंने कहा कि यह अन्ना बसवन्ना से लेकर गुरु नानक तक आध्यात्मिक संगम की भूमि है। इसकी सीमा आंध्र-तेलंगाना से भी लगती है। इसकी सीमा महाराष्ट्र राज्य से भी लगती है। उन्होंने कहा कि यह भौगोलिक, भाषाई, सांस्कृतिक एवं धार्मिक दृष्टि से काफी समृद्ध जिला है।

यहां उर्दू, मराठी, तेलुगु और कन्नड़ भाषाएँ बोली और पढ़ी जाती हैं। सूफ़ी-शरण-वचनकार, आंदोलन की भूमि है। यह वह भूमि है जो दसोहा आंदोलन की गवाह है, यह वह भूमि है जहां गांधीवादी और समाजवादी आकांक्षाएं गहरी जड़ें जमा चुकी हैं। इस प्रकार, जिले की मिट्टी की गुणवत्ता पत्रकारों के लिए एक मॉडल है। इस मिट्टी की गुणवत्ता क्या है? उन्होंने कहा कि पत्रकारों के लिए इसे कायम रखना ही काफी है। उन्होंने इस बात पर अफसोस जताया कि मीडिया लोगों की समस्याओं को सरकार तक पहुंचाने की अपनी जिम्मेदारी भूलकर मशहूर हस्तियों और कॉरपोरेट अमीरों के बारे में दिखाने का फैशन अपना चुका है। उन्होंने चिंता व्यक्त की कि गुणवत्तापूर्ण पत्रकारिता लुप्त हो रही है क्योंकि पत्रकारों में सुनने की जिज्ञासा और सच तथा झूठ को सही ढंग से समझने की क्षमता खो गई है।

कर्नाटक में सीएसआर के अंतर्गत खर्च की गई राशि का जिलावार ब्योरा पेश किया गया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/बेंगलूरु। केंद्रीय कॉर्पोरेट मामले राज्य मंत्री हर्ष मल्होत्रा ने पिछले पांच वर्षों के दौरान कर्नाटक में कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) के अंतर्गत खर्च की गई राशि का जिलावार ब्योरा पेश किया है।

उन्होंने गोविंद मकथप्पा करजोल द्वारा अतारांकित प्रश्न का जवाब देते हुए कई महत्त्वपूर्ण आंकड़े सार्वजनिक किए हैं। उनसे यह भी पूछा गया था कि क्या सरकार ने कर्नाटक में एससी/एसटी बहुल क्षेत्रों में अधिक सीएसआर निधि खर्च करने में विशेष रुचि ली है? इस सवाल में कर्नाटक में लाभार्थियों की संख्या जिलावार पूछी गई थी। जवाब में कहा गया कि एमसीए21 रजिस्ट्री में कंपनियों द्वारा दर्ज सीएसआर से संबंधित समस्त डेटा, जिसमें कंपनीवार, राज्यवार, जिलावार और विकास क्षेत्रवार डेटा शामिल है, सीएसआर.जीओवी.इन पर सार्वजनिक डोमेन में उपलब्ध है।

कर्नाटक में पिछले पांच वर्षों (2018-19, 2019-20, 2020-21, 2021-22 और 2022-23) में जिलावार सीएसआर व्यय का ब्योरा देते हुए बताया कि बागलकोट में यह क्रमश: 0.28, 2.92, 0.64, 5.64 और 4.50 करोड़ रु. रहा। इसी तरह बल्लारी में क्रमश: 8.21, 13.59, 14.87, 28.79 और 189.49 रु. रहा। वहीं, बेंगलूरु ग्रामीण के लिए 17.59, 17.15, 20.05, 120.57 और 161.08 करोड़ रु. रहा। बेंगलूरु शहर के लिए क्रमश: 11.60, 30.46, 77.41, 1,074.13 और 7.37 करोड़ रु. रहा। सूची में सभी जिलों का योग क्रमश: 1,257.69, 1,448.16, 1,277.81, 1,839.73 और 1,985.82 करोड़ रु. रहा है।

परमेश्वर ने कंपनियों के राज्य छोड़ने संबंधी वित्तमंत्री के बयान को 'निराधार' बताया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के गृह मंत्री जी. परमेश्वर ने केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के उस बयान को सोमवार को ''निराधार'' करार दिया जिसमें उन्होंने कहा था कि बिगड़ती कानून व्यवस्था के कारण उद्योग कथित तौर पर राज्य छोड़ना चाहते हैं। मंत्री ने कहा कि ऐसा कोई मामला सामने नहीं आया है। परमेश्वर ने कहा कि जो कंपनियां निवेश के अवसरों की तलाश में रहती हैं, वे आमतौर पर अपने लाभ के कुछ मापदंडों के आधार पर विकल्प खुले रखती हैं।

गृह मंत्री यहां निर्मला सीतारमण के उस बयान पर प्रतिक्रिया दे रहे थे जिसमें उन्होंने कहा था कि बिगड़ती कानून व्यवस्था के कारण उद्योग जगत डरा हुअर है और प्रदेश से बाहर निकलना चाहते हैं। हालांकि, उन्होंने ऐसी किन्हीं कंपनियों के नाम नहीं बताए।

परमेश्वर ने कहा, विभिन्न कारणों से निवेश की तलाश कर रही कंपनियां अपने विकल्प खुले रखेंगी और (निवेश प्रस्ताव के साथ) आएंगी। उनके पास चेन्नई के अलावा कर्नाटक तथा महाराष्ट्र का भी विकल्प हो सकता है। वे आमतौर पर उन मापदंडों के आधार पर विकल्प खुले रखती हैं जो उन्हें लाभ पहुंचाते हैं, जैसे कर संरचना, बिजली दरें, अन्य चीजों के अलावा मुफ्त भूमि।

उन्होंने पत्रकारों से कहा, ''कंपनियां मापदंडों के आधार पर निर्णय लेंगी और अभी तक किसी ने भी यह नहीं कहा है कि वे राज्य में आने के बाद यहां से बाहर जाना चाहती हैं।'' मंत्री ने कहा, ''केंद्र की ओर से अनावश्यक रूप से निराधार आरोप लगाना सही नहीं है। हमें बेंगलूरु को देश के प्रतिष्ठित शहर के रूप में विकसित करना है।

स्वागत

सोमवार को नई दिल्ली में वसंत विहार स्थित मेघाल हाउस-2 में मेघालय के मुख्यमंत्री कॉनराड संगमा और उपमुख्यमंत्री एस धर ने मेघालय के नए राज्यपाल सीएच विजय शंकर का स्वागत किया। इस मौके पर आवास और सार्वजनिक स्वास्थ्य इंजीनियरिंग मंत्री मार्क्यूज़ एन मार्क भी सहित मेघालय भवन के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

विश्वविद्यालय पशुपालन क्षेत्र में उद्यमिता विकास के नवीन पाठ्यक्रमों की पहल करे : राज्यपाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राज्यपाल कलराज मिश्र ने कहा कि नई शिक्षा नीति के आलोक में विश्वविद्यालय पशुपालन के क्षेत्र में उद्यमिता विकास के नवीन पाठ्यक्रमों की पहल करे। उन्होंने पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान विश्वविद्यालय द्वारा प्रसार शिक्षा के अंतर्गत पशु धन उत्पादों के प्रसंस्करण के साथ विपणन से जुड़े अधिकाधिक कार्य किए जाने का आह्वान किया। राज्यपाल मिश्र सोमवार को बीकानेर के पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान विश्वविद्यालय परिसर में आयोजित विश्वविद्यालय के सातवें दीक्षांत समारोह को संबोधित कर रहे थे। राज्यपाल ने कहा कि बढ़ती जनसंख्या, घटती कृषि जोत, पानी तथा अन्य प्राकृतिक संसाधनों की कमी मनुष्य के लिए एक बड़ी चुनौती है। ऐसे में पशुधन और पशु उत्पाद पोषण सुरक्षा की दृष्टि से वरदान साबित हो सकते हैं। इसके लिए खाद्य और दुग्ध उद्योग में छोटे और मध्यम उद्यमों को बढ़ावा देने की आवश्यकता है। राज्यपाल मिश्र ने कहा कि राजुवास तीन संघटक पशुचिकित्सा विज्ञान महाविद्यालयों, एक डेयरी एवं खाद्य प्रौद्योगिकी महाविद्यालय, आठ सम्बद्ध महाविद्यालयों तथा 101 डिप्लोमा संस्थानों के माध्यम से प्रदेश में पशु चिकित्सा शिक्षा, अनुसंधान एवं प्रसार के क्षेत्र में सराहनीय कार्य कर रहा है। ऐसे में विश्वविद्यालय प्रसार शिक्षण के तहत पशुधन संरक्षण, प्रसंस्करण की आधुनिक तकनीक के बारे में पशुपालकों से जानकारियां साझा करें।

मिश्र ने कहा कि कृषि एवं पशुपालन की हमारी संस्कृति रही है। खेतीबाड़ी, आय अर्जन के साथ पोषण सुरक्षा का भी माध्यम है। मिश्र ने आह्वान किया कि नवीन प्रौद्योगिकी के माध्यम से पशु-सम्पदा रोग निदान और उपचार के साथ साथ उनकी उत्पादक क्षमता बढ़ाने के प्रयास करने होंगे। राज्यपाल मिश्र ने पदक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को दीक्षांत समारोह की बधाई दी और कहा कि विश्वविद्यालय में छात्रों के बजाय बेटियों ने अधिक बेहतर परिणाम देकर पशुचिकित्सा के क्षेत्र में भी स्वयं को साबित किया है। ये परिणाम प्रतिस्थापित करते हैं कि जिस समाज में बेटियों को आगे बढ़ने के अधिक अवसर मिले हैं, वह तेजी से विकास की राहों पर अग्रसर होता है।

राज्यपाल ने विश्वविद्यालय के पारम्परिक पशु चिकित्सा, पशु चारा संसाधन, जैविक उत्पादन, जैव विविधता संरक्षण, बायो-मेडिकल वेस्ट डिस्पोजल एवं पशु आपदा प्रबंधन, पशुविज्ञान अभियांत्रिकी केन्द्र ,विद्यार्थियों की उपाधियां को डिजीलॉकर पर उपलब्ध करवाने तथा 'इनक्यूबेसन सेन्टर' स्थापना को बेहतर पहल बताया। मिश्र ने ''एक पेड़ मां के नाम'' अभियान के अन्तर्गत 'एक विद्यार्थी-एक पेड़' की संकल्पना में हर विद्यार्थी को भागीदारी का आह्वान किया।

कुलपति प्रो. सतीश गर्ग ने प्रगति प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। विश्वविद्यालय के पूर्व छात्र और शेर ए कश्मीर कृषि विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो नज़ीर अहमद गनई ने दीक्षांत भाषण दिया। उन्होंने कहा कि विद्यार्थी अपने जीवन में लक्ष्य निर्धारित कर उन्हें प्राप्त करने में जुट जाएं। राज्यपाल ने समारोह के दौरान 538 छात्र-छात्राओं को स्नातक, 106 को स्नातकोत्तर एवं 21 को विद्यावाचस्पति की उपाधियां प्रदान की। इसी तरह 29 विद्यार्थियों को उनके उत्कृट शैक्षणिक प्रदर्शन के फलस्वरूप विभिन्न पदक प्रदान किये गए। राज्यपाल एवं कुलाधिपति ने विद्यार्थियों को दी गई उपाधियां डीजी लॉकर पर अपलोड की। इस दौरान राज्यपाल ने विश्वविद्यालय के विभिन्न प्रकाशनों का विमोचन किया। इससे पूर्व राज्यपाल मिश्र ने संविधान की प्रस्तावना का वाचन करवाया तथा संविधान के मूल कर्तव्यों का पठन किया।

रामगढ़ बांध के जलसंग्रहण क्षेत्र में अतिक्रमणों का ड्रोन से सर्वेक्षण होगा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान सरकार रामगढ़ बांध के पूरे बहाव क्षेत्र में अवरोधों और अतिक्रमणों का पता लगाने के लिए 'रिमोट सेंसिंग' और ड्रोन के माध्यम से सर्वेक्षण कराएगी। जल संसाधन मंत्री सुरेश सिंह रावत ने सोमवार को राज्य विधानसभा में यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि उच्च न्यायालय के निर्देश की अनुपालना में राज्य सरकार द्वारा रामगढ़ बांध के प्रवाह क्षेत्र एवं जलसंग्रहण क्षेत्र में सतत निगरानी एवं पर्यवेक्षण के लिए जयपुर जिलाधिकारी की अध्यक्षता में जिला स्तरीय समिति गठित की गई है। इस समिति द्वारा बांध के जलसंग्रहण क्षेत्र में अवरोधों एवं अतिक्रमणों को चिह्नित करने और हटाने की कार्रवाई नियमानुसार सतत रूप से की जा रही है।

उन्होंने कहा, पूरे बहाव क्षेत्र में अवरोधों और अतिक्रमणों का पता लगाने के लिए रिमोट सेंसिंग और ड्रोन के माध्यम से सर्वेक्षण कराया जाएगा।

मंत्री शून्यकाल के दौरान भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) कालीचरण सराफ द्वारा रामगढ़ बांध के बहाव क्षेत्र में रसूखदारों द्वारा बनाए रिसोर्ट, फार्म हाउस, पक्के निर्माण आदि के कारण पानी की आवक नहीं होने से उत्पन्न स्थिति के संबंध में ध्यान आकर्षण प्रस्ताव के सवाल का जवाब दे रहे थे।

मंत्री ने बताया कि इस बांध का जल बहाव क्षेत्र राजस्व रिकॉर्ड के अनुसार 3610.80 हेक्टेयर है, जिसमें से 2679.88 हेक्टेयर राजस्व विभाग के क्षेत्राधिकार में और 930.92 हेक्टेयर जयपुर विकास प्राधिकरण के क्षेत्राधिकार में आता है। इसके अलावा पानी कई स्थानों पर कृषि भूमि से होकर भी बहता है। रावत ने बताया कि रामगढ़ बांध के बहाव और जलसंग्रहण क्षेत्र में अतिक्रमण हटाने के लिए अब तक कई प्रयास हो चुके हैं। वर्तमान तक 323.30 हेक्टेयर भूमि पर अवरोधों और अतिक्रमणों को चिह्नित कर हटाया जा चुका है।

उन्होंने बताया कि कार्यवाही सतत रूप से आगे भी जारी रहेगी। उच्च न्यायालय के निर्देशानुसार दो मीटर से अधिक ऊंचाई के 'एनीकट' (बहाव को नियंत्रित करने के लिए बनाए जाने वाले छोटे बांध) को तोड़कर उनकी ऊंचाई दो मीटर तक सीमित कर दी गई है।

मुख्यमंत्री को जान से मारने की धमकी का आरोपी दौसा जेल में पकड़ा गया, जेल अधीक्षक सहित तीन सस्पेंड

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

दौसा । मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा को जान से मारने की धमकी के मामले में पुलिस ने सोमवार सुबह दौसा के विशिष्ट केंद्रीय कारागार सालावास से एक आरोपी को पकड़ा। मामले में जेल अधीक्षक सहित तीन अधिकारियों को सस्पेंड कर दिया गया है। आरोपी की निशानदेही पर मोबाइल फोन भी जब्त कर लिया गया है। आरोपी को पकड़ने के बाद जेल में चलाए सघन तलाशी अभियान में दो एंड्रॉयड फोन सहित नौ मोबाइल फोन बरामद किए गए। पकड़े गए आरोपी की पहचान नीमा के रूप में हुई। वह दार्जिलिंग का रहने वाला है।

इस संबंध में पुलिस के एक अधिकारी ने पत्रकारों को बताया, दौसा पुलिस को सोमवार को सुबह करीब सात बजे जयपुर से सूचना मिली कि किसी ने सालावास जेल से 100 नंबर पर फोन करके मुख्यमंत्री को जान से मारने की धमकी दी। इस सूचना पर दौसा की एसपी रंजीता शर्मा के नेतृत्व में बड़ी संख्या में पुलिस जेल पहुंची। डीआईजी व एडीएम दौसा भी मौके पर पहुंचे। अधिकारी ने बताया कि सबसे पहले हमने धमकी देने वाले का मोबाइल नंबर लोकेट करने का प्रयास किया। उसकी लोकेशन एक बैरक के सामने मिली। इसके बाद उस बैरक के सामने से हमने आरोपी को हिरासत में लिया। उसकी निशानदेही पर हमने मोबाइल फोन भी रिकवर कर लिया। इसकी सूचना जयपुर में उच्चाधिकारियों को दे दी। इसके बाद जेल परिसर के सभी छह वार्डों की सघन तलाशी ली गई। इस दौरान जेल परिसर से नौ मोबाइल फोन बरामद किए गए।

अनुसूचित जाति एवं जनजाति के खिलाफ अपराध तेजी से बढ़े : अशोक गहलोत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने सोमवार को आरोप लगाया कि राजस्थान में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की सरकार

आने के बाद से अनुसूचित जाति एवं जनजाति के खिलाफ अपराध तेजी से बढ़े हैं तथा मुख्यमंत्री को इन मामलों का संज्ञान लेकर दलितों एवं आदिवासियों की सुरक्षा सुनिश्चित करनी चाहिए।

शेरगढ़ में हुई एक घटना की खबर साझा करते हुए गहलोत ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर कहा, राजस्थान में हमारी सरकार के दौरान अनुसूचित जाति एवं जनजाति के विरुद्ध होने वाले अपराधों पर त्वरित कार्रवाई की जाती थी एवं पुलिस हमेशा पीड़ित पक्ष के साथ मजबूती से खड़ी दिखती थी। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार बदलने के बाद से ही प्रदेश में अनुसूचित जाति एवं जनजाति के खिलाफ अपराधों में तेजी से बढ़ोतरी हुई है।

कांग्रेस नेता ने कहा कि दलितों एवं आदिवासियों के विरुद्ध अपराधों में दिसंबर 2023 की तुलना में 2024 के जनवरी, फरवरी, मार्च, अप्रैल, मई और जून में क्रमश: 32.7 फीसदी, 33.7 प्रतिशत, 34.1 फीसदी, 19.5 प्रतिशत, 62.5 फीसदी एवं 53.37 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। गहलोत ने कहा कि जोधपुर की यह घटना दिखाती है कि दलितों के खिलाफ अत्याचारों पर सरकार और पुलिस का कोई ध्यान नहीं है। उन्होंने दावा किया, पुलिस आरोपियों को पकड़ नहीं पा रही है, लेकिन आरोपी पीड़ितों पर आसानी से हमले कर पा रहे हैं। गहलोत ने कहा कि ऐसी घटनाएं राजस्थान की सरकार के 'माथे पर कलंक' हैं जिनकी जिम्मेदारी से 'वह बच नहीं सकती है।' उन्होंने कहा, मुख्यमंत्री जी को स्वयं संज्ञान लेकर दलितों एवं आदिवासियों की सुरक्षा सुनिश्चित करनी चाहिए।

नाबालिग बेटे-बेटी के साथ कुएं में कूदी महिला, तीनों की मौत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के भीलवाड़ा जिले में सोमवार को एक महिला ने अपने दो बच्चों के साथ कथित तौर पर कुएं में कूदकर आत्महत्या कर ली। सुभाष नगर थाने के सहायक उपनिरीक्षक रामेश्वर तेली ने बताया कि राजू देवी गाडरी (30) अपने छह महीने के बेटे और सात साल की बेटी के साथ घर के पास ही एक कृषि फार्म में स्थित कुएं में कूद गई। अधिकारी के मुताबिक, तीनों शव को बाहर निकालकर पोस्टमार्टम के लिए स्थानीय अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया गया है। अधिकारी के अनुसार, शुरुआती जांच में पता चला है कि राजू देवी का सुबह अपने पति से झगड़ा हुआ था, जिसके बाद वह घर से निकल गई।

उन्होंने बताया कि राजू देवी जब घर नहीं लौटी, तो परिवार के सदस्यों ने उसकी तलाश शुरू की और उन्हें घटना के बारे में पता चला। अधिकारी ने कहा कि पुलिस मामले की जांच कर रही है।

दलितों पर अत्याचार के मुद्दे को लेकर विधानसभा में हंगामा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। बीकानेर में दलित युवक और सलूंबर में दलित अध्यापक की हत्या का मामला सोमवार को राजस्थान विधानसभा में उठा जहां विपक्षी कांग्रेस और अन्य विधायकों ने नारेबाजी की और हंगामा किया। नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने ऐसे मामलों में सरकार की ओर से कोई जवाब नहीं आने पर सवाल उठाया, वहीं संसदीय कार्यमंत्री जोगाराम पटेल ने कहा कि कांग्रेस आज घड़ियाली आंसू बहा रही है। विपक्ष के हंगामे के कारण सदन की कार्यवाही तीन बार स्थगित करनी पड़ी। बाद में विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने कहा कि वे कल इस मुद्दे पर सरकार से जवाब दिलवाएंगे।

शून्यकाल में भारत आदिवासी पार्टी के विधायक थावरचंद ने सलूंबर के अदवास में एक दलित शिक्षक की तलवार से हत्या किए जाने का मामला उठाया। उन्होंने पीड़ित परिवार को अपेक्षाकृत कम मुआवजा देने का जिक्र करते हुए कहा, सरकार मुआवजा देने में पक्षपात कर रही है। कांग्रेस के विधायक पितराम काला ने भी दलितों पर अत्याचार के कई मामले उठाए। उन्होंने बीकानेर में युवक लक्ष्मण मेघवाल की हत्या सहित अनेक मुद्दे उठाते हुए कहा, प्रशासन ने क्या कार्रवाई की है?

इसके बाद कांग्रेस और अन्य विपक्षी विधायक सरकार के खिलाफ नारेबाजी करने लगे। नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने कहा, यह गंभीर घटना है। दलित अध्यापक को तलवार से काटकर मार दिया गया और सरकार की तरफ से कोई जवाब नहीं, कोई व्यवस्था नहीं, परिवार को नौकरी नहीं। विपक्षी विधायकों के हंगामे के बीच, सरकार की ओर से संसदीय कार्य मंत्री पटेल ने कहा कि दलितों पर अत्याचार को लेकर कांग्रेस आज घड़ियाली आंसू बहा रही है।

उन्होंने कहा, इनका मकसद विधानसभा की कार्यवाही को नहीं चलने देना है और उसमें बाधा डालना है। पटेल ने कहा कि सीकर जिले में दलित छात्र की हत्या के मामले की जांच करवाई जाएगी। उन्होंने कहा कि एक-दो दिन में सदन में तथ्यों सहित पूरी जानकारी दी जाएगी। हालांकि, विपक्षी विधायकों ने नारेबाजी और हंगामा जारी रखा तो विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने सदन की कार्यवाही दो बजे तक के लिए स्थगित कर दी।

सदन दो बजे फिर बैठा तो विपक्ष के सदस्यों ने इसी मुद्दे पर नारेबाजी जारी रखी। अध्यक्ष देवनानी ने नारेबाजी कर रहे विधायकों से अपनी-अपनी सीट पर जाने की अपील की लेकिन वे नहीं माने। इस बीच, कुछ मिनट विधायी कार्य करवाने के बाद देवनानी ने कार्यवाही फिर आधे घंटे के लिए स्थगित कर दी। इसके बाद सदन बैठा तो विपक्ष के सदस्यों ने विरोध जारी रखा तथा सभापति ने कार्यवाही आधे घंटे के लिए और स्थगित करने की घोषणा की। सदन तीन बजे के बाद बैठा तो विधानसभा अध्यक्ष देवनानी ने नारेबाजी कर रहे कांग्रेस विधायकों से सीट पर लौटने की अपील करते हुए व्यवस्था दी कि जो मुद्दा आपने उठाया है सरकार से कल शून्यकाल के बाद इसका जवाब दिलवाऊंगा। इसके बाद सदन में आगे कार्यवाही हुई।

इससे पहले भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) विधायक श्रीचंद कृपलानी ने कांग्रेस विधायक शांति धारीवाल द्वारा शनिवार को सदन में कथित तौर पर अपशब्द बोले जाने का मामला भी उठाया। विधानसभा अध्यक्ष ने कहा कि वह इस पर मंगलवार को प्रश्नकाल के बाद व्यवस्था देंगे। साथ ही सदन ने पूर्व मुख्यमंत्री एवं विधायक अशोक गहलोत को मौजूदा सत्र की बैठकों से अनुपस्थित रहने की अनुमति दे दी। अध्यक्ष देवनानी ने सदन को बताया कि गहलोत ने 'स्लिप डिस्क' हो जाने के कारण 16वीं विधानसभा के द्वितीय सत्र में बैठकों से अनुपस्थित रहने की अनुमति मांगी है। उन्होंने सदन की सहमति से यह अनुमति देने की घोषणा की। इससे पहले भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं विधायक किरोड़ी लाल मीणा भी 'अपरिहार्य कारणों का हवाला देते हुए इस तरह की अनुमति ले चुके हैं।

प्रदेश में स्वास्थ्य सेवाएं बड़े बदलाव की ओर अग्रसर: शर्मा

जयपुर। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि उनकी सरकार जन-जन तक मूलभूत चिकित्सा सेवाओं को पहुंचाने के लिए प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। शर्मा ने कहा कि आमजन को घर के नजदीक ही गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं सुलभ हो सकें, इसके लिए स्वास्थ्य ढांचे का विस्तार एवं सुदृढ़ीकरण किया जा रहा है। शर्मा रविवार को बीकानेर के मूलवास-सिलवा में संत दुलाराम कुलरिया राजकीय प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र के लोकार्पण कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि सामाजिक सरोकार के तहत कुलरिया परिवार की ओर से निर्मित करवाया गया यह प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र स्थानीय क्षेत्र और आमजन के लिए उपयोगी सिद्ध होगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का ध्येय है कि आमजन को सस्ती एवं सुलभ स्वास्थ्य सेवाएं सुगमता पूर्वक उपलब्ध हों और कोई भी गरीब पैसे के अभाव में इलाज से वंचित नहीं रहे। उन्होंने कहा कि देशभर में स्वास्थ्य ढांचे का विस्तार एवं सुदृढ़ीकरण भी किया जा रहा है, गांव व ढाणी तक स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारत ने पिछले एक दशक में चिकित्सा क्षेत्र में अनेक उपलब्धियां हासिल की हैं।

डीडवाना जिले में चार किशोर तालाब में डूबे

जयपुर। राजस्थान के डीडवाना जिले में रविवार को चार किशोर तालाब में डूब गए। एक पुलिस अधिकारी ने यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि यह घटना केराप गांव में हुई, जहां चार किशोर तालाब के पास खेलने गए थे। जब वे काफी देर तक घर नहीं लौटे, तब उनके माता-पिता ने उनकी तलाश शुरू की। अधिकारी के मुताबिक, तलाश के दौरान माता-पिता को तालाब के पास बच्चों की चप्पलें दिखीं, जिससे उन्हें संदेह हुआ कि वे डूब गए हैं। उन्होंने बताया कि रात करीब नौ बजे तालाब से दो शव निकाले गए। अधिकारी के अनुसार, नागौर से राज्य आपदा मोचन बल (एसडीआरएफ) की टीम और स्थानीय गोताखोरों ने देर रात लगभग दो बजे दो और शव निकाले। अधिकारी ने बताया कि मृतकों की पहचान भूपेश, शिवराज, विशाल और साहिल के रूप में हुई है। उन्होंने कहा कि शुरुआती स्तर पर यही लगता है कि किशोर तालाब में नहाते समय डूब गए।

बेहतर स्वास्थ्य सेवा उपलब्ध कराना राज्य सरकार की प्राथमिकता : शर्मा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बीकानेर। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा है कि सरकार जन-जन तक मूलभूत चिकित्सा सेवाओं को पहुंचाने के लिए प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। शर्मा रविवार को बीकानेर के मूलवास-सिलवा में संत दुलाराम कुलरिया राजकीय प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र (पीएचसी) के लोकार्पण कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि आमजन को घर के नजदीक ही गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं सुलभ हो सकें, इसके लिए स्वास्थ्य ढांचे का विस्तार एवं सुदृढ़ीकरण किया जा रहा है।

शर्मा ने कहा कि सामाजिक सरोकार के तहत कुलरिया परिवार की ओर से निर्मित करवाया गया यह प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र स्थानीय क्षेत्र और आमजन के लिए उपयोगी सिद्ध होगा। संत दुलाराम ने गौ सेवा एवं समाज सेवा को अपने जीवन का मंत्र बनाकर करूणा और परोपकार की भावना को जगाया। उनकी स्मृति में यह पीएचसी उनके आदर्शों के प्रति सच्ची श्रद्धांजलि और कार्यों का सार्थक सम्मान है। उन्होंने कहा कि पीएचसी को सीएचसी बनाने के सामाजिक सरोकार के कार्य में सरकार भी पूर्ण सहभागिता निभायेगी।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का ध्येय है कि आमजन को सस्ती एवं सुलभ स्वास्थ्य सेवाएं सुगमता पूर्वक उपलब्ध हों और कोई भी गरीब पैसे के अभाव में इलाज से वंचित नहीं रहे। देशभर में स्वास्थ्य ढांचे का विस्तार एवं सुदृढ़ीकरण भी किया जा रहा है। गांव एवं ढाणी तक स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत किया जा रहा है। शर्मा ने कहा कि मोदी के नेतृत्व में भारत ने पिछले एक दशक में चिकित्सा क्षेत्र में कई उपलब्धियां हासिल की हैं। वर्ष 2014 के बाद सभी ने देश में परिवर्तन देखा है। गरीब कल्याण एवं विकास की योजनाएं, सीमा सुरक्षा और दुनिया में बढ़ता भारत का गौरव परिवर्तन का प्रमाण है।

उन्होंने कहा कि वर्ष 2014 के बाद मोदी ने सामाजिक सरोकारों के तहत देश में सकारात्मक परिवर्तन लाने का कार्य किया। उन्होंने सबसे पहले 'स्वच्छ भारत अभियान' की शुरूआत की, जिससे स्वच्छता के प्रति आमजन में जागरूकता आई। महिला लिंगानुपात में सुधार लाने के लिए 'बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ' अभियान प्रारंभ किया। शर्मा ने कहा पांच जून को पर्यावरण दिवस के अवसर पर प्रधानमंत्री ने पर्यावरण संरक्षण की दिशा में 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान की शुरूआत की। इसी क्रम में राजस्थान में भी पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देने के लिए सात करोड़ पेड़ लगाने का लक्ष्य रखा गया है। राज्य में मां अमृता देवी और उनके सहयोगियों का बलिदान वृक्षों के संरक्षण की अनूठी मिसाल है।

कांवड़िये को थप्पड़ मारने के आरोप में कांस्टेबल निलंबित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान में जयपुर ग्रामीण के सांभर थाना क्षेत्र में एक कांवड़िये को थप्पड़ मारने के आरोप में एक पुलिस कांस्टेबल को निलंबित कर दिया गया। पुलिस अधीक्षक जयपुर ग्रामीण शांतनु कुमार सिंह ने बताया कि कांवड़िये को थप्पड़ मारने के आरोप में एक पुलिस कांस्टेबल को निलंबित कर दिया गया है। मिली जानकारी के अनुसार, कावड़िये रविवार रात एक नजदीकी गांव से गुजर रहे थे, तभी 'डीजे' पर तेज आवाज में संगीत बजाने की शिकायत पर पुलिस ने वाहन को रुकवाया और संगीत बंद करने को कहा।

जानकारी के मुताबिक, इस बीच, कावड़िये सांभर झील थाने में इकट्ठा हो गए, जहां उनकी कांस्टेबल खेमचंद की कुछ कहासुनी हो गई।

जानकारी के अनुसार, कहासुनी के दौरान कांस्टेबल ने एक कावड़िये को थप्पड़ मार दिया। पुलिस अधीक्षक ने इस मामले में कार्रवाई करते हुए खेमचंद को निलंबित कर दिया और घटना की जांच के आदेश दिए।

नवनियुक्त राज्यपाल बागड़े बुधवार को लेंगे शपथ

जयपुर। राजस्थान के नवनियुक्त राज्यपाल हरिभाऊ किसनराव बागड़े बुधवार को शपथ लेंगे। राजभवन के प्रवक्ता ने यह जानकारी दी। राजभवन के बयान के अनुसार राजस्थान के नवनियुक्त राज्यपाल बागड़े बुधवार को राजभवन में आयोजित समारोह में शपथ ग्रहण करेंगे। मुख्य न्यायाधीश मनिन्द्र मोहन श्रीवास्तव नवनियुक्त राज्यपाल को शपथ दिलावाएंगे। इसके अनुसार शपथ ग्रहण समारोह राजभवन में शाम चार बजे होगा। बागड़े राजस्थान के राज्यपाल के रूप में कलराज मिश्र की जगह लेंगे।

‘बांटो, राज करो और मूर्ख बनाओ’ की राजनीति कर रहा है विपक्ष : म्हास्के

नई दिल्ली/भाषा। शिवसेना के सांसद नरेश गणपत म्हास्के ने सोमवार को कांग्रेस नीत विपक्षी दलों को आड़े हाथ लेते हुए आरोप लगाया कि वे अंग्रेजों से भी आगे जाकर ‘बांटो, राज करो और मूर्ख बनाओ’ की राजनीति कर रहे हैं। लोकसभा में केंद्रीय बजट पर चर्चा में हिस्सा लेते हुए महाराष्ट्र के ठाणे से सांसद म्हास्के ने कहा कि अंग्रेज तो ‘बांटो और राज करो’ की राजनीति करते थे लेकिन विपक्ष उनसे आगे बढ़कर ‘बांटो, राज करो और मूर्ख बनाओ’ की राजनीति कर रहा है। उन्होंने कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए कहा कि उन्होंने पार्टी के एक परिवार को ही पूरा देश मान लिया है। भाजपा के राजू बिस्ता ने चर्चा में भाग लेते हुए कहा कि पहली बार बजट में चाय बागान की बात हुई है जिसके लिए उत्तर बंगाल और असम की जनता प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को बधाई दे रही है। उन्होंने पश्चिम बंगाल में अनेक क्षेत्रों में भ्रष्टाचार का आरोप लगाया।

भारत एकमात्र ऐसा देश जहां बीते तीन साल में पेट्रोल, डीजल के दाम घटे : पुरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने सोमवार को कहा कि भारत एकमात्र ऐसा देश है, जहां नवंबर 2021 से अप्रैल 2024 के बीच पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कमी आई है। राज्यसभा में प्रश्नकाल के दौरान विभिन्न पूरक प्रश्नों का उत्तर देते हुए मंत्री ने यह भी बताया कि सरकार तेल विपणन कंपनियों (ओएमसी) और डीलरों के बीच ‘मार्जिन’ के संबंध में बातचीत को प्रोत्साहित कर रही है।

पुरी ने कहा कि पूर्ववर्ती संप्रग सरकार के कार्यकाल के दौरान पेट्रोल और डीजल को नियंत्रण मुक्त कर दिया गया था। उन्होंने कहा कि नियंत्रण मुक्त करने का मतलब है कि बाजार में उस ‘कमोडिटी’ की कीमतें सरकार द्वारा निर्धारित नहीं की जाती हैं। पुरी ने कहा, कहीं कीमतें अधिक हैं और कहीं कम हैं। यह बिल्कुल विपरीत है। भारत में आज कीमतें सबसे कम हैं और यह एकमात्र देश है, जहां कीमतें वास्तव में कम हुई हैं। उन्होंने कहा कि इसका श्रेय प्रधानमंत्री द्वारा लिए गए बहुत ही साहसिक, महत्वाकांक्षी और दूरदर्शी निर्णयों को जाता है। मंत्री ने कहा, भारत में पेट्रोल की कीमत में 13.65 प्रतिशत और डीजल की कीमत में 10.97 प्रतिशत की कमी आई है। उन्होंने कहा कि फ्रांस में पेट्रोल की कीमत में 22.19 प्रतिशत, जर्मनी में 15.28 प्रतिशत, इटली में 14.82 प्रतिशत, स्पेन में 16.58 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। पुरी ने यह भी बताया कि भारत में कीमतों में गिरावट आई है, जबकि पड़ोसी देशों में दरें बढ़ी हैं। मंत्री ने तेल बॉन्ड जारी करने के लिए संप्रग सरकार पर भी हमला किया। उन्होंने कहा, 1.41 लाख करोड़ रुपए के तेल बॉन्ड जारी किए गए थे। आज हमें उस तरह के दूरदर्शी निर्णय के लिए 3.5 लाख करोड़ रुपए वापस करने पड़ रहे हैं। डीलरों के ‘मार्जिन’ में वृद्धि पर पुरी ने कहा कि यह तेल विपणन कंपनियों और उन डीलरों के बीच एक वाणिज्यिक संविदात्मक स्थिति है, जिन्हें वे उस अनुबंध के हिस्से के रूप में नियुक्त करते हैं। एक जुलाई, 2024 की स्थिति के अनुसार देश में 90,639 खुदरा दुकानें हैं, जिनमें से लगभग 90 प्रतिशत सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनियों की हैं और बाकी निजी क्षेत्र की कंपनियों की हैं। उन्होंने कहा हम इस पर नज़र रख रहे हैं, ओएमसीज और डीलरों के बीच चर्चा चल रही है। पिछली बार मार्जिन में वृद्धि 2017 में की गई थी।

धन शोधन मामला

न्यायालय ने हेमंत सोरेन की जमानत बरकरार रखी, ईडी की याचिका खारिज की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। उच्चतम न्यायालय ने कथित भूमि घोटाले से जुड़े धन शोधन मामले में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को जमानत देने के झारखंड उच्च न्यायालय के फैसले को चुनौती देने वाली प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की याचिका सोमवार को खारिज कर दी।

झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने न्यायालय के इस फैसले का स्वागत किया। उन्होंने पत्रकारों से बात करते हुए कानून के शासन को बनाए रखने के महत्व पर जोर दिया और कहा कि उन्हें झूठे बहाने से जेल भेजा गया, जिसका उद्देश्य उनकी और उनके परिवार की प्रतिष्ठा को धूमिल करना था।

उन्होंने कहा, मुझे ऐसे कैद किया गया, जैसे मैं राज्य की संपत्ति लेकर भाग गया हूं... सोरेन परिवार पर व्यवस्थित तरीके से आरोप लगाए गए। इससे पहले, न्यायमूर्ति बी आर गवई और न्यायमूर्ति के वी विश्वनाथन की पीठ ने कहा कि उच्च न्यायालय का 28 जून का आदेश ‘‘अत्यंत तर्कपूर्ण’’ था। पीठ ने कहा, हम संबंधित आदेश में हस्तक्षेप करने के इच्छुक नहीं हैं।

हालांकि, शीर्ष अदालत ने कहा कि चूंकि उच्च न्यायालय द्वारा की गई टिप्पणियां जमानत देने पर विचार करने से संबंधित थीं, इससे न तो सुनवाई पर और न ही किसी अन्य कार्यवाही के स्तर पर अधीनस्थ अदालत में कोई प्रभाव पड़ेगा। उसने कहा, हमें लगता है कि एकल न्यायाधीश (उच्च न्यायालय) ने बहुत ही तर्कसंगत फैसला सुनाया है।... हम और कुछ नहीं कहना चाहते... अगर हम कहेंगे तो आप (ईडी) मुश्किल में पड़ सकते हैं।

झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के कार्यकारी अध्यक्ष सोरेन ने मामले में ईडी द्वारा 31 जनवरी को गिरफ्तार किए जाने से कुछ समय पहले ही मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया था। मामले में जमानत पर जेल से बाहर आने के बाद उन्होंने चार जुलाई को फिर से मुख्यमंत्री पद की शपथ ली।

सरकार गिरने का दावा ‘मुंगेरीलाल का हसीन सपना’ : अनुप्रिया पटेल

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय मंत्री और अपना दल (एस) की प्रमुख अनुप्रिया पटेल ने सोमवार को कहा कि विपक्ष का यह दावा ‘मुंगेरीलाल का हसीन सपना’ है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार गिर जाएगी। उन्होंने लोकसभा में केंद्रीय बजट पर चर्चा में भाग लेते हुए यह भी कहा कि यह सरकार पांच साल का कार्यकाल पूरा करेगी तथा अपने वादों को पूरा करेगी। अनुप्रिया ने कहा, विपक्ष के मित्रों ने कहा कि यह ‘कुर्सी बचाओ बजट’ है। मैं यह कहना चाहती हूं कि यह राजग का बजट है, भारत का बजट है क्योंकि भारत ने राजग को लगातार तीसरी बार चुना है। उनका कहना था कि राजग ‘‘भारत का है, भारत के लिए और भारत के द्वारा है।

अनुप्रिया ने कहा कि विपक्ष ने बहुत भ्रम फैलाया, लेकिन जनता ने प्रधानमंत्री मोदी को फिर से चुना। उन्होंने कहा, ये लोग (विपक्ष) राजग सरकार के गिरने के सपने देखते हैं, वो मुंगेरीलाल के हसीन सपने पूरे नहीं होने वाले हैं। यह सरकार पूरे पांच साल चलेगी। अनुप्रिया ने बजट के कई बिंदुओं का हवाला देते हुए कहा कि इस बजट में सभी वर्गों का ध्यान रखा गया है। बजट पर चर्चा में भाग लेते हुए तेलुगु देसम पार्टी के लावू श्रीकृष्णा ने कहा कि विपक्ष इस बजट को ‘सरकार बचाओ बजट’ कह रहा है लेकिन उसे पता होना चाहिए कि 272 से अधिक सीट राजग को मिली हैं। उनका कहना था, यह सरकार पांच साल तक चलेगी, चिंता करने की कोई बात नहीं है। श्रीकृष्णा ने कहा कि विपक्ष को ‘‘सलेक्टिव एम्नीसिया’’ नहीं होना चाहिए और ऐसा नहीं कहना चाहिए कि आंध्र प्रदेश को विशेष महत्व दिया जा रहा है।

तीस्ता जल बंटवारे को लेकर किसी भी समझौते के खिलाफ है बंगाल सरकार: ममता

कोलकाता/भाषा। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कहा कि उनकी सरकार तीस्ता नदी के जल बंटवारे को लेकर भारत और बांग्लादेश के बीच किसी भी समझौते का विरोध करती है। उन्होंने कहा कि वह बांग्लादेश की जनता से प्रेम करती है, लेकिन तीस्ता नदी के जल के बंटवारे का मतलब उत्तरी बंगाल के लोगों को पेयजल तक से वंचित करना होगा। प. बंगाल में भूमि कटाव नियंत्रण और बाढ़ की रोकथाम से संबंधित प्रस्ताव पर विस को संबोधित करते हुए बनर्जी ने कहा कि तीस्ता नदी में सर्दी और गर्मी के मौसम में कम पानी होता है। बनर्जी ने आरोप लगाया कि राज्य सरकार को फरक्का संधि को लेकर भारत और बांग्लादेश के बीच चर्चा में आमंत्रित नहीं किया गया। उनका राज्य इस मुद्दे में एक हितधारक है, क्योंकि गंगा नदी पश्चिम बंगाल से होकर पड़ोसी देश बांग्लादेश जाती है। पिछले महीने बनर्जी ने प्रधानमंत्री मोदी को पत्र लिखकर तीस्ता जल बंटवारे और फरक्का संधि के संबंध में बांग्लादेश के साथ चर्चा से पश्चिम बंगाल सरकार को केंद्र द्वारा बाहर रखने पर कड़ी आपत्ति जताई थी।

आरक्षण बढ़ाने से इनकार करने के पटना उच्च न्यायालय के फैसले पर शीर्ष अदालत ने नहीं लगायी रोक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। उच्चतम न्यायालय ने पटना उच्च न्यायालय के उस फैसले पर रोक लगाने से सोमवार को इनकार कर दिया, जिसके तहत बिहार में दलितों, आदिवासियों और पिछड़े वर्गों के लिए आरक्षण 50 फीसदी से बढ़ाकर 65 फीसदी करने वाले संशोधित आरक्षण कानूनों को रद्द कर दिया गया था।

हालांकि, प्रधान न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़, न्यायमूर्ति जे बी पारदीवाला और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की पीठ पटना उच्च न्यायालय के फैसले के खिलाफ बिहार सरकार की ओर से दायर 10 याचिकाओं पर सुनवाई करने के लिए सहमत हो गई। शीर्ष अदालत ने याचिकाओं पर नोटिस भी जारी नहीं किया। उसने याचिकाओं को सुनवाई के लिए स्वीकार करते हुए कहा कि इन्हें सितंबर में सुनवाई के लिए सूचीबद्ध किया जाएगा। राज्य सरकार की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता श्याम दीवान ने पीठ से उच्च न्यायालय के आदेश पर रोक लगाने का आग्रह किया। दीवान ने छत्तीसगढ़ के ऐसे ही एक मामले का जिक्र किया और कहा कि शीर्ष अदालत ने उस मामले में उच्च न्यायालय के आदेश पर रोक लगा दी थी। इसके अलावा, दीवान ने उन प्रतिवादियों को नोटिस जारी करने का भी अनुरोध किया, जिन्होंने आरक्षण सीमा बढ़ाने के खिलाफ उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाया था। इस पर प्रधान न्यायाधीश ने कहा, हम मामले को सूचीबद्ध करेंगे, लेकिन हम (उच्च न्यायालय के फैसले पर) कोई रोक नहीं लगाएंगे।... वर्तमान चरण में कोई अंतरिम राहत नहीं दी जाएगी। पीठ ने याचिकाओं पर नोटिस भी जारी नहीं किए।

मोदी सरकार ने मुसलमानों को अछूत बना दिया है: ओवैसी

नई दिल्ली/भाषा। ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) के प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने सोमवार को आरोप लगाया कि मोदी सरकार ने मुसलमानों को इस तरह से अछूत बना दिया है कि उनका न तो राजनीतिक प्रतिनिधित्व है और न ही देश के विकास में उन्हें हिस्सेदारी मिल रही है।

हैदराबाद से लोकसभा सदस्य ने निचले सदन में केंद्रीय बजट पर चर्चा में भाग लेते हुए यह भी कहा कि अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय से संबंधित आवंटन में कोई खास बढ़ोतरी नहीं की गई है तथा छात्रवृत्ति के लिए आवेदन करने वाले 47 फीसदी लोगों के आवेदनों को नामंजूर कर दिया जा रहा है। उन्होंने सवाल किया, क्या देश के मुसलमानों में गरीब नहीं हैं? 17 करोड़ मुसलमानों से नफरत करके विकसित भारत का निर्माण कैसे किया जा सकता है?’’ उन्होंने कहा, सबसे ज्यादा गरीबी मुसलमानों में हैं, मुस्लिम महिलाओं में शिक्षा की कमी है।

इंदिरा गांधी की वजह से हकीकत बना ‘प्रोजेक्ट टाइगर’: कांग्रेस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। देश में कई बाघ अभयारण्य के ‘‘गंभीर खतरे’’ में होने का दावा करते हुए कांग्रेस ने सोमवार को कहा कि ‘प्रोजेक्ट टाइगर’ पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की वजह से ही अस्तित्व में आ सका।

कांग्रेस ने यह भी दावा किया कि कई बाघ अभयारण्य आज ‘‘गंभीर खतरे’’ में है, जिनमें से कुछ जलवायु परिवर्तन से जुड़ी अनिश्चितताओं का सामना कर रहे हैं, लेकिन कुछ लोग ‘‘बुनियादी ढांचे के नाम पर गलत सोच वाली परियोजनाओं को आगे बढ़ाने’’ के दबाव में हैं।

कांग्रेस महासचिव और पूर्व पर्यावरण मंत्री जयराम रमेश ने कहा कि 29 जुलाई को दुनिया भर में अंतरराष्ट्रीय बाघ दिवस रूप में मनाया जाता है, जिसकी शुरुआत 2010 में हुई थी। उन्होंने ‘एक्स’ पर पोस्ट किया, यह दिन एक अप्रैल, 1973 को कॉर्बेट नेशनल पार्क से लॉन्च किए गए प्रोजेक्ट टाइगर की बड़ी सफलता के कारण है। प्रारंभ में परियोजना के तहत नौ बाघ अभयारण्यों की पहचान की गई थी, लेकिन आज 55 हैं।

रमेश ने कहा, प्रोजेक्ट टाइगर केवल एक महिला की वजह से वास्तविकता बन सका, जो एक भावुक प्रकृतिवादी थीं और जिनका मानना था कि बाघों की रक्षा करके हम अपने समृद्ध वन पारिस्थितिकी तंत्र को भी संरक्षित और समृद्ध करेंगे। भारत और विदेशों में कई समर्पित संरक्षणवादियों ने सहयोग किया था, लेकिन उनके व्यक्तिगत नेतृत्व के बिना प्रोजेक्ट टाइगर हकीकत नहीं बन पाता।

कांग्रेस नेता ने कहा कि देश के 55 बाघ अभ्यारण्यों में से कई आज गंभीर खतरे में हैं।

आखिरी मिनटों में हरमनप्रीत के गोल से भारत ने अर्जेंटीना को ड्रॉ पर रोका

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पेरिस/भाषा। आखिरी सीटी बजने से एक मिनट पहले पेनल्टी कॉर्नर पर कप्तान हरमनप्रीत सिंह के गोल के दम पर भारत ने पेरिस ओलंपिक पुरुष हॉकी स्पर्धा में पूल बी के मैच में रियो ओलंपिक चैम्पियन अर्जेंटीना को 1 . 1 से ड्रॉ पर रोका।

भारत को इस मैच में मिले दसवें पेनल्टी कॉर्नर पर यह पहला गोल आया जो सारी कहानी खुद कहता है। पिछले मैच में भी 59वें मिनट में पेनल्टी स्ट्रोक पर हरमनप्रीत के गोल की बदौलत ही भारत ने न्यूजीलैंड को 3 . 2 से हराया था। कप्तान हरमनप्रीत ने कहा, हमने कई मौके बनाए लेकिन फिनिशिंग तक नहीं ले जा सके। हमें इसमें सुधार करना होगा। अर्जेंटीना के डिफेंस से हमें सीखना चाहिए।

टोक्यो ओलंपिक की कांस्य पदक विजेता भारतीय टीम पूरे मैच में रंगत में नहीं दिखी। पेनल्टी कॉर्नर बेहद कमजोर रहा और मनप्रीत सिंह तथा हार्दिक सिंह जैसे अनुभवी मिडफील्डर मैच में कहीं दिखे ही नहीं। इसके अलावा अहम मौकों पर फॉरवर्ड पंक्ति ने कई गलतियां की और मौके गंवाए। पहले मैच में ऑस्ट्रेलिया से हारी अर्जेंटीना ने 22वें मिनट में लुकास मार्तिनेज के गोल के दम पर बढत बना ली और उसके बाद भारतीय टीम बराबरी के गोल के लिए तरसती रही। भारतीयों ने सर्कल के भीतर कई बार हमले बोले लेकिन अर्जेंटीना के गोलकीपर सैंतियागो तोमास ने जबर्दस्त मुस्तैदी से भारत का हर वार नाकाम कर दिया। ऐसा लग रहा था कि अर्जेंटीना टोक्यो ओलंपिक के पूल चरण में भारत से 1 . 3 से मिली हार का बदला चुकता कर लेगा लेकिन भारत का किस्मत ने साथ दिया और 59वें मिनट में अहम पेनल्टी कॉर्नर मिला। भारतीय टीम पेनल्टी स्ट्रोक की मांग कर रही थी लेकिन रेफरल के बाद कार्नर दिया गया। हरमनप्रीत ने इस पर गोल करके स्टेडियम में मौजूद भारतीय दर्शकों को निराश लौटने से बचा लिया। अब भारत को मंगलवार को आयरलैंड से खेलना है जिसके बाद बेल्जियम और ऑस्ट्रेलिया जैसी दिग्गज टीमों से सामना होगा। ऐसे में कोच क्रेग फुल्टोन को कमजोर कड़ियों को कसना होगा। पहले क्वार्टर में दोनों टीमों को एक एक पेनल्टी कॉर्नर मिला लेकिन गोल नहीं हो सका। अर्जेंटीना ने आक्रामक शुरुआत की लेकिन भारत ने दसवें मिनट में पहला पेनल्टी कॉर्नर बनाया जिस समय कप्तान और स्टार ड्रैग फ्लिकर हरमनप्रीत बेंच पर थे। अपना पहला ओलंपिक खेल रहे संजय ने शॉट लिया लेकिन गोल नहीं कर सके।

‘पैसे लेकर नौकरी देने’ का मामला: असम लोक सेवा आयोग के पूर्व अध्यक्ष को 14 साल की सजा

गुवाहाटी/भाषा। असम लोक सेवा आयोग (एपीएससी) के पूर्व अध्यक्ष राकेश पॉल को एक विशेष अदालत ने राज्य में कृषि विकास अधिकारियों की भर्ती से जुड़े ‘पैसे लेकर नौकरी देने’ के मामले में सोमवार को 14 साल की सजा सुनाई।

विशेष न्यायाधीश दीपांकर ठाकुरिया ने अपने आदेश में एपीएससी के दो अन्य पूर्व सदस्यों बसंत कुमार डोले और समेदुर रहमान को 10 साल की सजा सुनाई, जबकि 29 अन्य को चार साल की सजा सुनायी। पॉल और दो अन्य पूर्व सदस्यों को धोखाधड़ी के एक मामले में सात साल के कठोर कारावास, जालसाजी के लिए सात साल और भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की विभिन्न धाराओं के तहत दर्ज मामलों के लिए 10 साल की सजा सुनाई गई। पॉल के मामले में सजा एक के बाद एक चलेगी, लेकिन दंड प्रक्रिया संहिता के अनुसार ऐसे मामले में दोषी व्यक्ति अधिकतम 14 साल तक जेल में रह सकता है, इसलिए वह 14 साल जेल में सजा काटेगा। डोले और रहमान के मामले में सजा एकसाथ चलेगी और वे 10 साल जेल में रहेंगे। डोले, रहमान और अन्य अधिकारियों के साथ पॉल को कृषि विकास अधिकारी (एडीओ) भर्ती परीक्षा में शामिल हुए अभ्यर्थियों के अंकों से छेड़छाड़ के मामले में दोषी ठहराया गया था। इस परीक्षा के लिए अर्हता प्राप्त करने में विफल रहे एक अभ्यर्थी की शिकायत पर एक मामला दर्ज किया था।

इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने अफजाल अंसारी की सजा को रद्द किया, वह सांसद बने रहेंगे

प्रयागराज/भाषा। इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने गाजीपुर की एक अदालत द्वारा गैंगस्टर कानून के एक मामले में सांसद अफजाल अंसारी की दोषसिद्धि और उन्हें सुनाई गई चार साल की सजा को सोमवार को रद्द कर दिया। इस निर्णय के बाद अफजाल अंसारी की सांसदी पर खतरा समाप्त हो गया और वह सांसद बने रहेंगे। न्यायमूर्ति एसके सिंह ने इस मामले में सुनवाई करते हुए गाजीपुर की अदालत के निर्णय को रद्द करने का आदेश पारित किया। इसके साथ ही, अदालत ने इसी मामले में अफजाल की सजा बढ़ाने की उत्तर प्रदेश सरकार और कृष्णानंद राय के बेटे पीयूष कुमार राय की अपील भी खारिज कर दी है।

वर्ष 2005 में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) विधायक कृष्णानंद राय की हत्या के बाद अफजाल पर यह मामला दर्ज किया गया था। गाजीपुर की सांसद-विधायक विशेष अदालत ने 29 अप्रैल 2023 को अफजाल को गैंगस्टर कानून के मामले में दोषी करार दिया था और उन्हें चार साल की जेल की सजा सुनाई थी। इसके अलावा उन पर एक लाख रुपए का जुर्माना भी लगाया था। अदालत ने अफजाल के भाई मुख्तार अंसारी को भी दोषी करार देते हुए 10 वर्ष की जेल की सजा सुनाई थी। सजा सुनाए जाने के बाद अफजाल सांसद के तौर पर अयोग्य हो गए। इस फैसले के खिलाफ उन्होंने उच्च न्यायालय में अपील दायर की।

सपा सांसद ने अयोध्या में जमीन की खरीद में अनियमितता का आरोप लगाया, सांसदों की समिति से जांच की मांग

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। उत्तर प्रदेश की फैजाबाद लोकसभा सीट से समाजवादी पार्टी (सपा) के सांसद अवधेश प्रसाद ने अयोध्या में जमीन में खरीद में अनियमितताओं का आरोप लगाते हुए सांसदों की एक समिति भेजकर जांच कराने की मांग सोमवार को निचले सदन में उठाई।

लोकसभा में केंद्रीय बजट पर चर्चा में भाग लेते हुए प्रसाद ने कहा कि इस बजट में कहीं भी उत्तर प्रदेश और अयोध्या का नाम नहीं है। उन्होंने सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर अयोध्या के नाम पर राजनीति और व्यापार करने का आरोप लगाते हुए कहा कि क्षेत्र की जनता ने सत्तारूढ़ दल को नकार दिया है। प्रसाद ने आरोप लगाया कि अयोध्या में रामपथ और हवाई अड्डे समेत अन्य के निर्माण के लिए ‘‘गरीब लोगों के घरों को बुलडोजर से ढहाया गया’’। उन्होंने दावा किया कि उच्चतम न्यायालय द्वारा राम मंदिर के निर्माण का मार्ग प्रशस्त किए जाने के बाद अयोध्या में भाजपा के लोगों ने सस्ते दर पर जमीन खरीदकर ऊंचे दामों में बेचा। उन्होंने कहा कि सदन की एक समिति को भेजा जाए जो वहां जमीनों की खरीद में घोटाले की जांच करे और एक रिपोर्ट इस सदन में पेश करे। चर्चा में भाग लेते हुए तृणमूल कांग्रेस की सदस्य शताब्दी रॉय ने कहा कि यह बजट ‘भाजपा बचाओ बजट’ है और उम्मीद है कि अगली बार ‘देश बचाओ बजट’ पेश किया जाएगा। उन्होंने कहा कि पश्चिम बंगाल में भी मानसून के मौसम में अन्य राज्यों की तरह बाढ़ आती है, लेकिन बजट में केंद्र ने राज्य के लिए कोई राहत नहीं दी है। उन्होंने दावा किया कि सरकार ने रेलवे में सुरक्षा, पर्यटन आदि के बारे में भी बजट में कोई चिंता नहीं की है। तृणमूल कांग्रेस सांसद ने सांसद क्षेत्र विकास निधि (एमपीलैड) बढ़ाने की मांग भी की। वाईएसआरसीपी के सांसद पीवी मिथुन रेड्डी ने कहा कि कांग्रेस और भाजपा दोनों ने ही आंध्र प्रदेश को विशेष राज्य का दर्जा देने का वादा किया था जो दिया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि बजट में राज्य के लिए विशेष पैकेज की घोषणा की गई है लेकिन उनकी पार्टी को इस पैकेज पर भरोसा नहीं है।

गठबंधन सरकार बचाने के लिए दो राज्यों को बजट में तरजीह दी गई: तृणमूल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। तृणमूल कांग्रेस के राज्यसभा सदस्य साकेत गोखले ने सोमवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली गठबंधन सरकार को बचाने के लिए केंद्रीय बजट में दो राज्यों को तरजीह दी गई है। राज्यसभा में आम बजट 2024-25 पर चर्चा में भाग लेते हुए गोखले ने यह आरोप भी लगाया कि 26 राज्यों को वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण से कुछ नहीं मिला और पश्चिम बंगाल को जानबूझकर नजरअंदाज किया गया।

गोखले ने कहा, यह केंद्रीय बजट बिना प्रतिनिधित्व के कराधान का एक स्पष्ट और अफसोसजनक मामला है। उन्होंने जोर देकर कहा कि लोगों को पर्याप्त प्रतिनिधित्व दिए बिना, लोगों को आवाज दिए बिना और लोगों को करों का हिस्सा दिए बिना सरकार द्वारा पैसा लेने का विचार एक औपनिवेशिक विचार माना गया है।

तृणमूल सदस्य ने कहा, अफसोस की बात है कि वित्त मंत्री का बजट भाषण सुनने के बाद पश्चिम बंगाल और कई अन्य विपक्षी राज्यों के लोगों ने पाया कि उनका कोई प्रतिनिधित्व नहीं है। बजट में इस बात का जिक्र भी नहीं किया गया है कि राज्य सरकारें केंद्र सरकार को जो करों का भुगतान कर रही हैं, उससे उन्हें अपने हिस्से की राशि कैसे मिलेगी। मुंबई में रहने वाली एक महिला पेशेवर के साथ अपनी बातचीत का हवाला देते हुए गोखले ने कहा कि उनके किराने के बिल में भारी वृद्धि हुई है क्योंकि मोदी सरकार खाद्य कीमतों को नियंत्रित करने में विफल रही है। उन्होंने आगे कहा कि मुंबई का बुनियादी ढांचा ध्वस्त हो रहा है। उन्होंने शहर में रेलवे पटरियों पर होने वाली मौतों का भी जिक्र किया। उन्होंने दावा किया, सोशल मीडिया का इस्तेमाल और उस पर कड़ी मेहनत करने वाले हमारे रेल मंत्री... भारत की वित्तीय राजधानी मुंबई में हर दिन औसतन सात लोगों की मौत पटरियों पर होती है। तृणमूल कांग्रेस सदस्य ने कहा कि युवा पेशेवर जो भारी कर चुकाते हैं, उनके पैसों से दूसरे राज्य में सड़कों का निर्माण किया जाएगा। उनका इशारा बजट में बिहार की सड़क परियोजनाओं के लिए किए गए प्रावधान की ओर था।

जन सुराज में कोई पद नहीं मांगूंगा: प्रशांत किशोर

पटना/भाषा। राजनीतिक रणनीतिकार से नेता बने प्रशांत किशोर ने सोमवार को स्पष्ट कर दिया कि इस साल के अंत में उनके जन सुराज अभियान के एक पूर्ण राजनीतिक दल के रूप में विकसित हो जाने पर वह ‘‘कोई पद नहीं मांगेंगे’’। ‘इंडियन पॉलिटिकल एक्शन कमेटी’ (आई-पैक) के संस्थापक ने सोशल मीडिया मंच ‘एक्स’ पर पोस्ट कर कहा, बिहार के हजारों गांवों और छोटे शहरों में दो साल से अधिक की पदयात्रा के बाद, हमने एक बेहतर विकल्प देने के लिए औपचारिक रूप से पार्टी के गठन की प्रक्रिया शुरू की, जो दशकों के कष्ट को समाप्त करेगी और बिहार के बच्चों के लिए बेहतर भविष्य सुनिश्चित करेगी।

उन्होंने कहा कि दो अक्टूबर को पार्टी की आधिकारिक शुरुआत से पहले रविवार को आठ पदाधिकारियों के पहले सम्मेलन के साथ प्रक्रिया शुरू हुई।

सुविचार

ऐ समंदर अपनी लेहरो को, ज़रा संभल कर रख, मेरे अपने ही काफ़ी, ज़िन्दगी में तूफ़ान लाने के लिए।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

खास बिंदुओं की ओर ध्यान

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 'मन की बात' की 112वीं कड़ी में कई खास बिंदुओं की ओर देशवासियों का ध्यान दिलाया है। इस समय हमारे देश के कई खिलाड़ी पेरिस ओलंपिक में मेडल जीतने के लिए जी-तोड़ कोशिश कर रहे हैं, वहीं अंतरराष्ट्रीय गणित ओलंपियाड में भारतीय छात्रों ने शानदार प्रदर्शन किया है। प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन के दौरान जिन छात्रों से बातचीत की, उससे एक तथ्य यह भी उभरकर सामने आता है कि अगर किसी विषय को रोचक ढंग से पढ़ाया जाए तो विद्यार्थी न केवल उसमें जल्द महारत हासिल करते हैं, बल्कि परीक्षाओं में प्रदर्शन भी बहुत अच्छा करते हैं। गणित, जिसे आमतौर पर थोड़ा कठिन विषय माना जाता है, जब उसे शिक्षकों ने रोचकता का समावेश करते हुए पढ़ाया तो ये विद्यार्थी अंतरराष्ट्रीय गणित ओलंपियाड तक पहुंच गए और वहां अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया। अब समय आ गया है कि स्कूली पाठ्यक्रम की किताबों में रोचकता के समावेश पर भी जोर दिया जाए। प्राय: कई बच्चे शिकायत करते हैं कि उन्हें स्कूली किताबें पढ़ते हुए ऊब महसूस होने लगती है ... एक-दो विषय तो ऐसे हैं, जिनकी किताबें लेकर पढ़ने बैठो तो ज्यादा समय तक पढ़ाई का मन नहीं करता। इसमें कोई संदेह नहीं कि स्कूली पाठ्यक्रम की किताबें उच्च कोटि के विद्वानों द्वारा लिखी जाती हैं, लेकिन इसके साथ यह जरूरी है कि उनकी परख बच्चों के नजरिए से भी की जाए। कुछ बच्चे कहते हैं कि उन्हें स्कूली किताबें पढ़कर ऐसा लगता है कि ये उनके लिए नहीं, बल्कि विद्वान लेखकों ने अपने लिए ही लिखी हैं! यह सुखद है कि आज कुछ शिक्षक गणित, विज्ञान, अंग्रेज़ी और अन्य विषयों को रोचकता का समावेश करते हुए पढ़ा रहे हैं। सोशल मीडिया पर उनके वीडियो खूब पसंद किए जा रहे हैं।

प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में खादी को बढ़ावा देने की अपील की, जो सराहनीय है। खादी ग्रामोद्योग का कारोबार पहली बार डेढ़ लाख करोड़ रुपए के पार पहुंच गया है। खादी की बिक्री 400 प्रतिशत बढ़ गई है। प्रधानमंत्री जिस तरह खादी को बढ़ावा दे रहे हैं, उससे यह आंकड़ा नए कीर्तिमान को स्पर्श कर सकता है। खादी का हमारी आज़ादी की लड़ाई से बहुत गहरा संबंध रहा है। महात्मा गांधी ने इसे राष्ट्रीय एकता और स्वदेशी का प्रतीक बना दिया था। हालांकि आज़ादी के बाद भारत में विदेशी ब्रांड छा गए और खादी उपेक्षित होती रही। जिस बाज़ार से हर साल अरबों रुपए विदेशी कंपनियां कमा सकती हैं, वहां खादी इतनी पीछे क्यों रही, जबकि इसका तो बहुत गौरवशाली इतिहास रहा है? बात सिर्फ खादी की नहीं है। अस्सी के दशक तक ऐसे कई नाम थे, जिनकी बाज़ार में अच्छी पैठ थी, लेकिन नब्बे का दशक आते-आते वे कहीं गायब हो गए। अगर सरकारों ने समय रहते उनकी गुणवत्ता में सुधार किया होता, बाज़ार की मांग के अनुरूप कदम उठाए होते, तो वे उत्पाद भी आज शिखर पर होते। प्रधानमंत्री ने ड्रग्स की चुनौती की चर्चा कर एक ज्वलंत मुद्दा उठाया है। आज शहरों से लेकर गांवों तक कई लोग इस नशे की चपेट में आ चुके हैं। खासकर युवाओं में इसका बढ़ता चलन बहुत घातक हो सकता है। सरकार टोल फ्री नंबर के जरिए ड्रग्स से लड़ने में मदद कर रही है, लेकिन इसके साथ-साथ नशे के नेटवर्क पर भरपूर प्रहार करना जरूरी है। प्रधानमंत्री ने सत्य कहा कि अपनी संस्कृति पर गौरव करते हुए ही कोई देश आगे बढ़ सकता है। ऐसे प्रयासों को बढ़ावा देने में 'प्रोजेक्ट परी' महत्त्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। सड़कों के किनारे, दीवारों पर, अंडरपास आदि जगहों पर सुंदर चित्र सबका मन मोह लेते ही हैं, वहीं आम लोगों के बीच यह धारणा अधिक मजबूत होती है कि हमें सार्वजनिक स्थानों की सुंदरता को बरकरार रखना है। ऐसे प्रोजेक्ट का अन्य स्थानों तक विस्तार संस्कृति को और समृद्ध बनाएगा।

ट्वीटर टॉक

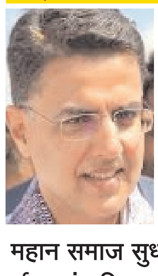

राजस्थान विधान सभा में आयोजित हुई 'युवा संसद' में पेपर लीक सहित प्रतियोगी परीक्षा प्रणाली, कोचिंग जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर युवाओं ने जिस प्रकार अपने तर्कों को सदन में रखा वह स्पष्ट करता है कि संस्थागत बदलाव और सुधार का वक्त आ गया है।

-सचिन पायलट

महान समाज सुधारक, मानवतावादी और ज्ञान के पुंज श्री ईश्वर चंद्र विद्यासागर जी की पुण्यतिथि पर सविनय नमन। वे भारतीय नवजागरण के अग्रदूत थे। महिलाओं की शिक्षा और सशक्तिकरण में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका रही। उनकी सहृदयता और संवेदना के ऐसे कितने ही उदाहरण हैं।

-ओम बिरला

महादेव के प्रिय श्रावण मास के पवित्र द्वितीय सोमवार की आप सभी को हार्दिक बधाई! भगवान भोलेनाथ से यही प्रार्थना कि इस धरा पर आपकी कृपा की अनवरत वर्षा होती रहे, सब सुखी हों और घर-आँगन में समृद्धि आए।

-वसुंधरा राजे

प्रेरक प्रसंग

तृष्णा का दूत

वाराणसी के राजा ब्रह्मदत्त की मृत्यु के बाद उनका पुत्र राजा बना। वह भोजन प्रिय था। वह शुद्धता का भी विशेष ध्यान रखता था तथा सोने की थाली में भोजन किया करता था। उसे लोग 'भोजन शुद्धिक राजा' कहने लगे थे। राजा ने यह आदेश दे रखा था कि यदि कोई दूत उससे मिलना चाहे, तो उसे तुरंत उनके पास पहुंचाया जाए। एक व्यक्ति के मन में आया कि वह भोजन करते समय राजा के पास पहुंचकर अपनी आंखों से देखे कि वह सोने की थाली में क्या-क्या खाता है? मौका मिले, तो भोजन को चखकर भी देखे। एक दिन अचानक वह 'मैं दूत हूं' कहकर राजा के महल में घुस गया। वह वहां तक पहुंच गया, जहां राजा भोजन कर रहा था, फिर मौका मिलते ही उस व्यक्ति ने झपटकर थाली में से एक कौर उठाया और मुंह में डाल लिया। अंगरक्षक ने तो सिर काटने के लिए तलवार उठा ली, पर राजा ने उसे रोकते हुए उस व्यक्ति से कहा, 'डरो नहीं, छककर भोजन करो।' उसके भरपेट भोजन करने के बाद राजा ने पूछा, 'तुम किसके दूत हो?' उसने कहा, 'राजन, मैं तृष्णा का दूत हूं। मैं काफी समय से आपके अद्भुत भोजन से तृप्त होना चाहता था।

सामयिक

मौत बांटते असुरक्षित कोचिंग सेंटर, पीजी और हॉस्टल

ललित गर्ग
मोबाइल : 9811051133

दिल्ली में सिविल सेवा परीक्षा की तैयारी कराने वाले एक कोचिंग सेंटर के बेसमेंट में पानी भरने से तीन छात्रों की मौत-हादसे ने समूचे राष्ट्र को दुःखी एवं आहत किया है, यह हादसा नहीं, बल्कि मानव जनित त्रासदी है, लापरवाही एवं लोभ की पराकाष्ठा है। इस त्रासदी की जड़ में है घोर दोषग्रस्त कोचिंग प्रणाली और व्यवस्था की जड़ों में समा गया बेलगाम भ्रष्टाचार। इससे संतुष्ट नहीं हुआ जा सकता कि कोचिंग संस्थान के दो लोगों को गिरफ्तार कर लिया गया है, क्योंकि दिल्ली नगर निगम के उन कर्मचारियों और अधिकारियों को क्यों नहीं गिरफ्तार किया गया जो सब कुछ जानते-बूझते हुए इस संस्थान को बेसमेंट में लाइब्रेरी चलाने की सुविधा प्रदान किए हुए थे। इस दुःखद एवं पीड़ादायक घटना ने एक बार फिर यही साबित किया है कि निर्माण कार्यों में फैले व्यापक भ्रष्टाचार और शासन तंत्र में बैठे लोगों की मिलीभगत के बीच ईमानदारी, नैतिकता, जिम्मेदारी या संवेदनशीलता जैसी बातों की जगह नहीं है। जिसकी कीमत निर्दोषों को अपनी जान गंवा का चुकानी पड़ रही है। निश्चित ही देशभर में कुकुरमुत्तों की तरह उग आए कोचिंग सैंटर डैथ सैंटर बन चुके हैं। कोचिंग सैंटरों का कारोबार शासन के दिशा-निर्देशों की धज्जियां उड़ाकर चल रहे हैं। छात्रों को सुनहरी भविष्य का सपना दिखा कर मौत बांटी जा रही है। आजादी के अमृत-काल में पहुंचने के बाद भी भ्रष्टाचार, रिश्वतखोरी, बेईमानी हमारी व्यवस्था में तीव्रता से व्याप्त है, अनेक हादसों एवं जानमाल की हानि के बावजूद भ्रष्ट हो चुकी मोटी चमड़ी पर कोई असर नहीं होता। प्रश्न है कि सैंटर के मालिक को तो गिरफ्तार कर लिया लेकिन ऐसी घटनाओं के दोषी अधिकारी क्यों नहीं गिरफ्तार होते?

शनिवार की शाम राजधानी दिल्ली के ओल्ड राजेन्द्र नगर के कोचिंग सैंटर में हुए हादसे में तीन छात्रों नेविन डोल्विन, तान्य सोनी और श्रेया यादव की दुखद मौत ने अनेक सवालों को खड़ा किया है। केरल का रहने वाला नेविन आईएएस की तैयारी कर रहा था और वह जेएनयू से पीएचडी भी कर रहा था। उत्तर प्रदेश की श्रेया यादव ने अभी एक महीना पहले ही इस कोचिंग सैंटर में दाखिला लिया था। कोचिंग सैंटर के बेसमेंट में लाइब्रेरी चल रही थी जहां 150 छात्रों के बैठने की व्यवस्था थी। हादसे के वक्त 35 छात्र मौजूद थे। चंद मिनटों में ही बेसमेंट में पानी भर गया। सिर्फ इसी सैंटर में नहीं, बल्कि लगभग सभी शैक्षणिक कोचिंग सैंटर के बेसमेंट में लाइब्रेरी बनाई गई है। जिसके गेट बायोमेट्रिक आईडी से खुलते हैं, जैसे ही बारिश होती है, बिजली चली जाती है, उसके बाद बेसमेंट से निकलना बिना बायोमैट्रिक आईडेंटिफिकेशन के मुश्किल होता है। ऐसी स्थिति में हादसे और मौत की संभावना बढ़ जाती है। ओल्ड राजेंद्र नगर के न सिर्फ कोचिंग सैंटर बल्कि पीजी और हॉस्टल की असुरक्षित हालत भी मौत लिये किसी भी क्षण बड़े हादसे की संभावना के साथ खड़ी है। जहां इस कदर अवैध निर्माण है कि कभी भी दूसरा या दोबारा हादसा हो सकता है। इसलिये ऐसे हादसों की जांच से काम नहीं चलने वाला।

विडम्बनापूर्ण है ऐसे जलभराव एवं आगजनी के हादसों से सबक नहीं लिया जाता। यह प्रवृत्ति दुर्भाग्यपूर्ण है। विडम्बना देखिये कि ऐसे भ्रष्ट शिखरों को बचाने के लिये सरकार कितने सारे झूठ का सहारा लेती है। राजधानी में रह-रह कर एक के बाद एक हो रहे हादसों के बावजूद दिल्ली-सरकार की नींद नहीं खुल रही है। हाल ही में गुजरात के राजकोट में एक एम्यूजमेंट पार्क के अंदर गेमिंग जोन में लगी आग की लपटें हो या राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में बच्चों के एक प्राइवेट हॉस्पिटल में आग लगना और अब कोचिंग सैंटर में तीन होनहार एवं देश के भविष्य बच्चों का दर्दनाक तरीके से डूबकर मर जाना-निश्चित रूप से ये हादसे प्रशासनिक लापरवाही की उपज हैं, यही कारण है कि सिस्टम में खामियों और ऐसी आपदाओं को रोकने में सरकारी अधिकारियों की लापरवाही की निंदा भी व्यापक स्तर की जा रही है। यह याद रखने योग्य है कि नियमित अंतराल पर मानवीय जिम्मेदारी वाले पहलू की अनदेखी से ऐसी गंभीर घटनाएं होने के बावजूद अधिकारियों की उदासीनता और लापरवाही कम होती नहीं दिख रही है। इन त्रासद हादसों ने कितने ही परिवारों के घर के चिराग बुझा दिए।

परिवार वालों ने और छात्रों ने स्वर्णिम भविष्य के सपने संजो कर और लाखों की फीस देकर कोचिंग शुरू की होगी लेकिन उन्हें नहीं पता था कि उन्हें इस तरह मौत मिलेगी। छात्रों की मौत को महज हादसा नहीं माना जा सकता, यह एक तरह से निर्मम हत्या है और हत्यारा है हमारा सिस्टम। हादसे से आक्रोशित छात्रों का कहना है कि वे 10-12 दिन से दिल्ली नगर निगम से कह रहे हैं कि ड्रेनेज सिस्टम की सफाई कारवाई जाए लेकिन किसी भी जनप्रतिनिधि और जिम्मेदार अधिकारियों ने इस ओर ध्यान नहीं दिया। हादसे तभी होते हैं जब नियमों और कानूनों को ताक पर रखा जाता है। तंत्र की काहिली और आपराधिक लापरवाही के चलते ऐसे हादसे होते हैं जिनमें भ्रष्टाचार पसरा होता है, जब अफसरशाह लापरवाही करते हैं, जब स्वार्थ एवं धनलोलुपता में मूल्य बौने हो जाते हैं और नियमों और कायदे-कानूनों का उल्लंघन होता है। जलभराव क्यों और कैसे हुआ, यह तो जांच का विषय है ही लेकिन इन शैक्षणिक एवं व्यावसायिक इकाइयों को उसके मालिकों ने मौत का कुआं बना रखा था। आखिर क्या वजह है कि जहां दुर्घटनाओं की ज्यादा संभावनाएं होती हैं, वही सारी व्यवस्थाएं फेल दिखाई देती है? सारे कानून कायदों का वहीं पर स्याह हनन होता है। हर दुर्घटना में गलती भ्रष्ट आदमी यानी अधिकारी एवं व्यवसायी की ही होती है, लेकिन दुर्घटना होने के बाद ही उन पर कार्रवाई क्यों होती है? सरकार पहले क्यों नहीं जागती?

वैसे तो बेसमेंट में कोचिंग सैन्टर या लाइब्रेरी चलाना गैर-कानूनी है, इस घटना के सन्दर्भ जब बेसमेंट में स्टोर या पार्किंग की अनुमति दी गई थी तो वहां लाइब्रेरी कैसे चलने लगी? स्पष्ट है कि कोचिंग संचालकों और दिल्ली नगर निगम के अधिकारियों की मिलीभगत से ऐसा हो रहा होगा। जलभराव के कारण पानी जब बेसमेंट में घुसा तब लाइब्रेरी में 30-35 छात्र थे। यह तो गनीमत रही कि तीन अभागे छात्रों को छोड़कर बाकी सब जैसे-तैसे निकल आए। इस इलाके में बरसात में हर समय जलभराव होता है, लेकिन किसी ने उसकी सुध नहीं ली। इसका कोई विशेष औचित्य नहीं कि एमसीडी ने एक जांच समिति गठित करने की बात कही है। जांच के नाम पर लीपापोती होने की ही आशंका अधिक है। दिल्ली की घटना इसकी परिचायक है कि जिन पर भी शहरी ढांचे की देखरेख करने और उसे संवारने की जिम्मेदारी है, वे अपना काम सही से करने के लिए तैयार नहीं। यही कारण है कि देश की राजधानी के साथ-साथ अन्य महानगरों का भी शहरी ढांचा बुरी तरह चरमरा गया है। बात हम नया भारत एवं विकसित भारत की करते हैं, लेकिन हमारी व्यवस्थाएं अभी वैसी नहीं बनी है और हम अनियंत्रित एवं असुरक्षित विकास करते जा रहे हैं। मुंबई हो, दिल्ली हो, चैन्नई या बेंगलुरु या ऐसे ही अन्य बड़े शहर -हर कहीं अनियोजित विकास और शहरी निर्माण संबंधी नियम-कानूनों के खुले उल्लंघन के चलते आए दिन दुर्घटनाएं होती रहती हैं। स्थिति यह है कि सरकारी भवनों तक में सुरक्षा के उपायों की अनदेखी होती है।

दिल्ली के इनकम टैक्स भवन में आग से एक अधिकारी की जान हाल में गयी। कहने को तो अपने देश में हर तरह के नियम-कानून हैं, लेकिन वे कागजों पर ही अधिक हैं या निर्दोषों को परेशानी करने के लिये है। औसत जनप्रतिनिधि और अधिकारी-कर्मचारी पैसे बनाने के फेर में रहते हैं और अनियोजित विकास को रोकने के बजाय उसे बढ़ावा देने का काम करते हैं। सब चलता है वाली प्रवृत्ति इस तरह अपनी जड़ें जमा चुकी है कि व्यवस्था की परवाह करना ही छोड़ दिया गया है। यह बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है कि शहरी विकास के बड़े-बड़े दावे करने और उन्हें संवारने की तमाम योजनाएं बनाने के बावजूद देश के शहर दुर्दशाग्रस्त एवं असुरक्षित हैं। हर हादसे पर सियासत होती है लेकिन कोचिंग सैंटर माफिया इतना ताकवर है कि उसके आगे कोई कुछ नहीं बोलता। ऐसा क्यों है यह सब जानते हैं।

नजरिया

जयन्ती के बहाने मुंशी प्रेमचन्द

दिनेश प्रताप सिंह 'चित्रेश'
मोबाइल : 7379100261

प्रत्येक वर्ष 31 जुलाई को कथाकार प्रेमचन्द की जयन्ती मानते हैं। यही तारीख है, जब वाराणसी के लमही में 1880 में उनका जन्म हुआ था। उनको लम्बा जीवन नहीं मिला था। 1936 की 8 अक्टूबर वह तारीख है, जब उन्होंने इस फानी दुनिया को अलविदा कह दिया। कुल छप्पन साल वह जीवित रहे। सन 1901 से विधिवत उनके लेखन की शुरुआत हुई, आरम्भ में वह उर्दू में नवाब राय के नाम से लिखते थे। सन 1909 में 'सोजे वतन' की तथाकथित जब्ती के बाद प्रेमचन्द के नाम से हिन्दी में लिखने लगे। कहा जाता है कि ज़माना' प्रेस के मालिक मुंशी दयानारायण निगम ने उनको यह सलाह दी थी।

आज अगर किसी से पूछा जाए कि उसने जीवन में किन लेखकों को पढ़ा है, तो वह दस-पाँच जो भी नाम गिनाएगा, उसमें एक प्रेमचंद का जरूर होंगे। अपने पूरे रचनाकाल में उन्होंने करीब तीन सौ कहानियाँ, अठारह उपन्यास, दस नाटक, दस कृतियों के अनुवाद, सात बाल साहित्य की पुस्तकें लिखीं। इसके अलावा सैकड़ों लेख, भाषण, सम्पादकीय और स्तम्भ लेखन भी उनके द्वारा किया गया था। लेखों में 'महाजनी सभ्यता' जैसे कई क्लासिक निबंध भी हैं। एक सफल लेखक के साथ-साथ वह कुशल वक्ता और जिम्मेदार सम्पादक भी थे।

उनकी पृष्ठभूमि साधारण ग्रामीण परिवार से थी। दादा गुरुसहाय लाल पटवारी थे। पिता अजायब राय डाकखाने में क्लर्क थे। माता आनंदी देवी ग्रहणी थीं। यह चित्रगुप्तवंशी कायस्थ परिवार था। इनके पास करीब नौ बीघा जमीन थी। कुल जमा एक संघर्षशील खाता-पीता कुनबा था। बचपन में दादा का दिया इनका नाम धनपत राय श्रीवास्तव था।

धनपतराय सात साल के हुए तो लमही के पास लालपुर के मदरसे में पढ़ने जाने लगे। एक मौलवी से वह उर्दू और फारसी सीख रहे थे, तभी एक साल बाद इनकी माता का स्वर्गवास हो गया। दादी ने उनके पालन पोषण की जिम्मेदारी ली, किन्तु वह भी अधिक समय तक जीवित न रह सकीं। पिता ने दूसरी शादी कर ली थी। उनकी तैनाती गोरखपुर में थी और वह अपने काम में व्यस्त रहते थे। सौतेली माँ का इन्हें किंचित स्नेह नहीं मिला। वह कुछ अलग-थलग से पड़ने लगे थे। परिणामत: पढ़ाई के साथ-साथ वह सूने मन को आबाद करने के लिए किस्से-कहानियों की दुनिया में डूबते चले गए। इस सम्बन्ध में पढ़ी जाने वाली पहली कृति फैजी की 'तिलिस्मे होशरुबा' थी। आगे उन्होंने 'रतननाथ शरसार', मिर्जा हादी रुस्वा, मौलाना शरर और उर्दू में उपलब्ध रेनाल्ड के उपन्यास भी पढ़ डाले।

सन 1898 में मैट्रिक उत्तीर्ण होने के बाद वह शिक्षक हो गए थे। बाद में शिक्षा विभाग में निरीक्षक भी हुए। लिखने का सिलसिला पहले से ही चल निकला था। उनकी पहली रचना प्रहसन और व्यंग्य की मिली-जुली प्रस्तुति थी। इस कृति के मुख्य पात्र उनके वह मामा थे, जो उन्हें किस्से-कहानियाँ पढ़ने से रोकते थे। यह अब उपलब्ध नहीं है। किन्तु इसका 'अंजाम लेखन' उनका आखिरी मुकाम बन गया। उनकी कहानियों और उपन्यासों में जमींदारों के शोषण, किसानों-मजदूरों और छोटे कर्मचारियों के दुखी जीवन, सौतेली माँ के दुर्व्यवहार, बाल विवाह, दहेज, जाति भेद, पंडे-पुरोहितों का पाखंड, छुआछूत, समाज की भ्रांत धारणाओं वगैरह का बड़ा बारीक और तथ्यात्मक वर्णन मिलता है, जो पाठक के दिलो दिमाग पर लंबे समय के लिए काबिज हो जाता है।

प्रेमचन्द अपने जीवन काल में साहित्य के शलाका पुरुष बन चुके थे। उनको कहानियों का राजा और उपन्यास-सम्राट जैसे सम्बोधन प्राप्त हुए, जो अब तक किसी को भी नहीं मिले हैं। अभी उनको गुजरे अट्ठासी साल हो चुके हैं, किन्तु उनकी ख्याति पर वक्त की स्याही अपना कोई असर नहीं डाल सकी है। किसी भी व्यक्ति के साथ अगर ऐसा सुयोग जुड़ जाता है तो लोग उसको लेकर देवत्व या महानायकत्व का मिथक गढ़ना शुरू कर देते हैं।

प्रेमचन्द के साथ भी यह होता चला आ रहा है। सन 1909 में 'सोजे वतन' की जब्ती का मसला भी कुछ ऐसा ही है। डॉ. प्रदीप जैन की 2021 में एक किताब 'सोजे वतन : जब्ती की सच्चाई' प्रकाशित हुई है, इसके अनुसार 'सोजे वतन' को लेकर कुछ आपत्तियाँ थीं। फ़ाइल शुरू हुई थी। किताबें भी हुक्काम के सुपुर्द की गई थीं। किन्तु विधिवत जब्ती जैसा कुछ नहीं हुआ था। एक अफवाह जरूर उठी थी। बाद में मामला दाखिल दफ्तर हो गया था। यदि जब्ती हुई होती तो प्रेमचंद सन 1921 तक सरकारी सेवा में कैसे रह सकते थे?

मगर प्रेमचन्द ने अपनी तरफ से विधिवत इसका खंडन कभी नहीं किया। यहाँ तक कि उनके सम्पादन में प्रकाशित 'हंस' मासिक के आत्मकथा अंक (जन. फर. 1932) में 'जीवन-सार' शीर्षक से उनका जीवन वृतांत प्रकाशित हुआ था। उसमें जब्ती का जिक्र किए बिना भी इस भ्रम को यथावत भाषाई कौशल से सप्रयास बना रहने दिया गया है।

प्रेमचन्द सड़ीगली परम्पराओं, विश्वासों और धारणाओं को तोड़ने में यकीन रखने वाले शख्स थे। जबकि उनके अंधभक्त लीक छोड़ना ही नहीं चाहते। गत वर्ष प्रेमचन्द विषयक संगोष्ठी में एक कथाकार ने अपना विचार रखने के क्रम कहा कि 'कफन' और 'पूस की रात' जो लेखक की सर्वाधिक चर्चित कहानियाँ हैं, उसमें 'कफन' दलित विरोधी प्रतीत होती है और 'पूस की रात' अपने अन्वितार्थ के अंतर्गत पलायन का प्रतिमान रचती है। इन कहानियों के मुकाबले ईदगाह, नमक का दरोगा, पंच परमेश्वर, मंत्र, परीक्षा, सद्गति आदि को वक्ता ने अधिक अच्छी कहानियाँ बताया था। वहाँ एक पीजी कालेज के प्रवक्ता को खुजली लग गई। अपनी प्रस्तुति में उन्होंने रामायण का एक श्लोक उद्धृत किया। जिसके अनुसार, सीताजी को देखने के बाद बंदरों की पहली प्रतिक्रिया यह थी कि और सब ठीक है, लेकिन माता सीता के तो पूँछ ही नहीं है। यानी पूर्व वक्ता की अवधारणा को उन्होंने बंदरों के सौंदर्यबोध से जोड़ दिया।

वास्तव में पचास साल पहले जो एकबार पढ़ा गया, उसमें समय समय पर कुछ अपमार्जन, परिवर्धन और परिमार्जन भी होता रहता है। खासकर बीसवीं सदी के आखिरी दशक के बीच सोवियत सत्ता के विखराव और भारतीय अस्मिता की पहचान की सुगबुगाहट के दौर में मान बिन्दुओं में काफी बदलाव आया हैं। आज वैश्विक रेटिंग में भारतीय संदर्भ में गर्हित मूल्यों से जुड़ी छवियों के बरक्स उदात्त जीवन मूल्यों की धारक कला, संस्कृति, साहित्य वगैरह अपने वांछित उच्च स्थान पर पहुँच रहे हैं। कभी पूस की रात, कफन, ठाकुर का कुआं जैसी कहानियों का दर्जा ऊंचा रहा होगा, अब ऐसा नहीं है। किन्तु व्यक्ति अपने 'कूप मंडूकत्व' से बाहर आना ही न चाहे तो कोई क्या कर सकता है?

अपनी कृतियों में उन्होंने ग्रामीण जीवन के तमाम धुंधले पक्षों को उजागर किया है। इसमें समाज के उच्चवर्ग-ब्राह्मण, क्षत्रिय और वैश्य उनकी कलम की नोक पर रहे हैं, मगर गँवई संघर्षों में अपनी बिरादरी के कायस्थों की कारगुजारियों को लेकर उन्होंने कम ही लिखा है। जबकि गाँव में जमीन और बाग के सारे कागजात पटवारियों के पास होते थे। तब पटवारी का पद कायस्थों के लिए आरक्षित होता था। जमीन की हदबंदी, स्वामित्व और हकबरारी के सम्बन्ध में उनके पास बड़े अधिकार थे। यह चाह लेते तो ढेर सारे गँवई झगड़े, जो मूलतः जमीन-जायदाद से जुड़े होते थे, हो ही नहीं सकते थे। किन्तु निहित स्वार्थवश पटवारी ग्रामीण जीवन में फसाद पैदा किए रहते थे। इस सम्बन्ध में प्रेमचन्द का मौन भ्रम पैदा करता है कि उन जैसी पैनी दृष्टि के लेखक की निगाह से यह बड़ा सच कैसे अनदेखा रह गया?

प्रेमचन्द ने बाल विधवा शिवरानी देवी से विवाह करके क्रांतिकारी कदम उठाने और प्रगतिशीलता की वाहवाही तो खूब लूटी। मगर पन्द्रह साल की उम्र में जिस लड़की से उनकी पहली शादी हुई थी, उसके गुजर-बसर से बेपरवाह रहते हुए दूसरी शादी करने की हिमाकत पर उनके विषय में लिखने वाले दयानारायण निगम, प्यारेलाल शाकिर, पं. बनारसीदास चतुर्वेदी, रघुपतिसहाय फिराक, इन्द्रनाथ मदान, मदन गोपाल से लेकर अमृतराय और कमलकिशोर गोयनका तक किसी ने विरोध का एक स्वर भी नहीं निकाला है। उनकी सोच में लैंगिक पूर्वाग्रह भी नजर आता है। अपने दोनों बेटों श्रीपत राय और अमृतराय को उन्होंने अंग्रेजी स्कूल में उच्च शिक्षा दिलाई थी। मगर पुत्री कमला देवी श्रीवास्तव की शिक्षा आगे नहीं बढ़ पायी थी।

कहा जाता है, प्रेमचन्द गरीबों के मसीह थे और पूरा जीवन गरीबी में बिताए। निश्चित रूप से उनका लेखन गरीबों की आवाज है। किन्तु वह गरीब थे, यह गलत है। सन 1898 में उनका वेतन बीस रुपए था, तब पाँच-छह रुपए में लोग परिवार चला लेते थे। 1921 में उन्होंने नौकरी से इस्तीफा दिया, तब उनका वेतन डेढ़ सौ रुपए था। माधुरी के सम्पादक रहते हुए भी वह यही वेतन लेते थे। 1927 में बेटी कमला की शादी में उन्होंने सात हजार रुपए खर्च किए थे। दो साल बाद इतना ही पैसा खर्च करके लमही में घर बनवाया था। सन 1933 में फिल्म नगरी बम्बई के सिनेटोन कम्पनी में कहानी लेखक की नौकरी करते थे, तब वह आठ सौ रुपया वेतन पाते थे। उन दिनों सोना बीस रूपए तोला हुआ करता था। ऐसी स्थिति में वह गरीब कैसे हुए? उनके पास तब के समय का शानदार प्रिंटिंग प्रेस का व्यवसाय भी था। वह एक जमे हुए लेखक थे। अपनी रचनाओं के लिए पारिश्रमिक खूब ठोंक-बजाकर तय करते थे। इसीलिए शैलेश जैदी ने अपनी किताब में उन्हें 'कलम का सौदागर' कहा है। उपलब्ध चित्रों में उनकी जो वेशभूषा और रूप है, उससे वह जरूर गरीब दिखते हैं किन्तु, गरीब होना और गरीब दिखना दोनों अलग बातें हैं।

प्रेमचन्द ने बम्बई की सिनोटोन कंपनी छोड़ दी थी। उनके अंधभक्त इसका कारण कंपनी की व्यावसायिकता से समझौता न कर पाना बताते हैं। प्रेमचन्द का एक मशहूर कथन है-'साहित्यकार का काम केवल पाठकों का मन बहलाना नहीं है। यह तो भाँटों और मदारियों, विदूषकों और मसखरों का ही काम है। साहित्यकार का पद इससे कहीं ऊँचा है, वह हमारा पथप्रदर्शक होता है। वह हमारे मनुष्यत्व को जगाता है। हमारे अन्दर सद्भावों का संचार करता है। हमारी दृष्टि को फैलाता है। कम से कम उसका यही उद्देश्य होना चाहिए।'

यह लिखने वाले प्रेमचन्द इस तथ्य से अनभिज्ञ नहीं हो सकते थे कि सिनेमा का मुख्य उद्देश्य व्यवसाय है। पन्द्रह-बीस लाख की लागत से बनने वाली फिल्म टिकट खिड़की से चालीस-पचास लाख कमाना चाहेगी। इसलिए साहित्य से इतर फिल्में महफ़िल भी सजाती हैं। नाच-गाना, स्वांग, मसखरी और मदारीगीरी सब कुछ इसमें जायज है। इसके बिना फिल्में चल ही नहीं सकतीं। यह सब न कर पाने की स्थिति में प्रेमचंद को फिल्मी दुनिया का मैदान छोड़ना पड़ा। वास्तव में महान से महान व्यक्ति भी सदैव सफल ही नहीं होता है।

असल में किसी का इतना महिमामंडन कि वह मानवेत्तर व्यक्तित्व में परिवर्तित होकर अप्रश्नेय बन जाए, यह उचित नहीं है। मनुष्य अपने कार्यों, गुणों और व्यवहार से बेशक बहुत महान बने, किन्तु अंततः उसका मनुष्य होना ही अन्तिम सार्थकता है। प्रेमचन्द महान लेखक होते हुए भी मानव थे और इसलिए उनमें भी कुछ मानवोचित दुर्बलताएं, द्वन्द्व, अंतर्विरोध, लुकाव-छिपाव और पूर्वाग्रह होना स्वाभाविक है। इससे उनकी महानता पर कोई बट्टा नहीं लगता।

महत्त्वपूर्ण

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company,6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law. **RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।– दक्षिण भारत राष्ट्रमत

चोपड़ा की हौसला अफजाई के लिए 22,000 किमी की दूरी तय कर केरल से पेरिस पहुंचा साइकिल चालक

पेरिस/भाषा। भारत के स्टार एथलीट नीरज चोपड़ा को पेरिस ओलंपिक में एक बेहद ही खास प्रशंसक मिलेगा जो केरल से साइकिल चलाकर लगभग दो साल में फ्रांस की राजधानी में पहुंचा है।

फायिस असरफ अली नाम के इस प्रशंसक ने 15 अगस्त 2022 में केरल के कालीकट से पेरिस के लिए अपनी साइकिल यात्रा शुरू की थी। वह लगभग 22,000 किलोमीटर की दूरी तय करने के दौरान 30 देशों की यात्रा कर पेरिस पहुंचे हैं।

अली 'शांति और एकता' के संदेश के साथ भारत से लंदन तक साइकिल चलाने के मिशन पर निकले थे। इस दौरान 17 देशों में साइकिल चलाने के बाद जब वह पिछले साल एक अगस्त की दोपहर को बुडापेस्ट में रुके तो उन्हें पता चला कि टोक्यो ओलंपिक का स्वर्ण पदक विजेता भाला फेंक खिलाड़ी वहीं रुका है।

चोपड़ा विश्व चैंपियनशिप के लिए खिलाड़ियों दल के साथ वहां थे। अली ने केरल के एक जाने-माने कोच को फोन कर भारतीय दल से मिलने की मांग की और तभी उन्हें अपने चहते खेल सितारे से मुलाकात करने का मौका मिला।

अली ने यहा 'इंडिया हाउस' में अपनी यात्रा समाप्त करने के बाद 'पीटीआई-भाषा' से कहा, मुझे भारतीय एथलीटों से बात करने के लिए कुछ मिनट मिले और नीरज ने मुझसे कहा कि जब आप लंदन जा रहे हैं तो ओलंपिक के लिए पेरिस क्यों नहीं आ रहे हैं?'' उन्होंने कहा, मैंने सोचा कि पेरिस में उन से फिर से मुलाकात करने का शानदार मौका मिलेगा। इसलिए मैंने अपनी योजना में थोड़ा बदलाव किया और आवश्यक वीजा प्राप्त किया और यहां अपनी यात्रा समाप्त करने से पहले साइकिल से ब्रिटेन चला गया। उन्होंने कहा, मैं उनसे दोबारा मिलने के लिए बहुत उत्साहित हूं। मैंने पीटी उषा मैडम (आईओए प्रमुख) से अनुरोध किया है। मैं उन्हें फिर से इतिहास रचते हुए देखने के लिए यहां हूं। हम (आठ अगस्त को) उनकी हौसलाअफजाई करेंगे।

पेशे से इंजीनियर अली अपनी साइकिल के साथ चार जोड़ी कपड़े, एक टेंट और एक 'स्लिपिंग बैग' रखते हैं, जिससे उनके सामान और साइकिल का कुल वजन लगभग 50 किलो होता है।

अली ने कहा, मैं कभी किसी होटल में नहीं रुकता और रास्ते में कुछ प्रायोजक मिल जाते है। मुझे इस बीच में दो बार वीजा की व्यवस्था करने के लिए केरल जाना पड़ा। उन्होंने कहा, सीमा पार करने के लिए आपको केवल वीजा की आवश्यकता है, एक साइकिल चालक को किसी अन्य दस्तावेज की आवश्यकता नहीं होती है। अली से जब पूछा क्या कि इस दौरान उन्हें थकान या किसी स्वास्थ्य संबंधी समस्या का सामना करना पड़ा तो उन्होंने कहा, नहीं कभी नहीं। अली ने कहा, लोग हर जगह प्यार और गर्मजोशी से मेरा स्वागत करते है और मुझे यही प्रेरित करता है। मैं यहां बहुत उत्साहित हूं।

किसी भी देश को दूसरे देश पर हावी नहीं होना चाहिए: 'क्वाड' देशों का चीन को स्पष्ट संदेश

टोक्यो/भाषा। चतुष्पक्षीय सुरक्षा संवाद (क्वाड) समूह के सदस्य देशों ने चीन को स्पष्ट संदेश देते हुए स्वतंत्र और खुले हिंद-प्रशांत को लेकर अपनी दृढ़ प्रतिबद्धता की सोमवार को पुन: पुष्टि की तथा एक ऐसा क्षेत्र बनाने की दिशा में काम करने का संकल्प लिया, जहां कोई भी देश दूसरे देश पर हावी न हो और प्रत्येक राष्ट्र हर प्रकार के दबाव से मुक्त हो।

यहां हुई बैठक में 'क्वाड' देशों के विदेश मंत्रियों ने स्वतंत्र एवं नियम-आधारित अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था को बनाए रखने और राष्ट्रों की स्वतंत्रता, मानवाधिकारों, लोकतांत्रिक मूल्यों, संप्रभुता एवं क्षेत्रीय अखंडता के सिद्धांतों का सम्मान करने का भी आह्वान किया।

बैठक में विदेश मंत्री जयशंकर, अमेरिका के विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन, जापान की विदेश मंत्री योको कामिकावा और ऑस्ट्रेलिया की विदेश मंत्री पेनी वोंग ने हिस्सा लिया।

चारों विदेश मंत्रियों ने चीन का सीधे तौर पर नाम लिए बिना पूर्वी और दक्षिण चीन सागर में स्थिति पर गंभीर चिंता व्यक्त की और किसी भी ''ऐसी एकतरफा कार्रवाई'' के प्रति 'क्वाड' के कड़े विरोध को दोहराया ''जिसके जरिए बल या दबाव से यथास्थिति को बदलने की कोशिश की जाती है।

बयान में मंत्रियों ने कहा, क्षेत्रीय शांति, स्थिरता एवं समृद्धि में योगदान देने में सभी देशों की भूमिका है। हम एक ऐसा क्षेत्र चाहते हैं, जिसमें किसी देश का प्रभुत्व न हो और कोई देश किसी अन्य देश पर हावी न हो, प्रतिस्पर्धा का प्रबंधन जिम्मेदारी से किया जाए, हर देश सभी प्रकार के दबाव से मुक्त हो और अपने भविष्य को खुद निर्धारित कर सके।

'क्वाड' ने स्वतंत्र, खुले और समृद्ध हिंद-प्रशांत क्षेत्र की दिशा में काम करने का भी संकल्प लिया। इस क्षेत्र में पिछले कुछ वर्षों में चीन की सैन्य मौजूदगी में वृद्धि देखी गई है।

यात्रा

मेरठ में सोमवार को भगवान शिव के भक्त (कांवड़िये) 'श्रावण' के पवित्र महीने में अपनी तीर्थयात्रा (कांवड़ यात्रा) के दौरान।

दौरा

नई दिल्ली में सोमवार को दिल्ली के लेफ्टिनेंट. राज्यपाल विनय कुमार सक्सेना ने पुराने राजिंदर नगर में आईएएस कोचिंग संस्थान का दौरा किया, जहां 27 जुलाई को तीन यूपीएससी अभ्यर्थी डूब गए थे।

चीन ने क्वाड देशों पर 'कृत्रिम रूप से तनाव पैदा करने' का आरोप लगाया

बीजिंग/भाषा। चीन ने सोमवार को अमेरिका और भारत समेत चतुष्पक्षीय सुरक्षा संवाद (क्वाड) समूह के देशों पर एशिया प्रशांत क्षेत्र में अन्य देशों के विकास को ''रोकने'' के लिए ''कृत्रिम रूप से तनाव पैदा करने'' और ''टकराव भड़काने'' का आरोप लगाया।

बीजिंग का यह बयान तब आया है जब कुछ घंटों पहले अमेरिका, जापान, भारत और ऑस्ट्रेलिया वाले क्वाड देशों के विदेश मंत्रियों ने टोक्यो में एक बैठक में स्वतंत्र एवं खुले हिंद-प्रशांत को लेकर अपनी दृढ़ प्रतिबद्धता की पुन: पुष्टि की तथा एक ऐसा क्षेत्र बनाने की दिशा में काम करने का संकल्प लिया, जहां कोई भी देश दूसरे देश पर हावी न हो और प्रत्येक राष्ट्र हर प्रकार के दबाव से मुक्त हो।

चीन के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता लिन जियान ने क्वाड देशों के विदेश मंत्रियों के संयुक्त बयान पर उनकी प्रतिक्रिया पूछे जाने पर संवाददाता सम्मेलन में कहा कि क्वाड ''अन्य देशों का विकास रोकने के लिए कृत्रिम रूप से तनाव पैदा कर रहा है और टकराव को भड़का रहा है। लिन ने कहा कि यह एशिया-प्रशांत में शांति एवं विकास और स्थिरता की वैश्विक प्रवृत्ति के खिलाफ है। चीन को स्पष्ट संदेश देते हुए टोक्यो में हुई बैठक में 'क्वाड' देशों के विदेश मंत्रियों ने स्वतंत्र एवं नियम-आधारित अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था को बनाए रखने और राष्ट्रों की स्वतंत्रता, मानवाधिकारों, लोकतांत्रिक मूल्यों, संप्रभुता एवं क्षेत्रीय अखंडता के सिद्धांतों का सम्मान करने का भी आह्वान किया।

चारों विदेश मंत्रियों ने चीन का सीधे तौर पर नाम लिए बिना पूर्वी और दक्षिण चीन सागर में स्थिति पर गंभीर चिंता व्यक्त की और किसी भी ''ऐसी एकतरफा कार्रवाई'' के प्रति 'क्वाड' के कड़े विरोध को दोहराया ''जिसके जरिए बल या दबाव से यथास्थिति को बदलने की कोशिश की जाती है।

फिल्म 'खेल खेल में' का ट्रेलर 2 अगस्त को होगा रिलीज

मुंबई/एजेन्सी

बहुप्रतीक्षित कॉमेडी फिल्म 'खेल खेल में' की रिलीज की उल्टी गिनती शुरू हो गई है! अक्षय कुमार, वाणी कपूर, फरदीन खान, तापसी पन्नू, एमी विर्क, आदित्य सील और प्रज्ञा जायसवाल अभिनीत यह फिल्म स्वतंत्रता दिवस यानी 15 अगस्त को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। फिल्म के प्रति उत्सुकता बढ़ाने के लिए, निर्माताओं ने हाल ही में एक ऊर्जावान ट्रैक, 'हौली हौली' का अनावरण किया, जिसमें सितारों से सजी एक संगीत वीडियो है। अब, उत्साह चरम पर पहुंच रहा है क्योंकि फिल्म का नाटकीय ट्रेलर 2 अगस्त को प्रदर्शित होने जा रहा है। पिंकविला की एक रिपोर्ट के अनुसार, निर्माताओं ने मुंबई में एक भव्य कार्यक्रम की योजना बनाई है, जिसमें बहुप्रतीक्षित ट्रेलर लॉन्च के लिए अक्षय कुमार सहित पूरी स्टार कास्ट एक साथ आएगी। ट्रेलर, जिसे पहले ही केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड से यू/ए सर्टिफिकेट मिल चुका है, 3 मिनट और 8 सेकंड के रनटाइम के साथ हंसाने का वादा करता है।

खेल खेल में अक्षय कुमार और निर्देशक मुदस्सर अज़ीज़ की जोड़ी लंबे अंतराल के बाद फिर से साथ आ रही है। साथ ही, फरदीन खान भी लंबे अंतराल के बाद बड़े पर्दे पर वापसी कर रहे हैं। स्वतंत्रता दिवस का वीकेंड बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचाने वाला है, क्योंकि खेल खेल में को श्रद्धा कपूर और राजकुमार राव की स्त्री 2 और जॉन अब्राहम और शरवरी वाघ की वेदा से कड़ी टक्कर मिल रही है।

जान्हवी कपूर की थ्रिलर ड्रामा 'उलझ' का म्यूजिक एल्बम रिलीज

मुंबई एजेन्सी

बॉलीवुड अभिनेत्री जान्हवी कपूर की आने वाली फिल्म उलझ का एल्बम रिलीज कर दिया है। फिल्म 'उलझ' के म्यूजिक एल्बम में छह गाने हैं जिन्हें बेहद प्रतिभाशाली शाश्वत सचदेव ने निर्मित और संगीतबद्ध किया है। जुबिन नौटियाल, नेहा कक्कड़ और शाश्वत सचदेव ने आवाज़ दी है। जान्हवी कपूर ने कहा, मैं 'उलझ' को लेकर बेहद उत्साहित हूं। यह एल्बम प्यार का एक श्रम है, और मैं अपने प्रशंसकों को हमारे द्वारा बनाए गए जादू का अनुभव करने के लिए इंतजार नहीं कर सकती। प्रत्येक गीत एक कहानी कहता है, और प्रत्येक गीत विशेष है! गुलशन देवैया ने कहा, 'उलझ' पर काम करना एक यादगार अनुभव रहा है। सभी कलाकारों और प्रोडक्शन टीम के बीच सहयोग अद्भुत रहा है, और अंतिम उत्पाद कुछ ऐसा है जिससे हम सभी बहुत खुश हैं। मुझे उम्मीद है कि दर्शकों को यह उतना ही पसंद आएगा जितना हमें इसे बनाने में आया। एल्बम के सभी गाने अद्भुत हैं।

निर्देशक सुधांशु सरिया ने कहा, उलझ का संगीत फिल्म का उतना ही अभिन्न अंग है जितना कि हमारे किसी भी मुख्य कलाकार का। डेढ़ साल की मेहनत के बाद, प्रत्येक गीत फिल्म के एक आवश्यक स्वर और मेरी आत्मा का एक हिस्सा दर्शाता है। मैं शाश्वत सचदेव, कुमार और इस एल्बम में प्रदर्शन करने वाले हर कलाकार का बहुत आभारी हूं, और मैं दर्शकों द्वारा इन गीतों को खोजने और आने वाले वर्षों तक उनका आनंद लेने का इंतजार नहीं कर सकता। संगीतकार और गायक शाश्वत सचदेव ने कहा,उलझ एक संगीतमय टेपेस्ट्री है जो विभिन्न भावनाओं और अनुभवों को एक साथ बुनती है। इस एल्बम को बनाने की प्रक्रिया बेहद संतोषजनक रही है, और मैं अपने श्रोताओं को हमारे द्वारा गढ़ी गई दुनिया में गोता लगाने के लिए उत्साहित हूं। जंगली पिक्चर्स द्वारा प्रस्तुत, उलझ में जान्हवी कपूर, गुलशन देवैया, रोशन मैथ्यू, मेयांग चांग, राजेश तैलंग, आदिल हुसैन और जितेंद्र जोशी की अहम भूमिका है। फिल्म उलझ 02 अगस्त को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

धनुष की फिल्म रायन ने पहले वीकेंड में 43 करोड़ की कमाई की

मुंबई एजेन्सी

दक्षिण भारतीय फिल्मों के सुपरस्टार धनुष की फिल्म रायन ने अपने पहले वीकेंड के दौरान 43 करोड़ से अधिक की कमाई कर ली है। धनुष की तमिल एक्शन-ड्रामा 'रायन' 26 जुलाई को सिनेमाघरो में रिलीज हुयी है। फिल्म को क्रिटिक और दर्शकों दोनों का ही प्यार मिल रहा है।फिल्म रायन, धनुष के लिए कई मामलों में खास है। यह उनकी 50वीं फिल्म है और फिल्म को उन्होंने खुद निर्देशित भी किया है। फिल्म रायान, तमिल, तेलुगु और हिंदी में रिलीज की गयी है।

फिल्म रायन ने पहले दिन 13.65 करोड़,दूसरे दिन 13.75 करोड़ और तीसरे दिन 15.61 करोड़ की कमाई की है। इस तरह फिल्म रायन अपने पहले वीकेंड के दौरान तीन दिनों में 43 करोड़ रूपये से अधिक की कमाई कर चुकी है।इस फिल्म में एक शख्स के बदले की कहानी दिखाई गई है। फिल्म रायन में धनुष के अलावा, प्रकाशराज, संदीप किशन, अपर्णा बालमुरली और दुशारा विजयन जैसे कलाकार भी है। फिल्म रायन में एआर रहमान का म्यूजिक है।

कुबेरा का लुक रिलीज

दक्षिण भारतीय फिल्मों के सुपरस्टार धनुष की आने वाली फिल्म कुबेरा से उनका लुक रिलीज कर दिया गया है। धनुष के जन्मदिन के अवसर पर उनकी आने वाली फिल्म 'कुबेरा' से उनका नया लुक रिलीज कर दिया गया है। 'कुबेरा' का निर्माण कर रही प्रोडक्शन कंपनी श्री वेंकटेश्वरा सिनेमाज एलएलपी ने धनुष को जन्मदिन की बधाई देते हुए फिल्म से उनका एक पोस्टर जारी किया है। डार्क बैकग्राउंड में इंटेंस एक्सप्रेशन देते हुए दाढ़ी-मूछ में धनुष काफी दमदार नजर आ रहे हैं। इस पोस्टर के साथ मेकर्स ने कैप्शन में लिखा, शानदार धनुष सर को जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं। शेखर कमुला की कुबेर में और भी बेहतरीन प्रदर्शन और अविस्मरणीय पलों के लिए शुभकामनाएं।बहुमुखी प्रतिभा और प्रयोग करने वाले व्यक्ति को शुभकामनाएं।

करण जौहर ने बंद की सलमान खान की 'द बुल' और कार्तिक आर्यन की 'अनाम' फिल्म

मुंबई/एजेन्सी

वर्ष 2023 में कार्तिक आर्यन ने घोषणा की थी कि वह पहली बार करण जौहर और एकता कपूर के साथ एक महाकाव्य युद्ध फिल्म पर काम कर रहे हैं।

इस घोषणा ने सोशल मीडिया पर हलचल मचा दी क्योंकि इसने दोस्ताना की शूटिंग के बीच सार्वजनिक रूप से हुए मतभेद के बाद कार्तिक और करण के बीच सुलह का संकेत दिया। इस फिल्म का निर्देशन संदीप मोदी द्वारा किया जाना था और इस साल अक्टूबर में फ्लोर पर आने की उम्मीद थी। सिने गलियारों में बहती बारिश की ठंडी फुहारों ने बताया है कि करण जौहर ने कार्तिक आर्यन के साथ अपनी अगली फिल्म को रोक दिया है। कहा जा रहा है कि युद्ध की पृष्ठभूमि पर बनी देशभक्ति फिल्मों की भरमार है। करण ने योद्धा के बाद बाजार के रुझान को पहचान लिया है और संदीप मोदी और कार्तिक आर्यन की अगली फिल्म को रोक दिया है।

इतना ही नहीं, करण ने अपनी एक और फिल्म को रोक दिया है। द बुल के नाम से बन रही फिल्म में उनके साथ पहली बार सलमान खान नजर आने वाले थे। इस फिल्म का निर्देशन शेरशाह निर्देशित करने वाले विष्णुवर्धन करने जा रहे थे। फिल्म के लिए सलमान खान ने ट्रेनिंग भी पूरी कर ली थी।

अब इस फिल्म को भी पूरी तरह से बंद कर दिया गया है। कहा जा रहा है कि आधिकारिक तौर पर सलमान खान और करण जौहर भविष्य में एक साथ काम करने के वादे को लेकर आगे बढ़ गए हैं। करण अब 2025 और 2026 के लिए धर्मा प्रोडक्शंस के लिए लाइनअप बनाने पर सक्रिय रूप से काम कर रहे हैं।

सिल्वर स्क्रीन पर कमबैक करना चाहती हैं पूजा बत्रा

मुंबई एजेन्सी

बॉलीवुड एक्ट्रेस और ब्यूटी क्वीन रह चुकीं पूजा बत्रा अब बॉलीवुड में कमबैक करना चाहती हैं। पिछली बार उन्हें साल 2021 में स्क्रीन पर देखा गया था। वो 'स्क्वायड' फिल्म में नजर आई थीं। एक्ट्रेस का कहना है कि अगर उन्हें अगर सही मौका मिलता है, तो वह बड़े पर्दे पर वापसी करना चाहेंगी। पूजा ने सिंगर पूनम झा द्वारा गाए गए ट्रैक 'नशे में हाई' के लॉन्च इवेंट के दौरान यह बात कही। उन्होंने कहा, मैं अमेरिका में अपने काम में काफी बिजी रही हूं, लेकिन मैं कमबैक करने के लिए तैयार हूं। अगर सही मौका मिलता है, तो मैं सिल्वर स्क्रीन पर वापस आने और अपने फैंस से फिर से जुड़ने के लिए एक्साइटेड हूं। एक्ट्रेस ने बताया कि वह हमेशा अपने दिल की सुनती है। पूजा ने कहा कि मुझे लगता है कि हर किसी को ऐसा करना चाहिए। इस कॉम्पिटेटिव दुनिया में, अपने पैशन को खोना आसान है, लेकिन पूनम का नया गाना यह साबित करता है कि अपने दिल की सुनने की कोई उम्र नहीं होती। एक्ट्रेस ने सिंगर पूनम को हिप-स्विंग नंबर के लिए बधाई दी। उन्होंने कहा कि पूनम और उनकी टीम को इस गाने के लिए बधाई। मुझे यकीन है कि यह पूरे साल पार्टी का पसंदीदा गाना बना रहेगा। मैं अपने सभी फैंस से कहना चाहती हूं कि अपने पैशन को अपनाएं और अपने सपनों पर काम करें, क्योंकि यही लाइफ में सबसे ज्यादा मायने रखता है।

एक्ट्रेस के बारे में बात करें तो पूजा बत्रा का जन्म 27 अक्टूबर 1976 को उत्तर प्रदेश के फैजाबाद में हुआ था। उन्होंने अपना करियर मॉडलिंग से शुरू किया। उस जमाने में उनका नाम टॉप मॉडल्स में शुमार था। साल 1993 में उन्होंने फेमिना मिस इंडिया इंटरनेशनल का ताज अपने नाम किया और फिर फिल्म इंडस्ट्री में कदम रखा। उन्होंने अनिल कपूर और तब्बू की साल 1997 में आई फिल्म 'विरासत' से डेब्यू किया। यह फिल्म सुपरहिट गई। इसके बाद में वह सुनील शेट्टी के साथ 'भाई' में नजर आईं। उन्होंने 'हसीना मान जाएगी', 'दिल ने फिर याद किया', 'कहीं प्यार न हो जाए', 'नायक: द रियल हीरो', 'ताज महल: एन इटरनल लव स्टोरी', 'तलाश', 'साजिश' और 'भाई' जैसी कई फिल्मों में अहम भूमिका निभाई। वह साउथ की कई फिल्मों में भी काम कर चुकी हैं। वह फिल्म 2004 में कान फिल्म फेस्टिवल में दिखाई गई थी।पर्सनल लाइफ के बारे में बात करें तो पूजा ने साल 2003 में अमेरिकी बिजनेसमैन सोनू अहलूवालिया शादी की, लेकिन यह शादी ज्यादा समय तक टिक नहीं पाई और 2012 में दोनों का तलाक हो गया। इसके बाद पूजा ने नवाब शाह से शादी की। नवाब ने 'डॉन 2', 'टाइगर जिंदा है' समेत कई टीवी शोज में खलनायक की भूमिका निभाई है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
www.dakshinbharat.com
epaper.dakshinbharat.com
बेंगलूरु | मंगलवार | 30-07-2024
/dakshinbharat /dakshinbharat
DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT HINDI DAILY
RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2018-2020
Posted at Bengaluru PSO
Mysore Road Bengaluru-560 026.

मारवाड़ी युवा मंच(मायुम) बेंगलूरु शाखा द्वारा राष्ट्रीय प्रकल्प शिक्षा 'सब के लिए' के अंतर्गत दावणगेरे जिले के हरिहर गांव के करीब 10 सरकारी स्कूलों के 1100 स्कूली बच्चों को स्कूल बैग व पाठ्य सामग्री वितरण किया।

तेयुप विजयनगर के 'फिट युवा-हिट युवा' अभियान में शामिल हुए 70 युवा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। अखिल भारतीय तेरापंथ युवक परिषद द्वारा निर्देशित फिट युवा–हिट युवा के अंतर्गत 60 दिवसीय फिटनेस चैलेंज में विजयनगर स्थित अर्हम भवन में सोमवार को योगा और जुंबा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। तेयुप अध्यक्ष कमलेश चोपड़ा ने सबका स्वागत किया। अभातेयुप उपाध्यक्ष पवन मांडोत ने उपस्थित होकर सभी का उत्साहवर्धन किया। योगा और जुम्बा प्रशिक्षक खुशबू बेंगानी ने फिटनेस ट्रेनिंग हेतु उपस्थित 70 युवाओं को योग और जुंबा का अभ्यास करवाया। फिट युवा हिट युवा की साउथ संयोजक राकेश पोखरणा ने युवाओं को अभियान से जुड़कर उत्तम स्वास्थ्य के लिए आह्वान किया। इस अवसर पर तेयुप गांधीनगर अध्यक्ष विमल धारीवाल, टी दासरहल्ली अध्यक्ष कन्हैयालाल गांधी, तेयुप प्रबंध मंडल से विकास बांठिया सहित अनेक सदस्य उपस्थित थे। संयोजक प्रकाश पगारिया, सुशील गांधी, सह संयोजक विमल पारख, दिनेश मेहता ने व्यवस्था संभाली। मंत्री संजय भटेवरा ने धन्यवाद दिया।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

रक्तदान शिविर

हुब्बल्ली के केएलई का एमआर.साखरे इंग्लिश मीडियम स्कूल के 50वें स्थापना दिवस के मौके पर एसडीजेसीएम राष्ट्रोत्थान ब्लड सेंटर के सहयोग से रक्तदान शिविर का आयोजन किया जिसका संयोजन वर्ष 1996 के बैच के पूर्व छात्रों ने किया। इस शिविर में 49 लोगों ने रक्तदान किया। विनोदकुमार पटवा ने इस जीवनरक्षक कार्यक्रम की सराहना की तथा पूर्व छात्रों के संकल्प को सराहा।

मायुम बेंगलूरु ने हरिहर के सरकारी स्कूलों में बांटे 1100 स्कूल बैग व पाठ्य सामग्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। मारवाड़ी युवा मंच(मायुम) बेंगलूरु शाखा द्वारा राष्ट्रीय प्रकल्प शिक्षा 'सब के लिए' के अंतर्गत दावणगेरे जिले के हरिहर गांव के करीब 10 सरकारी स्कूलों के 1100 स्कूली बच्चों को स्कूल बैग व पाठ्य सामग्री वितरण किया। शाखा के अध्यक्ष स्नेहकुमार जाजू, पूर्व अध्यक्ष अंकितकुमार मोदी, उपाध्यक्ष जयप्रकाश अग्रवाल, सचिव शुभम लोहिया, कोषाध्यक्ष मनीष अग्रवाल सहित मायुम कर्नाटक प्रांत से प्रांतीय उपाध्यक्ष गोपाल कुमार, प्रांतीय सचिव मोहित शर्मा, कार्यकारणी सदस्य श्याम जालान, वरिष्ठ सदस्य पंकज जालान, मनीष मेहनसरिया व अन्य सदस्यों के अलावा स्कूल के अन्य पदाधिकारी व अन्य अधिकारी उपस्थित रहे। इस बैग वितरण कार्यक्रम में बेलगावी मायुम के अध्यक्ष गोपालकुमार उपाध्याय, पूर्व अध्यक्ष अजय हेड़ा और मधुसूदन भट्टड भी उपस्थित रहे।

शहर के लालबाग रोड से शिक्षा ऑन व्हील कार रैली को समाज के अनेक वरिष्ठ सदस्यों ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। बैग वितरण कार्यक्रम के संयोजक अंकित मोदी ने बताया कि टीम ने अगले महीने के 24 अगस्त को कोलार जिले के गांव और कस्बों के सरकारी स्कूलों में भी करीब 1100 स्कूल बैग का वितरण करने का लक्ष्य रखा है। मायुम कर्नाटक प्रांत के अध्यक्ष नीतेश टिबरेवाल ने शाखा का मनोबल बढ़ाते हुए सराहना की। दावनगेरे जिला के सरकारी स्कूलों में 1100 बैग वितरण का सफल कार्यक्रम के लिए बेंगलूरु शाखा के अध्यक्ष स्नेहकुमार जाजू ने सभी अतिथिगणों, सहयोगियों, स्कूल प्रबंधन व सदस्यों को धन्यवाद दिया।

भोग केवल उपाधि है, सुख स्व-आत्मा में है : आचार्य अरिहंतसागर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

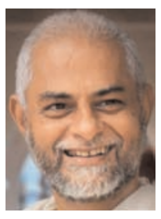

बेंगलूरु। शहर के सिंमधर शान्तिसूरि जैन संघ, वीवी पुरम के तत्वावधान में आचार्यश्री अरिहंतसागरसूरीश्वरजी ने संभवनाथ भवन में प्रवचन देते हुए कहा कि हमारी आत्मा में अनादि काल से सुख प्राप्त करने की तीव्र इच्छा है। सुख प्राप्ति के लिए आत्मा प्रयत्न तो करती है, परंतु उसे आज तक सच्चा सुख नहीं मिल पाया है । यदि ऐसा होता तो तो आत्मा सच्चे सुख के लिए भटकना बंद कर देती। वास्तव में हम सुख पाने के लिए भौतिक पदार्थों के पीछे दौड़ते है। यदि भौतिक पदार्थ से ही सुख मिलता तो आज कितने ही लोग सुखी हो जाते, परंतु ऐसा नहीं हुआ है । हमारी आत्मा में इन इन्द्रियों के सुख पाने की जो तमन्ना, इच्छा अथवा तृष्णा कूट कूट कर भरी है, वह भोग की सामग्री द्वारा क्षणिक समय के लिए जब कम होती है, तो हमें ये सुख लगता है।

संतश्री ने कहा कि वास्तव में तृष्णा ही दुख का कारण है । आत्मा में भोग की तृष्णा है और यदि भोग न मिले तो आत्मा दुखी हो जाती है । भोग केवल उपाधि है, सुख आत्मा में है। बाह्य पदार्थों से सुख नहीं मिलता। बाह्य पदार्थों के उपभोग से अगर अन्दर की तृष्णा शांत न हो तो सच्चे सुख का अनुभव नहीं होगा । तृष्णा के शमन अथवा तृष्णा की शांति में जो सुख का अनुभव है, वह केवल आभासिक या काल्पनिक सुख है अगर व्यक्ति तृष्णा को ही मिटा दे, संतोषी बन जाए तो वो कभी दुखी नहीं होगा, सदैव सुखी एवं तृप्त रहेगा।

विजयनगर तेरापंथ भवन में प्रेक्षाध्यान कार्यशाला का हुआ आयोजन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। तेरापंथ भवन विजयनगर मे साध्वीश्री सिद्धप्रभाजीके सान्निध्य मे प्रेक्षाध्यान कार्यशाला का आयोजन हुआ। कार्यशाला में विशेष रूप से आमंत्रित वरिष्ठ प्रेक्षा प्रशिक्षक राजेन्द्र मोदी ने 'ध्यान क्यों, खोज समाधान की' विषय पर अपने विचार व्यक्त करते हुए उपस्थित श्रावक श्राविकाओं को ध्यान मे प्रवेश करने मे सहायक महाप्राण ध्वनि के विशेष प्रयोगों के बारे मे बताया तथा प्रयोग भी करवाये। विजयनगर प्रेक्षाध्यान केन्द्र संयोजिका वीणा बैद ने प्रेक्षाध्यान फाउंडेशन की गतिविधियों तथा चेतना केंद्र मे आगामी 8 से 15 अगस्त के बीच आयोजित होने वाले अष्ट दिवसीय आवासीय प्रेक्षाध्यान शिविर की जानकारी दी। साध्वी सिद्धप्रभा जी ने प्रवचन में दान के बारे मे विशेष जानकारी दी तथा लौकिक और लोकोत्तर दान के भेद को समझाते हुए भगवान महावीर की वाणी के अनुसार अभय दान को सर्वश्रेष्ठ दान बताया। तीन लोकोत्तर दान ज्ञान दान, अभय दान तथा संयति दान के बारे विस्तार से बताया। कार्यक्रम का संचालन करते हुए साध्वी आस्थाप्रभाजी ने राजेन्द्र मोदी का परिचय दिया। इस मौके पर विजयनगर तथा आरआरनगर सभा द्वारा तपस्वियों का सम्मान किया गया। इस आयोजन में विजयनगर, आरआर नगर आदि क्षेत्रों से बड़ी संख्या में लोग उपस्थित थे।

गुरु व देव तत्व हमारे जीवन के लिए सदैव कल्याणकारी : साध्वीद्वय

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के महालक्ष्मीलेआउट संघ में चातुर्मासार्थ विराजित साध्वीश्री नयदर्शाश्रीजी व ज्ञेयदर्शाश्रीजी ने अपने प्रवचन में कहा कि दो तत्व गुरु व देव तत्व ऐसे है कि जो जन्म जन्मातर से अपना सहयोग देते है, जिससे धर्म, पुण्व व संस्कारों की प्राप्ति होती है। देव और गुरु तत्व जिस जीव को पसंद आया तो समझाना की भव समुद्र में तैरने नौका मिली है। भगवान महावीर स्वामी ने अपने पूरे जीवन में धर्म का आचरण कर गुरु की आज्ञा का पलन किया और उसी भव में प्रभु महावीर स्वामी ने समकित प्राप्त किया।

मन की गुलामी है निकृष्टतम दासता : आचार्यश्री विमलसागर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मैसूरु। शहर के नजरबाद स्थित बुद्धि–वीर वाटिका में विशाल धर्मसभा को संबोधित करते हुए जैनाचार्य विमलसागरसूरीश्वर ने कहा कि अपना मन यदि काबू में न रहा तो हम जीती हुई जिंदगी भी हार जायेंगे। मन की गुलामी निकृष्टतम दासता है। इसे कितना भी दो, यह कभी संतुष्ट नहीं होता। इसकी भट्टी में संभावनाओं से भरा दुर्लभ मनुष्य जीवन स्वाहा हो जाता है। इंसान की जिंदगी में सबसे अधिक उत्पात मन ने ही मचाये हैं। जो मन की मुरादों को समझकर उसे नियंत्रित करने में सफल होते हैं, वे सचमुच वंदनीय साधक हैं। विश्वभर के दार्शनिकों और साधकों ने चित्तवृत्तियों की विकलताओं और विषमताओं के बारे में बहुत कुछ कहा है। समग्र मानवजाति के लिये वे अनुभव प्रेरणा के पुंज हैं। जैनाचार्य ने आगे कहा कि साधकों ने चित्तवृत्तियों के निरोध को योग कहा है। एकाग्र चित्त की अवस्था ही ध्यान है। सांप्रदायिक मान्यताओं और कट्टरताओं से ऊपर उठकर ध्यान–योग की आध्यात्मिक अवस्थाओं का अनुभव करने जैसा है। इच्छा, तृष्णा, आकांक्षा, अपेक्षा, कामना, अभिलाषा जैसी मन की दासताओं से मुक्त, जीवन की नीरव शांति की यह अनुभूति है। शब्दजाल के प्रपंचों से रहित यह निःशब्द की भूमिका पर घटित होता ध्यान है। जहां चित्त की प्रांजल भावदशा परम मैत्री और समर्पण की भूमिका पर स्व की खोज में निमग्न होती है। वर्षावास का योग, सद्गुरु का संयोग और धर्मशास्त्रों का सहारा लेकर मन को पवित्र बनाने का अथक पुरुषार्थ करना चाहिए।

रात्रिकालीन ज्ञानचर्चा सत्र में गणि पद्मविमलसागर ने कहा कि द्रव्यपूजा, भावपूजा, सामयिक, प्रतिक्रमण, स्वाध्याय और मंत्रजाप, सभी ध्यान–योग की प्रारंभिक प्रक्रियाएं हैं। इन्हें मात्र क्रिया–विधि के रूप में नहीं, मनोयोग, वचनयोग और काययोग की साधना के रूप में समझा जाना चाहिए। कल्याण मित्र वर्षावास समिति के कांतिलाल चौहान ने बताया कि यहां विमल–वर्षावास में तीन दिवसीय नवग्रह शांति अनुष्ठान बड़े पैमाने पर आयोजित होने जा रहा है।

गुरु राजेन्द्र की आरती में शामिल बच्चों का किया सम्मान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के मामुलपेट स्थित सिमंधरस्वामी राजेन्द्रसूरी जैन श्वेताम्बर मंदिर के तत्वावधान में दादा गुरुदेव की विशेष आरती का आयोजन किया गया जिसमें बाल श्रद्धालुओं ने भी भाग लिया। इस मौके पर अतिथि के रुप में उपस्थित रमेशचन्द भंडारी, कांतिलाल छाजेड़, जयंतीलाल पटियात, दिलीपकुमार कांकरिया आदि की उपस्थित में बच्चों व अन्य श्रद्धालुओं ने दादा गुरुदेव की आरती की। इस मौके पर शामिल 80 बच्चों को पुरस्कार दिए गए।

आरती का लाभ मीनाक्षी इलेक्ट्रिकल्स के कांतिलाल छाजेड़ परिवार ने आरती में भाग लिया। समारोह में अनेक गुरु मंडलों के सदस्यों के साथ आती मंडल के अध्यक्ष चम्पालाल गादिया, राजेश मकराणी, सुरेश जैन, दिनेश चौहान, विमल चौहान आदि सदस्य उपस्थित थे।

क्रोध से जीवन में सत्य, विनय, शील, क्षमा आदि गुणों का नाश होता है : साध्वीश्री धर्मप्रभा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ हनुमंतनगर में चातुर्मासार्थ विराजित साध्वीश्री धर्मप्रभाजी ने गुरु मिश्री दरबार में उपस्थित श्रद्धालुओं से कहा कि क्रोध जीवन का अभिशाप हैं। क्रोध आत्मा का सबसे बड़ा शत्रु हैं। नीतिकारों ने क्रोध को अग्नि की संज्ञा दी हैं। क्रोध कषाय व्यक्ति के जीवन से सत्य, विनय, शील और शांति, क्षमादि गुणों का नाश करता है। क्रोध प्रीति का नाश करता हैं, जैसे उचित्त रूप से मिश्री का प्रयोग व्यक्ति के स्वास्थ्य के लिये उपयोगी हितकारी सिद्ध होता हैं, वैसे ही अपने जीवन में क्षमा के गुण को धारण करने वाले को सर्वत्र आदर शांति– सुख की प्राप्ति होती हैं और वह साधक अपने कर्मों की महानिर्जरा करते हुए स्वयं के लिए मुक्ति के मार्ग को प्रशस्त करता हैं। प्रारंभ में साध्वीश्री स्नेहप्रभाजी ने कहा कि जब तक हम अपने जीवन में क्रोध, मान, माया, लोभादि कषायों को कम नहीं करेंगे तब तक व्यक्ति के जीवन में सच्चे सुख की उपलब्धि नहीं हो सकती हैं। प्रेम प्यार का गुण व्यक्ति के व्यक्तित्व को शक्ति प्रदान करते हुए उसके जीवन में सुख शांति, खुशी का नव संचार करता है। साध्वी श्री विभिन्न दृष्टांतों के माध्यम से क्रोध के दुष्परिणामों के बारे में बताया। शांति की अमृत और क्रोध को विष के समान हानिकारक, आत्मिक गुणों का घात करने वाला हलाहल जहर से उपमित किया। क्रोध की शुरुआत मूर्खता से और अंत पश्चाताप पर होता है। हनुमंतनगर संघ के मंत्री सुरेशकुमार धोका ने कार्यक्रम का संचालन करते हुए बताया कि आगामी 3 अगस्त को संघ में साध्वीश्री धर्मप्रभाजी की निश्रा में राष्ट्रसंत आचार्यश्री आनंदऋषिजी और श्रमण संघीय उपाध्याय श्री केवलमुनिजी की जयंती आयंबिल दिवस के रूप में तप– त्यागपूर्वक मनायी जायेगी। इस मौके पर श्राविका रेखा मेहता ने सभा में 10 उपवास के प्रत्याख्यान ग्रहण किये।

साधु हमें अपने से नहीं, अपितु धर्म से जोड़ने आते हैं : राजेशमुनि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के शांतिनगर स्थित लुणावत जैन स्थानक में चातुर्मासार्थ विराजित संतश्री राजेशमुनि ने कहा कि महापुरुषों की संगत में रहने से हमारा ज्ञानवर्धन होता है और हमारी जीवनशैली भी उच्च स्तर की बन जाती है। सत्संग के सहारे हम सभी 18 पापों से छूट सकते हैं। जिनवाणी की राह पकड़कर अपनी आत्मा के उद्धार हेतु सत्कर्मों से जुड़कर अपनी पुण्यवानी में बढ़ोतरी कर सकते हैं। आत्मा को परमात्मा बनाने का सतत प्रयत्न करना चाहिए, इसके लिए जीवन को विनय रूपी खाद और समता रूपी पानी देकर इस जीवन रूपी खेत को भगवान महावीर की बताई राह पर चलकर हरा–भरा बनाना चाहिए और मोक्ष को पाने का लक्ष्य निर्धारित करना चाहिए। हमें दुख में भी समभावों में रहकर इस जीवन रूपी सागर को गुरु रूपी खेवैया के सहारे पार करना है। साधु हमें अपने से नहीं, अपितु धर्म से जोड़ने आते हैं। श्रद्धालुओं के सहारे ही साधु एवं जिनशासन की शोभा बढती है। मुनि ने कहा कि भगवान महावीर का संदेश है कि हमें वर्तमान में जीना है न कि अतीत और भविष्य में। इससे ही जिंदगी में बदलाव आयेगा।

विनय, विवेक और समता से जीवन रूपी बाग खिल उठता है। धर्म को धन से अधिक महत्व देने की प्रेरणा देते हुए मुनिश्री ने कहा कि पैसों की गर्मी के कारण आज कुछ लोग धर्म भूलते जा रहे हैं। संघ के सहमंत्री नरेंद्र बेताला ने धन्यवाद दिया। धर्मसभा का संचालन मंत्री छगनमल लुणावत ने किया।

लालबाग में हनुमंतनगर तेरापंथ युवाओं ने किया कायोत्सर्ग

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। अखिल भारतीय तेरापंथ युवक परिषद द्वारा निर्देशित फिट युवा–हिट युवा के अंतर्गत 60 दिवसीय फिटनेस चैलेंज में लालबाग बोटानिकल गार्डन में सोमवार को योग व कार्योत्सर्ग का आयोजन किया गया। उपाध्यक्ष राहुल मेहता उपस्थित 18 युवाओं को कार्योत्सर्ग करवाया और उसके लाभ बताए। अध्यक्ष कमलेश झाबक ने सबका स्वागत करते हुए सबको नित्य व्यायाम करने की प्रेरणा दी। पूर्व अध्यक्ष गौतम खाब्या, पूर्व अध्यक्ष अंकुश बैद, उपाध्यक्ष देवेंद्र आंचलिया, मंत्री संदीप चौधरी, सहमंत्री नवरतन बोल्या व रक्षित लोढा, कोषाध्यक्ष धवल बोल्या, संयोजक हर्ष कातरेला, सहसंयोजक मनोज पोरवाड़, तेजमल गन्ना सहित अनेक सदस्य उपस्थित थे।

'ईर्ष्या,जलन घटाने का अभ्यास ही सामायिक है'

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। शहर के गणेश बाग में चातुर्मासार्थ विराजित विनयमुनिजी खींचन ने आवश्यक सूत्र की विवेचना करते हुए प्रथम सामायिक धर्म की महिमा बताते हुए कहा कि जड़ में राग घटाकर प्राणियों के प्रति जुड़े। साथियों के साथ ईर्ष्या,जलन घटाने का अभ्यास ही सामायिक है। जिसका पुन पुन अभ्यास किया जाता है, उसे शिक्षा कहते है। सामायिक एक महान् अनुष्ठान माना है। जड़ में राग जब बढता है, उसे संग्रह करने की इच्छा बढेगी, उसके लिए कितना झूठ और चोर्य कर्म करना पड़ता है । जड़ में चैतन्य नहीं होता व शत्रु नहीं होता है। जनता जड़, धन, सोना, चांदी को परम मित्र मान बैठे है। उनमें चैतना नहीं, कभी भी हमारे सच्चे हित–हितैषी नही होते हैं। मृत्यु आती है तब धन तन परिजन कोई भी साथ मरने को तैयार नहीं होता है। जीवंत व्यक्ति ही 'सामायिक पुरुष' होता है। संघ प्रवक्ता राजू सकलेचा ने सभी का स्वागत किया। जयनगर संघ के अध्यक्ष दीपचंद भंसाली, हलसूर संघ के अध्यक्ष नेमीचंद चोरडिया, महामंत्री अभयकुमार बांठिया आदि ने संत दर्शन किया।

डिजिटल रूप में भी पढ़ें दक्षिण भारत हिन्दी दैनिक
www.dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

सहयोग

मैसूरु स्थित हेल्पिंग हैंड्स जैन यूथ संस्था ने इट्टेगुड स्थित सरकारी स्कूल के सभी विद्यार्थियों को रेनकोट वितरित किया। सचिव आनंद पटवा ने कहा कि सामुदायिक सप्ताह के अवसर पर भवरीदेवी बंदमुथा परिवार के सौजन्य से स्कूली बच्चों को रेनकोट दिया गया। इस अवसर पर हेल्पिंग हैंड्स के अध्यक्ष महावीर खाबिया, सचिव आनंद राज पटवा, कोषाध्यक्ष राजन बाघमार सहित अनेक सदस्य उपस्थित थे।

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**,
(*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.
HEAD OFFICE : DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT, New Media Company, 6/4, Cantonment Station Road, Bangalore 560051. Editorial : 080-25363030 / 9945488003. For Advertisement : 9945488002 - email : news@dakshinbharat.com